RNI NO.DELHIN/2012/48369
वर्ष 9 अंक 333
नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, 14 अक्टूबर, 2021
पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 3
नगर संस्करण

नई दिल्ली, लखनऊ, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित

पायनियर

www.dailypioneer.com

उन लोगों के लिए बोलो जो अनसुना कर जाते हैं
विविध-12

अगले सप्ताह तक लग जाएंगे 100 करोड़ टीके

● बुधवार तक 96.72 करोड़ वैक्सीन की खुराक लगीं

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

कोविड रोधी टीकाकरण का कार्य तेज गति से जारी है। देश में अगले सप्ताह 18 या 19 अक्तूबर तक कोविड-19 वैक्सीन की 100 करोड़ खुराक लग जाएंगी। स्वास्थ्य मंत्रालय के सूत्रों के अनुसार मंगलवार शाम तक देशभर में कोविड-19 वैक्सीन की 96.72 करोड़ खुराक लोगों को दी जा चुकी हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय के सूत्रों के मुताबिक देश की 73 फीसदी बालिग आबादी को कोविड वैक्सीन की पहली खुराक लगाई जा चुकी है, जबकि 30 फीसदी को दोनों खुराक लग चुकी हैं। मंत्रालय के सूत्रों के मुताबिक इस समय आठ करोड़ खुराक राज्यों के इस्तेमाल के लिए तैयार रखी हैं।

इस बीच, भारत ने दूसरे देशों को पुन: वैक्सीन निर्यात करने को हरी झंडी भी दे दी है। साथ ही बीते मंगलवार को ही 2 से 18 आयु वर्ग के बच्चों को भी वैक्सीन दिए जाने आपातकालीन मंजूरी मिल गई है। सूत्रों के अनुसार टीकाकरण अभियान को और तेज किया जाएगा ताकि किसी भी स्तर पर शिथिलता न आए और लोगों की हिचकिचाहट को दूर किया जा सके। इसके लिए टीकाकरण केंद्रों पर विशेष आयोजन किए जाएंगे। मंत्रालय की ओर से इस मौके के लिए एक विशेष लोगो तैयार कराया गया है। मंत्रालय के सूत्रों के मुताबिक अक्तूबर में देश में कोरोना रोधी टीकों की 28 करोड़ से अधिक खुराक उपलब्ध होंगी। इनमें 22 करोड़ कोविशील्ड, छह करोड़ कोवैक्सीन और 60 लाख जायकोव-डी के टीके उपलब्ध होंगे। सूत्रों के मुताबिक तकनीकी विशेषज्ञों की समिति की ओर से बच्चों (दो से 18 साल आयुवर्ग) के लिए कोवैक्सीन की मंजूरी दे दी गई है लेकिन अभी टीके का और विश्लेषण किया जाना बाकी है। इस वजह से बच्चों के टीकाकरण में अभी कुछ वक्त और लग सकता है। देश में बुधवार को एक दिन में 15,823 केस आए हैं। मंगलवार के मुकाबले ये 10.5 फीसदी अधिक हैं। भारत में बीते 24 घंटों में कोरोना से 226 लोगों की मौत भी हुई है।

बंगाल में पूजा पंडालों में भीड़, डॉक्टरों ने चेताया

सौगर सेनगुप्ता। कोलकाता

गणेश उत्सव के दौरान कोरोना प्रोटोकॉल का जहां मुंबई में सख्ती से पालन किया गया, वहीं दुर्गा पूजा के दौरान कोलकाता के पंडालों में यह प्रोटोकॉल फेल होता दिख रहा है। कोरोना महामारी के बीच कोलकाता महानगर की सड़कों पर दुर्गा पूजा पंडाल देखने उमड़ी लाखों की भीड़ के बीच चिकित्सकों ने दुर्गा पूजा के तुरंत बाद कोविड संक्रमण तेजी से फैलने की आशंका जताई है।

कलकत्ता उच्च न्यायालय द्वारा तैयार किए कोरोना प्रोटोकॉल का पालन कराने में प्रशासन की ढील ने खतरा और बढ़ा दिया है। वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. आरके पात्रा ने चेतावनी दी कि यदि संकमण दर पांच फीसदी से अधिक हो जाता है तो प्रशासन को निश्चित रूप से लॉकडाउन लागू करने के बारे में या अन्य उपाय के बारे में सोचना होगा। एशिया के सबसे पुराने अस्पताल कलकत्ता मेडिकल कॉलेज के एक

नवरात्र के दौरान कोलकाता के एक दुर्गा पंडाल में उमड़े भक्त

वरिष्ठ चिकित्सक ने बताया कि महा पंचमी से पहले बंगाल में संक्रमण दर 1.75 फीसदी के आसपास थी जो महा सप्तमी के दिन संक्रमण दर 2.53 फीसदी को पार कर गई। जबकि जिलों में संक्रामकता की दर स्थिर बनी हुई है। यह कोलकाता और पास के उत्तर 24 परगना जिसका अधिकांश हिस्सा कोलकाता का ही विस्तार है। पंडालों में बढ़ती भीड़ और फुटपाथ पर चलते लोगों के कारण यह संख्या बढ़ रही है। हालांकि जिलों में पूजा महा षष्ठी के दिन शुरू होती है, लेकिन कोलकाता में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के शुरु में उद्घाटन पहले कर दिया था, हालांकि यहां उत्सव तृतीया या उससे भी पहले से शुरू हो जाता है।

चीन को कड़ा जवाब, अरुणाचल भारत का अभिन्न हिस्सा है

● भारत ने उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू के अरुणाचल प्रदेश दौरे पर चीन की आपत्ति सिरे से खारिज की

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली, बीजिंग

भारत ने उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू के हाल के अरुणाचल प्रदेश के दौरे पर चीन की आपत्ति को बुधवार को सिरे से खारिज किया और कहा कि अरुणाचल प्रदेश भारत का अटूट और अभिन्न हिस्सा है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने कहा कि भारतीय नेताओं द्वारा भारत के किसी राज्य की यात्रा पर आपत्ति करने का कोई कारण नहीं है। बागची ने कहा, हमने चीन के आधिकारिक प्रवक्ता की टिप्पणी को आज देखा है। हम ऐसे बयानों को खारिज करते हैं। अरुणाचल प्रदेश भारत का अटूट और अभिन्न हिस्सा है।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू के सप्ताहांत में अरुणाचल प्रदेश दौरे पर चीन के विदेश मंत्रालय की आपत्ति के बारे में पूछे गए सवाल के जवाब में यह बात कही। बागची ने कहा, भारतीय नेता नियमित रूप से अरुणाचल प्रदेश का दौरा करते हैं

जिस प्रकार वे भारत के अन्य राज्यों में जाते हैं। उन्होंने कहा कि भारत के एक राज्य की भारतीय नेताओं द्वारा यात्रा पर आपत्ति करने का कोई कारण भारतीयों को समझ नहीं आ रहा। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता झाओ लिजियान ने बीजिंग में एक मीडिया ब्रीफिंग में उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू के अरुणाचल प्रदेश के हालिया दौरे पर पूछे गए एक सवाल पर कहा कि चीन ने कभी राज्य को मान्यता नहीं दी है। उन्होंने कहा, सीमा मुद्दे पर चीन की स्थिति अडिग और स्पष्ट है। चीन सरकार ने कभी भी भारतीय पक्ष द्वारा एकतरफा और अवैध रूप से स्थापित तथाकथित अरुणाचल प्रदेश को मान्यता नहीं दी है एवं वह भारतीय नेता के संबंधित क्षेत्र के दौरे का कड़ा विरोध करता है। लिजान ने कहाकि हम भारतीय पक्ष से चीन की प्रमुख चिंताओं का ईमानदारी से सम्मान करने और ऐसी किसी कार्वाई से बचने का आग्रह करते हैं जिससे सीमा मुद्दा और जटिल तथा विस्तारित हो एवं जो आपसी विश्वास और द्विपक्षीय संबंधों को कमतर करे। उन्होंने कहाकि इसके बजाय इसे चीन-भारत सीमा क्षेत्र में शांति एवं स्थिरता बनाए रखने के लिए वास्तविक ठोस कार्वाई करनी चाहिए तथा द्विपक्षीय संबंधों को वापस पटरी पर लाने में मदद करनी चाहिए। चीन भारतीय नेताओं के अरुणाचल प्रदेश दौरे पर आपत्ति व्यक्त करता है।

चीन अरुणाचल प्रदेश को दक्षिण तिब्बत का हिस्सा बताता है। दोनों पक्षों की ओर से यह टिप्पणी पूर्वी लद्दाख में 17 महीने से भारत और चीन के बीच जारी गतिरोध को दूर करने के लिए भारत और चीन के बीच 13वें दौर की सैन्य वार्ता के तीन दिन बाद आई है। बागची ने कहा, जैसा कि हमने पहले कहा है कि भारत चीन सीमा पर पश्चिमी सेक्टर में वास्तविक नियंत्रण रेखा पर वर्तमान स्थिति चीन द्वारा द्विपक्षीय समझौतों का उल्लंघन करते हुए एकतरफा ढंग से यथास्थिति बदलने के प्रयास करने के कारण उत्पन्न हुई है। गौरतलब है कि सरकार पूर्वी लद्दाख को अक्सर पश्चिमी सेक्टर कह कर संबोधित करती है। बागची ने कहा, इसलिए हम चीनी पक्ष से (शेष पेज 9)

नवम सिद्धिदात्री

**सिद्धगन्धर्वयक्षाद्यैरसुरैरमरैरपि।
सेव्यमाना सदा भूयात् सिद्धिदा सिद्धिदायिनी॥**

नौवीं देवी सिद्धिदात्री की कृपा से शिव ने तमाम सिद्धियां प्राप्त की थीं। इस देवी की कृपा से ही शिवजी का आधा शरीर देवी का हुआ था। इसी कारण शिव अर्द्धनारीश्वर हुए। यह देवी सर्व सिद्धियां प्रदान करने वाली देवी हैं। उपासक या भक्त पर इनकी कृपा से कठिन से कठिन कार्य भी चुटकी में संभव हो जाते हैं। हिमाचल के नंदापर्वत पर इनका प्रसिद्ध तीर्थ है। अणिमा, महिमा, गरिमा, लघिमा, प्राप्ति, प्राकाम्य, ईशित्व और वशित्व आठ सिद्धियां होती हैं। इसलिए इस देवी की सच्चे मन से विधि विधान से उपासना-आराधना करने से यह सभी सिद्धियां प्राप्त की जा सकती हैं। इस देवी का स्मरण, ध्यान, पूजन हमें इस संसार की असारता का बोध कराते हैं और अमृत पद की ओर ले जाते हैं।

मादक पदार्थों की खरीद, उपभोग में शामिल था आर्यन : एनसीबी

भाषा। मुंबई

स्वापक नियंत्रण ब्यूरो (एनसीबी) ने बुधवार को यहां एक विशेष अदालत में कहा कि उसकी जांच में खुलासा हुआ है कि मुंबई तट के नजदीक क्रूज शिप पर प्रतिबंधित मादक पदार्थों की जब्ती के सिलसिले में गिरफ्तार बॉलीवुड स्टार शाहरुख खान का बेटा आर्यन खान इस मामले में साजिश में, मादक पदार्थों की तस्करी और खरीद तथा उपभोग में संलिप्त था। आर्यन खान की तरफ से वरिष्ठ अधिवक्ता अमित देसाई ने स्वापक नियंत्रण ब्यूरो की दलील को स्वाभाविक रूप से बेतुका बताते हुए कहा कि जब उसके पास से कोई मादक पदार्थ नहीं मिला तो उसे जमानत मिलने के स्तर पर दंडित नहीं किया जाना चाहिए।

देसाई ने अदालत से कहा कि मौजूदा मामले में आरोपी युवा वयस्क हैं और मादक पदार्थ कारोबारी, तस्कर या गिरोह का सदस्य नहीं है। उन्होंने कहा, कई देशों में ये पदार्थ (ड्रग्स) कानूनी होते हैं। जब जमानत मांगी गई है तो इस स्तर पर उन्हें दंडित नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने काफी कुछ सह लिया है और सबक सीख

गए हैं। स्वापक और मन:प्रभावी पदार्थ (एनडीपीएस) कानून से संबंधित मामलों की सुनवाई के लिए मनोनीत विशेष न्यायाधीश वी वी पाटिल बुधवार को आर्यन खान की जमानत अर्जी पर सुनवाई कर रहे थे।

अदालत बृहस्पतिवार को सुनवाई जारी रखेगी। जमानत याचिका का विरोध करते हुए एनसीबी ने अदालत में दावा किया कि आर्यन खान पिछले कुछ साल से नशीले पदार्थ ले रहा है और ड्रग्स की खरीद के लिए ऐसे कुछ लोगों से संपर्क में था जो अंतरराष्ट्रीय मादक पदार्थ नेटवर्क का हिस्सा लगते हैं। विदेश में किए गए वित्तीय लेनदेन के संबंध में आगे जांच जारी है। एनसीबी ने अपने हलफनामे में कहा, शुरुआती जांच में आवेदक (आर्यन खान) के (शेष पेज 9)

जी-20 नेताओं ने की अफगानिस्तान के लिए वित्तीय मदद की वकालत

एपी। रोम

यूरोपीय संघ ने अफगानिस्तान के लोगों की मदद के लिए एक अरब यूरो की मदद देने का वादा किया और जी-20 देशों के समूह ने मंगलवार को इस चिंता के बीच अफगानिस्तान में सहायता में तेजी लाने का संकल्प लिया कि पहले से ही खराब मानवीय और आर्थिक हालात सर्दियों तक भयावह स्थिति में पहुंच जाएंगे। जी-20 नेताओं ने इटली की मेजबानी में ऑनलाइन आयोजित शिखर सम्मेलन में तालिबान सरकार को पूरे अफगानिस्तान में मानवीय सहायता पहुंच की अनुमति देने, काबुल हवाई अड्डे और देश की सीमाओं को खुला रखने और संयुक्त राष्ट्र, मानवीय और राजनयिक कर्मचारियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की। उन्होंने एक बार फिर महिलाओं के अधिकारों को सुनिश्चित करने की मांग दोहराई। इटली के प्रधानमंत्री मारियो ड्राघी ने कहा का यह बैठक अफगानिस्तान से अमेरिकी सैनिकों की वापसी और तालिबान के सत्ता में आने के बाद पैदा संकट (शेष पेज 9)

श्रीनगर में आतंकी साजिश में अब तक नौ गिरफ्तार

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने बुधवार को कहा कि उसने जम्मू-कश्मीर में आतंकवादी साजिश के मामले में श्रीनगर में की गई छापेमारी के दौरान अब तक नौ लोगों को गिरफ्तार है। तलाशी के दौरान जांच एजेंसी ने कई इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, जिहाद संबंधी दस्तावेज और संदिग्ध वित्तीय लेनदेन के रिकॉर्ड जब्त किए हैं। यह मामला प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी), जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम), हिज्ब-उल-मुजाहिदीन (एचएम), और उनके सहयोगी संगठन अल बद्र, द रेसिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ), पीपल अगेंस्ट फासिस्ट फोर्सेज (पीएएफएफ) और मुजाहिदीन गजवत-उल हिंद (एमजीएच) सहित अन्य द्वारा जम्मू-कश्मीर और अन्य प्रमुख शहरों में हिंसक आतंकवादी कृत्यों को अंजाम देने की साजिश से संबंधित है। एजेंसी ने मंगलवार को जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर, पुलवामा और शोपियां जिलों में 16 स्थानों पर तलाशी ली थी और चार आरोपियों को गिरफ्तार किया था। गिरफ्तार आरोपी चट्टाबल श्रीनगर का वसीम अहमद सोफी, श्रीनगर के शेरगढ़ी का तारिक अहमद डार, श्रीनगर के परिमपोरा का बिलाल अहमद मीर उर्फ घिबलाल फूफू, श्रीनगर के राजौरी कदल का तारिक अहमद बानफंडा के अलावा मोहम्मद हनीफ चिरालू (श्रीनगर) हफीज (बडगाम), ओवैस डार (पुलवामा), मतीन भट (शोपियां) और आरिफ फारूख भट (श्रीनगर) षामिल हैं। एनआईए ने बीते रविवार को मामला दर्ज किया था। एजेंसी जम्मू-कश्मीर, और नई दिल्ली सहित भारत के अन्य प्रमुख शहरों में प्रतिबंधित आतंकवादी संगठनों लश्कर, जेईएम, एचएम, के कैडरों द्वारा हिंसक आतंकवादी कृत्यों को अंजाम देने के लिए शारीरिक और साइबर स्पेस दोनों में साजिश रचने के संबंध में खुफिया इनपुट के आधार पर जांच कर रही है। आतंकी संगठनों के आतंकवादी और उनके सहयोगी पड़ोसी देश में बैठे अपने आकाओं और कमांडरों के साथ मिलकर साजिश कर रहे हैं। हथियारों, गोला-बारूद और विस्फोटकों के संचालन में उन्हें भर्ती करने और प्रशिक्षण देने के उद्देश्य से स्थानीय युवाओं को कट्टरपंथी बनाने में भी शामिल हैं।

जैश का शीर्ष कमांडर शम सोफी ढेर

पायनियर समाचार सेवा। श्रीनगर

जम्मू-कश्मीर के पुलवामा जिले में बुधवार को सुरक्षा बलों और आतंकवादियों के बीच मुठभेड़ में आतंकवादी संगठन जैश-ए-मोहम्मद का शीर्ष कमांडर शम सोफी मारा गया। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि दक्षिण कश्मीर के पुलवामा जिले के अवंतीपुरा के त्राल इलाके के तिलवानी मोहल्ला वाग्गड़ में आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में गुप्त सूचना मिलने के बाद सुरक्षा बलों ने वहां घेराबंदी कर तलाशी अभियान शुरू किया। उन्होंने बताया कि आतंकवादियों के सुरक्षा बल पर गोलीबारी के बाद अभियान मुठभेड़ में तब्दील हो गया। सुरक्षा बलों की जवाबी कार्वाई में एक आतंकवादी मारा गया। कश्मीर के पुलिस महानिरीक्षक विजय कुमार ने बताया कि आतंकवादी की पहचान जैश-ए-मोहम्मद के शीर्ष कमांडर शम सोफी के तौर पर हुई है। उन्होंने ट्वीट किया, जैश-ए-मोहम्मद का शीर्ष कमांडर शम सोफी मुठभेड़ में मारा गया।

मनमोहन सिंह अस्वस्थ होने के बाद एम्स में भर्ती

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

पूर्व प्रधानमंत्री डॉक्टर मनमोहन सिंह को अस्थ्वस्थ होने की वजह से बुधवार को यहां अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में भर्ती कराया गया। कांग्रेस के सूत्रों ने यह जानकारी दी। पार्टी के एक सूत्र ने बताया, दो दिन पहले उन्हें बुखार आया था। बुखार उतरने के बाद वह कमजोरी महसूस कर रहे थे। आज चिकित्सकों की सलाह पर उन्हें एम्स भर्ती कराया गया है। उन्हें चिकित्सकों की देखरेख में रखा गया है और चिंता की कोई बात नहीं है। उधर, कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव और मीडिया विभाग के सह-प्रभारी प्रणव झा ने ट्वीट किया, पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह जी के स्वास्थ्य के संदर्भ में कुछ अफवाहें चल रही हैं जो आधारहीन हैं। उनकी हालत स्थिर है। उनका नियमित उपचार हो रहा है। जरूरत पड़ने पर हमें नई सूचनाएं साझा करेंगे। चिंता के लिए मीडिया के अपने साथियों का धन्यवाद करता (शेष पेज 9)

बाजार

सेंसेक्स	60,737	↑ 452	
निफ्टी	18,161	↑ 169	
सोना	46,329	↑ 63	/10g
चांदी	60,788	↑ 371	/kg

क्विक न्यूज

इलाहाबाद हाईकोर्ट में आठ न्यायाधीशों ने शपथ ली

प्रयागराज। इलाहाबाद उच्च न्यायालय के नवनियुक्त आठ न्यायाधीशों ने बुधवार को अपर न्यायाधीशों के तौर पर शपथ ग्रहण किया। इन न्यायाधीशों को मुख्य न्यायाधीश राजेश बिंदल ने अपनी अदालत में एक सादे एवं गरिमापूर्ण समारोह मे शपथ दिलाई। शपथ ग्रहण करने वाले न्यायाधीशों मे चंद्र कुमार राय, कृष्ण पहल, समीर जैन, आशुतोष श्रीवास्तव, सुभाष विद्यार्थी, बृजराज सिंह, श्रीप्रकाश सिंह और विकास बुधवार शामिल है। शपथ ग्रहण के उपरांत इलाहाबाद उच्च न्यायालय मे न्यायाधीशों की संख्या बढ़कर 97 हो गई है, जबकि इलाहाबाद उच्च न्यायालय में मुख्य न्यायाधीश सहित न्यायाधीशों के 160 पद स्वीकृत हैं। उल्लेखनीय है अदालतों में बड़ी संख्या में न्यायाधीशों के पद रिक्त हैं जिससे लंबित मामले बढ़ रहे हैं।

गाजियाबाद में बड़ा हादसा

फ्लाईओवर से नीचे गिरी बस, कई लोगों के मरने की आशंका

गाजियाबाद। राजधानी दिल्ली से सटे गाजियाबाद में बुधवार रात बड़ा हादसा हो गया। लाल कुआं की तरफ से गाजियाबाद आ रही यात्रियों से भरी बस भाटिया मोड़ के फ्लाईओवर से गिरी नीचे गिर गई। हादसे के वक्त फ्लाईओवर के नीचे और बराबर में बाजार लगा हुआ था। बस गिरने से बाजार में मौजूद दर्जनों लोग इसकी चपेट में आ गए। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने यात्रियों और बस की चपेट में आए लोगों को निकालना शुरू कर दिया है। फिलहाल जिला सरकारी अस्पताल एमएमजी में आधा दर्जन एंबुलेंस के माध्यम से 10 घायलों को भेज दिया गया है। पुलिस के सूत्रों का कहना है कि 8 से 10 लोग मौके पर ही दम तोड़ चुके हैं हालांकि अभी तक किसी के भी मरने की आधिकारिक (शेष पेज 9)

आशीष मिश्रा की जमानत याचिका खारिज, दो और गिरफ्तार

लखीमपुर हिंसा

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत ने लखीमपुर खीरी हिंसा कांड के मुख्य आरोपी और केंद्रीय राज्यमंत्री अजय मिश्रा के पुत्र आशीष मिश्रा की जमानत याचिका नामंजूर कर दी है। उधर इस कांड में आरोपी अंकित दास और उसके निजी गनर लतीफ उर्फ काले को एसआईटी ने गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद अंकित दास और लतीफ उर्फ काले को पुलिस ने सीजेएम कोर्ट में पेश किया।

पुलिस ने कोर्ट से 14 दिनों की रिमांड मांगी लेकिन कोर्ट ने 22 अक्टूबर तक दोनों को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। आरोप है कि जिन गाड़ियों ने किसानों को कुचला था, उसमें से एक गाड़ी में अंकित दास भी सवार था। अंकित दास पूर्व सांसद अखिलेश दास का भतीजा और इस केस के मुख्य आरोपी और (शेष पेज 9)

लखीमपुर मामले में वित्त मंत्री ने साधा विपक्ष पर निशाना

बोस्टन(भाषा)। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने लखीमपुर खीरी हिंसा को पूरी तरह निंदनीय बताते हुए कहा कि भारत के अन्य हिस्सों में भी इस प्रकार की घटनाएं होती हैं, लेकिन उन्हें उसी समय उठाया जाना चाहिए, जब वे घटित हुई हों, न कि उन्हें तब उठाया जाए, जब किसी राज्य में भाजपा की सरकार होने के कारण कुछ लोगों को उन्हें उठाना अनुकूल लगता हो। अमेरिका की आधिकारिक यात्रा पर पहुंचीं सीतारमण ने लखीमपुर खीरी में चार (शेष पेज 9)

मल्टी मॉडल कनेक्टिविटी के लिए मास्टर प्लान लांच

● गुणवत्तापूर्ण बुनियादी ढांचे के बिना विकास संभव नहीं: प्रधानमंत्री

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को मल्टी-मॉडल कनेक्टिविटी के लिए 100 लाख करोड़ रुपए के राष्ट्रीय मास्टर प्लान की शुरुआत की, जिसका उद्देश्य लॉजिस्टिक्स की लागत को कम करना और अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए बुनियादी ढांचे का विकास करना है। मोदी ने योजना की शुरूआत के अवसर पर कहा कि पीएम गतिशक्ति योजना का लक्ष्य लॉजिस्टिक्स की लागत में कमी, कार्गो हैंडलिंग क्षमता बढ़ाना और कार्यान्वयन को तेज करना है। उन्होंने कहा कि इस योजना का उद्देश्य सभी संबंधित विभागों को एक मंच पर जोड़कर परियोजनाओं को अधिक

शक्ति और गति देना है। उन्होंने कहा कि विभिन्न मंत्रालयों एवं राज्य सरकारों की बुनियादी ढांचा योजनाओं को एक समान दृष्टि से तैयार कर उनका कार्यान्वयन किया जाएगा। मोदी ने आरोप लगाया कि विगत में विकास कार्यों में सुस्ती के साथ करदाताओं के पैसों का सही इस्तेमाल नहीं किया जाता था और विभाग अलग-अलग काम करते थे तथा परियोजनाओं को लेकर उनमें कोई समन्वय नहीं था। उन्होंने कहा कि गुणवत्तापूर्ण बुनियादी ढांचे के बिना विकास संभव नहीं है और सरकार ने अब इसे समग्र रूप से विकसित करने का संकल्प लिया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि गतिशक्ति मास्टर प्लान सड़क से लेकर रेलवे, उड्डयन से लेकर कृषि तक परियोजनाओं के समन्वित विकास के लिए विभिन्न विभागों को आपस में जोड़ता है। उन्होंने कहा कि देश में लॉजिस्टिक्स की ऊंची लागत जो सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का 13 प्रतिशत हिस्सा है, निर्यात में प्रतिस्पर्धा को प्रभावित कर रही है और पीएम गतिशक्ति का उद्देश्य लॉजिस्टिक्स की लागत कम करना और कार्यान्वयन को तेज करना है। मोदी ने कहा कि इस योजना से भारत को एक निवेश गंतव्य के रूप में बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार के तहत भारत जिस गति और पैमाने को देख रहा है, वह आजादी के पिछले 70 वर्षों में कभी नहीं देखा गया था। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि पहली अंतर-राज्यीय प्राकृतिक गैस पाइपलाइन 1987 में चालू की गई थी। तब से 2014 तक, 15,000 किलोमीटर प्राकृतिक गैस पाइपलाइन का निर्माण किया गया था। इस समय 16,000 किलोमीटर से अधिक नई गैस पाइपलाइन का निर्माण किया जा रहा है। उन्होंने कहाकि 27 साल में जो किया गया, हम वह काम उससे आधे से भी कम समय में कर रहे हैं।

फैक्ट्री के टैंक में दम घुटने से 2 मजदूरों की मौत

परिजनों ने लगाया जबरन सफाई कराने का आरोप, मालिक और ठेकेदार पर मामला दर्ज

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

कोतवाली कासना क्षेत्र के औद्योगिक क्षेत्र साइट-5 स्थित जगदंबा केमिकल फैक्ट्री में मंगलवार देर रात दर्दनाक हादसा हो गया।

केमिकल फैक्ट्री के टैंक को साफ करने के लिए उतारे गए दो लोगों की जहरीली गैस से दम घुटने के कारण मौत हो गई। दोनों मृतक आपस में रिश्तेदार हैं। परिजनों ने फैक्ट्री के मालिक और ठेकेदार पर बिना सेफ्टी बेल्ट और मास्क के केमिकल टैंक में उतारने का आरोप लगाया है।

पुलिस ने मामले में फैक्ट्री मालिक और ठेकेदार के खिलाफकेस दर्ज कर लिया है। जानकारी के मुताबिक यूपी के जनपद बांदा निवासी रविंद्र ने बताया कि मंगलवार रात साइट-5 स्थित जगदंबा केमिकल फैक्ट्री का ठेकेदार हेमंत उनके घर पर बुलाने आया था।

विलाप करते परिजन।

केमिकल फैक्ट्री का टैंक जहां हादसा हुआ।

रविन्द्र और उनके अन्य रिश्तेदार फैक्ट्री के पास ही किराए के मकान में रहते हैं। हेमंत ने ठेकेदार से कहा कि थोड़ी देर के लिए फैक्ट्री में चल कर काम करना है।

ठेकेदार हेमंत रविन्द्र उसके मौसा रामभेश, मौसेरा भाई पंकज और रमेश को 6 हजार रुपये का प्रलोभन देकर फैक्ट्री में रात 9:30 बजे ठेकेदार बुलाकर ले गया। ठेकेदार और फैक्ट्री मालिक सुरेंद्र गुप्ता ने चारों व्यक्तियों से केमिकल टैंक की सफाई के लिए कहा। आरोप है कि चारों के इंकार करने पर भी वह जिद पर अड़ गए और मजदूरों को धमकाने लगे। उन्होंने कहा कि पहले भी वह कई बार टैंक की सफाई करा चुके हैं। इसमें कोई परेशानी नहीं होती।

ठेकेदार और फैक्ट्री मालिक ने बिना सेफ्टी बेल्ट और मास्क दिए रामभेष और पंकज को टैंक में उतार दिया। कुछ ही समय में टैंक में सफई के लिए गए दोनों जहरीली गैस से बेहोश हो गए। जानकारी होने पर उन्हें बाहर निकाल कर अस्पताल ले जाया गया जहां डॉक्टर ने दोनों को मृत घोषित कर दिया गया। परिजन ने देर रात ठेकेदार और फैक्ट्री मालिक पर आरोप लगाकर हंगामा किया।

कोतवाली कासना प्रभारी सुधीर कुमार ने बताया कि पीडित परिजनों की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी फैक्ट्री मालिक सुरेंद्र गुप्ता और ठेकेदार हेमंत के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। आरोपियों की गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं। जल्द ही उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाएगा। जानकारी के मुताबिक रविन्द्र ने मौसा और मौसेरे भाई की जान बचाने के लिए अपनी जान पर खेलकर टैंक में उतर गया, लेकिन उतरते ही जहरीली गैस से उसकी भी हालत बिगड़ने लगी। इसके चलते रविन्द्र तुरंत ही समय रहते टैंक से बाहर निकल आया जिससे उसकी जान बच गई।

नोएडा और गाजियाबाद में कल से बंद हो जाएगी गंगा जल की सप्लाई

- एक महीने की अवधि के दौरान रैनी कुओं और ट्यूबवेल से पानी का स्रोत बनेगा

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

नोएडा और गाजियाबाद के ट्रांस-हिंडन क्षेत्र में गंगा जल की आपूर्ति 15 अक्टूबर से लगभग एक महीने के लिए बाधित रहेगी।

इस दौरान ऊपरी गंग नहर में हर साल की तरह गाद और साफ-सफाई की जाएगी। हालांकि नोएडा प्राधिकरण ने निवासियों को आश्वासन दिया है कि शहर में पानी की कोई कमी नहीं होगी। मगर निवासी महीने के लंबे इंतजार की वजह से चिंतित हैं। हालांकि यह नियमित प्रक्रिया है और हर साल नहर में सफाई की जाती है। इसकी वजह से गंग नहर से पानी की आपूर्ति बाधित रहती है।

प्राधिकरण के एक अधिकारी ने बताया, 1 महीने की अवधि के दौरान रैनी कुओं और ट्यूबवेल से पानी का स्रोत बनाएंगे। पूरे महीने गाद निकालने की अवधि के दौरान गंगा जल के 60 क्यूसेक पानी की कमी होगी। लेकिन हमें शहर में पानी की आपूर्ति में कोई समस्या नहीं होगी।

14 नवंबर से गंगा जल की आपूर्ति शुरू हो जाएगी। हालांकि, निवासियों ने घरों में शुद्ध भूजल उपलब्ध कराने में प्राधिकरण की तैयारियों में कमी पाई है। उन्होंने इस बारे में शिकायत की। सेक्टर.77 के एक निवासी ने कहा, ऊपरी गंग नहर की वार्षिक सफाई से एक महीने के लिए गंगा जल की सप्लाई बंद हो जाएगी। इस अवधि के दौरान प्राधिकरण ने नोएडा में भूजल की आपूर्ति करने की योजना बनाई है। जबकि इसका टीडीएस स्तर लगभग 1500 है। यह न तो पीने के लिए उपयुक्त है और न ही धोने या नहाने के लिए। प्राधिकरण को इस भूजल के शोधन के लिए पहले व्यवस्था करनी चाहिए थी। इंदिरापुरम इलाके में आपूर्ति बाधित रहेगी। यह जानकारी गाजियाबाद विकास प्राधिकरण के प्रवक्ता ने आज यहां दी। प्रवक्ता ने बताया कि ऊपरी गंगा नहर वार्षिक नहर बंदी के कारण यह जल आपूर्ति बंद रहेगी।

प्राधिकरण ने सुपरटेक केपटाउन में बीस विला और 3 टावर किए सील

- आईएफएमएस का बिल्डर पर करीब एक करोड़ रुपए बकाया

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

नोएडा प्राधिकरण ने सुपरटेक बिल्डर के खिलाफ कड़ा एक्शन लिया है।

प्राधिकरण ने सेक्टर-74 में स्थित सुपरटेक केपटाउन हाउसिंग सोसाइटी में खाली पड़े 20 विला और 3 टावर को सील कर दिया है। इन टावर में 100 से ज्यादा फ्लैट्स हैं। दरअसल बिल्डर पर आईएफएमएस का करीब एक करोड़ रुपए बकाया था। बार-बार नोटिस देने के बावजूद बिल्डर इस रकम का भुगतान नहीं कर रहा था। इसी वजह से अथॉरिटी को एक्शन लेना पड़ा।

प्राधिकरण के अफसरों ने बताया कि पिछले महीने केपटाउन सोसाइटी की एओए ने इस बारे में शिकायत की थी। एओए कहा था कि बिल्डर ने अब तक आईएफएमएस इंटरेस्ट फ्री मेंटेनेंस सिक्योरिटी चार्ज का पैसा ट्रांसफर नहीं किया है। इसका संज्ञान लेते हुए प्राधिकरण ने बिल्डर को नोटिस जारी किया और तत्काल प्रभाव से पैसा देने का निर्देश दिया था। लेकिन बिल्डर ने इस रकम का भुगतान नहीं किया। डेडलाइन समाप्त होने के बाद प्राधिकरण की सीईओ ऋतु महेश्वरी ने सख्त कदम उठाया।

उन्होंने केप टाउन हाउसिंग सोसायटी में खाली फ्लैट्स और विला को सील करने का आदेश दिया। इसका पालन करते हुए सोसाइटी में 20 विला और तीन टावर को सील कर दिया गया है। प्राधिकरण ने टावर में चल रहे कार्य को भी बंद करा दिया है।

दलित से गैंगरेप में मुख्य आरोपी दबोचा

- तीन दिन के अंदर चार्जशीट होगी दाखिल: डीसीपी वृंदा शुक्ला

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

पुलिस गिरफ्त में मुख्य आरोपी।

कोतवाली जेवर क्षेत्र में एक गांव में रहने वाली दलित महिला के साथ हुए सामूहिक दुष्कर्म और दरिंदगी के मामले में 25 हजार रुपये के इनामी और मुख्य आरोपी महेंद्र को बुधवार दोपहर पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया।

डीसीपी महिला सुरक्षा वृंदा शुक्ला ने बताया कि जेवर गैंगरेप के मुख्य आरोपी महेंद्र को बुधवार दोपहर कोतवाली जेवर पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। इस मामले में 3 दिन के अंदर ही पुलिस न्यायालय में चार्जशीट दाखिल करेगी और इस मामले की फास्ट ट्रैक कोर्ट में सुनवाई करवाने के लिए वह न्यायालय से अपील करेंगी। डीसीपी ने बताया कि अनुसूचित जाति जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम के अंतर्गत जिला प्रशासन ने पीड़ित को ढाई लाख रुपये धनराशि की पहली मदद दे दी है। डीसीपी ने बताया कि वारदात के दौरान महिला के निजी अंगों में काफी चोट पहुंची थी।

ग्रेनो में मूर्ति विसर्जन के लिए दो स्थान चुने गए

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

नवरात्रि और दुर्गा पूजा महोत्सव के बाद मूर्ति विसर्जन के लिए ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने जगह चिन्हित कर ली है। लोगों से अपील की गई है कि इन जगहों पर ही सिर्फ मूर्तियों का विसर्जन करें।

ग्रेटर नोएडा के निवासियों को विसर्जन के लिए हिंडन या यमुना नदी में नहीं जाना पड़ेगा। इससे नदियां भी प्रदूषित होने से बची रहेंगी। लोगों को भी कम परेशानी होगी। उन्हें दूर नहीं जाना पड़ेगा। दरअसल ग्रेटर नोएडा और ग्रेटर नोएडा वेस्ट में लगभग हर सेक्टर-सोसाइटी में दुर्गा पूजा महोत्सव का आयोजन हो रहा है। हजारों लोग धूमधाम से माता की भक्ति में लीन हैं।

खास तौर पर दुर्गा पूजा पर मूर्ति रखकर पूजन की परम्परा को पूरे उत्साह के साथ मनाया जा रहा है। लेकिन एक दिन बाद मूर्ति विसर्जन की जानी है। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के मुताबिक मूर्तियों को नदी में नहीं विसर्जित किया जा सकता, इसलिए सहूलियत को ध्यान में रखते हुए ग्रेनो ने दो जगह चिन्हित की है।

संक्षिप्त समाचार

रामलीला का मंचन करते स्कूल के बाल कलाकार।

छात्रों ने रामलीला में प्रस्तुति देकर मन मोह लिया

गाजियाबाद। अर्थला स्थित लिटल किंगडम स्कूल में स्कूल के नन्हें बच्चों द्वारा रामलीला का मंचन किया गया। इस दौरान बच्चों ने रामायण के सभी पात्रों की वेशभूषा अनुसार उनके किरदार निभाए। कार्यक्रम की शुरुआत स्कूल के चेयरमैन संजय सिंह द्वारा बच्चों के संबोधन के साथ हुआ। बच्चों ने श्री राम और रावण युद्ध भी दिखाया । वहीं संत रविदास कॉलोनी विजयनगर स्थित ममता की छांव सेवा ट्रस्ट के तत्वावधान में अष्टमी पर्व विधि विधान के साथ मनाया गया। इस मौके पर राजकुमार आर्य , डीडी सागर, सुशीला सागर ,एमएलए त्रिपाठी, मंजू त्रिपाठी ,सुशील शर्मा, अर्चना शर्मा, स्वरूप नारायण ,आमोद कपूर, नितन्य अरोड़ा ,स्कूल की प्रिंसिपल सीमा शर्मा व शिक्षक गण राजेश, बबीता ,मंजू मल्होत्रा, गीता आदि उपस्थित रहे । घंटाघर स्थित श्री सुल्लामल रामलीला कमेटी के तत्वावधान में इस बार 14 व 15 अक्टूबर को श्री रामलीला का मंचन होगा। रामलीला मंचन को अंतिम रूप देने के लिए कलाकारों ने रिहर्सल किया। रामलीला कमेटी के अध्यक्ष वीरू बाबा ने बताया कि दशहरे वाले दिन रात्रि में रावण कुंभकरण और मेघनाथ के पुतलों का दहन किया जाएगा। लीला का मंचन गंधर्व विद्यालय के कलाकारों द्वारा किया जाएगा। आज सभी कलाकारों ने मंच पर लीला का अभ्यास किया।

पॉलिसी मैच्योर करने के नाम पर ठगी, तीन गिरफ्तार

गाजियाबाद। साइबर सेल व इंदिरापुरम पुलिस ने बुधवार को पॉलिसी मैच्योर करने के नाम पर ठगी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने गिरोह के सक्रिय सदस्य एक दम्पति समेत तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस उपाधीक्षक इंदिरापुरम अभय कुमार मिश्रा ने बताया कि तीनों ठग पॉलिसी मैच्योर करने के नाम पर ठगी किया करते थे। उन्होंने बताया कि गिफ्तार बदमाशों में गौतमबुद्धनगर निवासी धीरज, उसकी पत्नी हुमा तथा बाबरपुर दिल्ली निवासी अक्षय हैं। उन्होंने बताया कि हुमा खान ने धीरज तवर से प्रेम विवाह किया और उसके बाद ठगी के काम को अंजाम देने लगे। पुलिस को ठगी की शिकायत मिली जिसके बाद तीनों ठगों को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस ने ठगों के पास से कार, दस्तावेज बरामद किए हैं।

एलआईयू कार्यालय में चोरी, रिपोर्ट दर्ज

गाजियाबाद। गाजियाबाद में महिला थाना परिसर में बने अभिसूचना ईकाई (एलआईयू) में कार्यालय से चोरी हो गई। कार्यालय से एलईडी, कंप्यूटर सिस्टम, मॉनिटर, नेट डिवाइस व एडॉप्टर ले गए और पुलिसकर्मियों को भनक तक नहीं लगी। 10 अक्तूबर की सुबह वारदात का पता लगने पर एलआईयू में तैनात हेड कांस्टेबल नीरज दिवाकर ने सिहानी गेट थाने में केस दर्ज कराया है। खासबात यह है कि एलआईयू पुलिस के लिए जिलेभर की सूचनाएं संकलित करता है। जिले में एलआईयू का कार्यालय लोहिया नगर स्थित महिला थाना परिसर में है। इसी परिसर में क्राइम ब्रांच, क्राइम ब्रांच की विवेचना सेल, एसपी क्राइम का ऑफिस, एएचटीयू (एंटी ह्यूमन ट्रेफिकिंग यूनिट) है। एक जमाने मे वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, पुलिस अधीक्षक नगर, ग्रामीण व यातायात का कार्यालय इसी परिसर में हुआ करता था। पुलिस का पहरा होने के बावजूद चोरों वारदात को अंजाम दे दिया। इस सम्बंध में पुलिस अधीक्षक नगर निपुण अग्रवाल का कहना है कि मामला दर्ज कर चोरों की तलाश शुरू कर दी गई है।

अदालत में पेशी से पहले शख्स को लगी गोली

- सौतली बेटियों पर अश्लील हरकत करने का था आरोप

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

थाना सेक्टर 20 क्षेत्र के सेक्टर 8 में एक व्यक्ति को गोली मारे जाने की घटना सामने आई। जांच में पुलिस को पता चला कि आरोपी के खिलाफ उसकी सौतेली बेटियों ने छेड़छाड़ और पॉक्सो अधिनियम सहित विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कराया था जिसके लिए उसे बुधवार को अदालत में पेश होना था।

अपर पुलिस उपायुक्त रणविजय सिंह ने बताया कि घायल शिव कुमार ने अपना नाम साबिर रखकर महिला से दूसरी शादी की थी। महिला की पहले पति से दो बेटियां हैं। शिव कुमार के खिलाफ अपनी नाबालिग सौतेली बेटियों के साथ अश्लील हरकत करने का मुकदमा दर्ज है। प्रथम दृष्ट्या ऐसा प्रतीत हो रहा है कि शिव ने अपने साथियों के संग मिलकर खुद के ऊपर गोली चलवाई हैं।

किसानों ने खेतों में जलाई पराली, लेखपालों पर सख्ती

- पहली बार दोषी पाए जाने पर 15 हजार के जुर्माने का प्रावधान

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

प्रदूषण के खतरे को देखते हुए गौतमबुद्ध नगर जिला प्रशासन पूरी तरह सख्त है। इसकी रोकथाम के लिए हर जरूरी कदम उठाए गए हैं।

किसानों से पराली नहीं जलाने की अपील की गई है। हालांकि जिले में पराली जलाने की कुछ घटनाएं सामने आई हैं। जेवर के उपजिलाधिकारी रजनीकांत ने जानकारी देते हुए बताया कि कृषि विभाग के माध्यम से सूचना प्राप्त हुई है। तहसील जेवर में गोविन्सगढ, जेवर बांगर तथा करौली बांगर गांवों में पराली जलाने की घटना सामने आई है। राष्ट्रीय हरित न्यायाधिकरण नई दिल्ली के पारित आदेशों के मुताबिक धान की पराली जलाने को प्रतिषिद्ध किया गया है। सूचना के आधार पर जांच कराने पर पाया गया है कि गांव गोविन्सगढ परगना व तहसील जेवर राजीव व शेर सिंह ने पराली जलाई। फसल अवशेष पराली जलाने की घटना कारित करने वाले भू-स्वामियों के विरुद्ध शासनादेश के अन्तर्गत क्षतिपूर्ति आरोपित करने की कार्रवाई की जा रही है। पराली जलाने की घटना जिन ग्रामों में हुई है, उनके लेखपालों का स्पष्टीकरण मांगा गया है। शासनादेश के अनुसार पराली जलाने पर प्रथम बार में 15000 रुपये तक जुर्माना किये जाने का प्रावधान है। इस सम्बन्ध में खण्ड विकास अधिकारी कार्यालय के स्तर से ग्राम पंचायतों में किसानों के फसल अवशेष, पराली न जलाने के लिए जागरूक करने के लिये मुनादी करायी जा रही है।

बिना स्ट्रारीपर विथ बाइण्डर कम्बाइन हार्वेस्टर मशीन का प्रयोग करने वाले मशीन मालिकों के विरूद्ध कार्रवाई के लिये सहायक पुलिस आयुक्त जेवर को लिखा गया है।

पुलिस से झड़प: एनएचआरसी पहुंचे किसान

- सुखबीर ने नोएडा पुलिस के खिलाफ दर्ज कराई शिकायत

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

बीते 11 अक्टूबर को प्रदर्शन कर रहे किसानों और पुलिस के बीच धक्का-मुक्की और नोकझोंक का मामला राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एचएचआरसी) पहुंच गया है। किसानों ने गौतमबुद्ध नगर पुलिस और अफसरों के खिलाफ शिकायत दी है। किसान नेता सुखबीर की तरफ से दी गई शिकायत में कहा, पुलिस-प्रशासन ने अपनी शक्तियों का दुरुपयोग किया और किसानों के संवैधानिक अधिकारों का हनन किया है। पुलिस ने गैर कानूनी तरीके से किसानों पर लाठीचार्ज किया और 10 से ज्यादा किसानों को चोटें आई हैं।

सुखबीर खलीफा ने सख्त कार्रवाई की मांग की है। इस पूरे मामले में नोएडा पुलिस एक्शन में है। शहर के सेक्टर-20 थाना क्षेत्र में प्राधिकरण के एक अफसर की तहरीर पर 36 नामित समेत 1500 से ज्यादा किसानों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। हालांकि किसानों ने भी थाने में अपनी शिकायत दी थी लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई।

निजी स्वार्थ सिद्ध में लगे कुछ लोग: एडीसीपी

एडीसीपी रणविजय सिंह ने कहा, कुछ किसान शांतिपूर्ण ढंग से हरौला बारात घर में अपनी मांगों को लेकर प्रदर्शन कर रहे थे। अफसरों-किसानों के बीच कई बैठक कराई। किसान भी इससे संतुष्ट थे लेकिन उनकी आड़ में कुछ लोग निजी स्वार्थ सिद्ध कर रहे हैं। ऐसे लोग शांतिपूर्ण ढंग से प्रदर्शन कर रहे किसानों को भी उग्र कर रहे हैं। बार-बार उन्हें हिंसा और प्राधिकरण कार्यालय जाने के लिए उकसा रहे हैं।

जीडीए को डेढ़ करोड़ से ज्यादा की होगी आय

गाजियाबाद। गाजियाबाद विकास प्राधिकरण की विभिन्न योजनाओं के तहत दूसरे दिन भी पहले आओ पहले पाओ के आधार पर भवनों के विक्रय का सिलसिला जारी रहा।

10 भवनों के आवंटन के लिए लोगों ने भवनों के लिए आवेदन किए, जिसमें मधुबन बापूधाम योजना के 8 एलआईजी भवन और एक चंद्रशिला अपार्टमेंट में तत्काल भवन का आवंटन किया गया। इन भवनों के विक्रय से प्राधिकरण को लगभग डेढ़ करोड़ की आय होगी। जीडीए सचिव ब्रजेश कुमार ने बताया कि लोगों ने भवनों का स्थलीय निरीक्षण कर क्रय करने में रुचि ली जा रही है।

हिंदी भवन परिसर में जीडीए द्वारा आयोजित कैंप का दृश्य

अरबों खर्च होने के बाद भी शहर बना कूड़े का ढेर

- लोगों के विरोध के चलते गांव गालंद में नहीं डाली जा रही गंदगी

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

दिल्ली से गाजियाबाद को सजाने और संवारने के लिए पिछले कुछ वर्षों के दौरान भले ही अरबों रुपए खर्च हो चुके हो लेकिन धरातल पर देखें तो अभी तक गाजियाबाद की जनता को एक डंपिंग ग्राउंड तक नसीब नहीं हुआ है। जिसका नतीजा यह है कि गाजियाबाद आज कूड़े का ढेर बन कर रह गया।

पिछले एक हफ्ते के दौरान गाजियाबाद से निकलने वाले करीब एक हजार मीट्रिक टन कूड़ा उठ नहीं पा रहा है। जिस कारण इस शहर की हर गली में कूड़े के ढेर लगे हुए हैं। नगर निगम इस कूड़े को हटाने में असहाय नजर आ रहा है । नगर निगम के पास कूड़ा निस्तारण के लिए डंपिंग ग्राउंड नहीं है। जहां कहीं भी नगर निगम कूड़ा डालता हैं तो उसका विरोध शुरू हो जाता है।

इस संबंध में नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ मिथिलेश कुमार का कहना है कि कूड़े के निस्तारण की समस्या के लिए प्रयास किए जा रहे हैं। उम्मीद है कि बहुत जल्द कूड़े का निस्तारण के लिए समाधान ढूंढ लिया जाएगा । आपको बता दें कि केवल स्वच्छ भारत मिशन के नाम पर गाजियाबाद में अभी तक अरबों रुपए का धन खर्च किया जा चुका है लेकिन नगर निगम अभी तक कूड़ा निस्तारण के लिए डंपिंग ग्राउंड तक नहीं तलाशा जा सका है। आए दिन कूड़ा निस्तारण के लिए योजनाएं बनाई जाती हैं लेकिन एक स्तर पर जाकर सब फेल हो जाती हैं। हापुड़ जिले के गालंद में गाजियाबाद नगर निगम का कूड़ा जाता था लेकिन पिछले दिनों वहां विरोध होने के बाद कूड़ा जाना बंद हो गया है, जिस कारण नगर निगम का कूड़ा घरों से निकलकर ढलान घरों तक तो जा रहा है लेकिन वहां से उठ नहीं पा रहा है। नतीजा पिछले एक हफ्ते के दौरान गाजियाबाद शहर पूरा घर बन कर रह गया। वही निगम कार्यकारिणी के सदस्य जाकिर सैफी इसके लिए नगर निगम प्रशासन व महापौर को जिम्मेदार ठहराया है।

खेल व योग शिक्षक की नौकरी का झांसा देकर 3423 से ठगी

- एनजीओ के चेयरमैन खिलाफ मामला दर्ज

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

आयुष्मान भारत रोजगार योजना के नाम पर उत्तर प्रदेश के 3,423 युवक-युवतियों से खेल तथा योग शिक्षक की नौकरी का झांसा देकर ठगी का मामला सामने आया है।

थाना फेस-3 के प्रभारी निरीक्षक विवेक त्रिवेदी ने बताया कि श्वेता सिंह ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है कि सेक्टर 63 में आयुष्मान भारत योग एवं प्रशिक्षण संस्थान है। एनजीओ के माध्यम से प्रदेश के विभिन्न जनपदों के लिए शिक्षकों की भर्ती निकाली गई थी। प्रवेश शुल्क के नाम पर सामान्य एवं पिछड़ा वर्ग से 380 और अनुसूचित जनजाति के अभ्यर्थियों से 280 लिए गए। अभ्यर्थियों की लिखित परीक्षा ली गई और काउंसलिंग के लिए सभी से 500-500 रुपए वसूले गए। इसके बाद प्रत्येक अभ्यर्थी से।,55,000 रुपए लेकर नियुक्ति पत्र दिए गए। जब अभ्यर्थियों ने स्कूलों में जाकर नियुक्ति-पत्र दिखाया तो पता चला कि यह फर्जी है। थाना फेस-3 पुलिस ने एनजीओ के चेयरमेन दामोदर कुमार शर्मा, न्यासी संजय चौधरी, संस्थापक विपुल, अध्यक्ष अब्बाशी और तकनीकी प्रमुख विनीत गुप्ता के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक नरेन्द्र कुमार द्वारा नं. 6, गुलाब भवन के पीछे, बहादुर शाह ज़फ़र मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाष: 011-40110455 से प्रकाशित तथा बीएफएल इन्फोटेक लिमिटेड सी-9 सेक्टर-3, नोएडा-201301 (उ.प्र.) से मुद्रित। कार्यकारी संपादक: नवीन उपाध्याय, स्थानीय सम्पादक: प्रदीप तिवारी। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं। पत्रवार्ता ऑफिस- एफ-31, सेक्टर 6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर-201301, उत्तर प्रदेश, दूरभाष- 120-4879800-4879900।

छठ पूजा को लेकर सियासत तेज

केंद्र के निर्देश पर ही सरकार सार्वजनिक छठ पूजा में दे सकती है छूट : राय

● **आज मुख्यमंत्री आवास का घेराव करेंगे कांग्रेसी कार्यकर्ता**

फाइल फोटो

संजय राय। नई दिल्ली

निगम चुनाव के मद्देनजर राजनीतिक दलों ने पूरबिया मतदाताओं पर डोरे डालने शुरू कर दिए हैं। इसी बीच पूर्वांचलियों के सबसे बड़े छठ महापर्व को लेकर सियासत भी तेज हो गई है। उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया द्वारा केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया को मंगलवार को पत्र लिखे जाने के बाद अब उत्तर पूर्वी दिल्ली से भाजपा सांसद मनोज तिवारी बुधवार को मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को पत्र लिखा है। इस चिट्ठी में उन्होंने कहा कि अगर वास्तव में उनकी सरकार सार्वजनिक छठ पूजा संपन्न कराने के पक्ष में होती तो सितंबर में ही प्रतिबंध लगाने के ऐलान से पहले ही केंद्र से दिशा-निर्देश जारी करने की मांग सकते थी। तिवारी ने केजरीवाल पर हिंदूओं खासकर पूर्वांचलियों की भावनाओं को ठेस पहुंचाने का आरोप लगाया।

तिवारी ने बुधवार को मुख्यमंत्री को लिखे एक पत्र में छठ मनाने को लेकर केंद्र से दिशा-निर्देश लेने के दिल्ली सरकार के कदम पर भी सवाल उठाया और कहा कि अगर सरकार गंभीर थी तो त्योहार पर रोक लगाने से पहले मंजूरी मांगती। तिवारी खेद प्रकट करते हुए कहा कि आप लगातार हिंदूओं की भावनाओं को आहत करने के लिए काम कर रही है। आप दिल्ली में मुस्लिम तुष्टीकरण की दोषी हैं। उन्होंने कहा कि छठ केवल पूर्वांचलियों का त्योहार नहीं है, बल्कि भारत की सामाजिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक परंपरा का एक अविभाज्य हिस्सा भी है।

वहीं प्रदेश कांग्रेस ने सीएम केजरीवाल से सवाल किया है कि जब शराब के ठेके, शादियां, बस, यातायात, साप्ताहिक बाजार, सिनेमा हाल को कोविड प्रोटोकाल के तहत खोलने की इजाजत दी गई तो फिर कोरोना वायरस के संक्रमण के फैलने के खतरे से छठ पूजा के सार्वजनिक आयोजन पर पांबदी क्यों लगाई है। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष चौधरी अनिल कुमार ने कहा कि दिल्ली में भाजपा की रथ यात्रा, जन आशीर्वाद यात्रा पर पाबंदी क्यों नहीं लगाई। इस बीच छठ पूजा पर लगी रोक के खिलाफ कांग्रेस कार्यकर्ता बृहस्पतिवार को मुख्यमंत्री आवास का घेराव करेंगे।

इस बीच मनोज तिवारी पर पटलवार करते हुए पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने कहा कि भाजपा को भी पूर्वांचल वालों की चिंता नहीं रही। कोरोना वायरस के संक्रमण को रोकने के मकसद से ही छठ पूजा को सार्वजनकि रूप से मनाने की अनुमति नहीं दी गई है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार के निर्देश की वजह से छठ पूजा के सार्वजनिक आयोजन में कोविड गाइडलाइंस जरूरी है। इस समय देशभर में राष्ट्रीय आपदा अधिनियम लागू होने के कारण केंद्र सरकार के निर्देश पर ही राज्य सरकार सार्वजनिक छठ पूजा आयोजन में कोविड प्रोटोकॉल से छूट दे सकती है। पिछले साल कोविड-19 महामारी को लेकर केंद्र सरकार की गाइडलाइन आयी थी कि छठ पूजा नहीं होने होगी। भाजपा नेता अपनी छवि चमकाने के लिए छठ पूजा का सहारा ले रही है। उन्होंने कहा कि केजरीवाल सरकार ने केंद्र सरकार को पत्र लिखा है कि छठ पूजा को लेकर गाइडलाइंस स्पष्ट की जानी चाहिए। भाजपा को इतनी चिंता है तो उसने आज तक गाइडलाइन जारी क्यों नहीं की। भाजपा पर हमला बोलते हुए राय ने कहा कि भाजपा की सरकार थी तो छठ पूजा नहीं कराती थी। कांग्रेस सरकार 68 जगहों पर आप सरकार ने 1068 जगहों पर पूजा करवाई।

राय के अनुसार केंद्र सरकार ने स्वास्थ्य विभाग और विशेषज्ञों की राय व गाइडलाइन जारी की थी कि सबसे ज्यादा कोरोना वायरस पानी के संपर्क में आने से फैलता है। छठ पूजा पानी में खड़ा होकर की जाती है। इसलिए केंद्र सरकार की तरफ से पिछली बार गाइडलाइन दी गई थी कि घर में रह करके लोग पूजा करें। जबकि भाजपा छठ महपर्व को लेकर राजनीति करने की कोशिश कर रही है। मालूम हो कि दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने अपने 30 सितंबर के आदेश में कोविड- 19 के कारण नदी, तालाबों और जलाशयों समेत अन्य सार्वजनिक स्थानों पर छठ पूजा पर पाबंदी लगा दी।

दिल्ली दंगा : कोर्ट ने दो आरोपियों को जमानत देने से किया इनकार

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली उच्च न्यायालय ने दिल्ली दंगे के दौरान गोकुलपुरी इलाके में नाले से मिले 15 साल के लड़के का शव मिलने के मामले में दो आरोपियों को जमानत देने से इनकार कर दिया।

न्यायमूर्ति मुक्ता गुप्ता की एकल पीठ ने कहा कि चश्मदीदों की गवाही पर गौर करते हुए, जिन्होंने अंकित चौधरी और ऋषभ चौधरी को दूसरे धर्म के व्यक्ति की पिटाई करते हुए देखने का दावा किया है, रिहाई का कोई आधार नहीं बनता। न्यायमूर्ति मुक्ता ने आगे कहा कि चूंकि याचिकाकर्ता अपराध स्थल के आसपास रहते थे जहां पर रिकॉर्ड के मुताबिक उनके फोन का लोकेशन था, ऐसे में यह निष्कर्ष निकालने के लिए पर्याप्त नहीं है वे मौके पर मौजूद नहीं थे और उन्होंने घर पर ही फोन छोड़ दिया होगा।

अभियोजन पक्ष के मुताबिक 15 साल के लड? का शव एक मार्च 2020 को नाले से मिला था और उसके सिर के पीछे चोट के निशान थे। मृतक के पिता ने कपड़ों के आधार पर 13 मार्च 2020 को शव की पहचान की।

इस मामले में गोकुलपुरी पुलिस थाने में हत्या सहित भारतीय दंड संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया था। अदालत ने रेखांकित किया कि गवाहों के बयान के मुताबिक याचिकाकर्ता सहित कुछ लोग पुलिया के नजदीक एकत्र थे और वहां से गुजरने वालों पर डंडों, लोहे की छड़ें और पत्थर से हमला कर उन्हें नाले में फेंक रहे थे। अदालत ने कहा, यह स्पष्ट है कि तीन गवाहों ने साफ तौर पर दो याचिकाकर्ताओं सहित अन्य आरोपियों की पहचान की है जो घटनास्थल पर मौजूद थे और प्रत्एक व्यक्ति की पहचानपत्र देख दूसरे धर्म का पता लगा रहे थे और उनपर हमला कर रहे थे। गवाहों के बयान में आरोपी के नाम हैं।

महाअष्टमी के अवसर पर मिंटो रोड पर सजाए गए मां दुर्गा के पंडाल में दर्शन करने को खड़े श्रद्धालू। फोटो : रंजन डिमरी

तीसरी मंजिल से गिरकर दो मजदूर हुए जख्मी

नई दिल्ली। दक्षिण-पूर्वी दिल्ली के लाजपत नगर- । में एक मकान की तीसरी मंजिल से गिरने से दो मजदूर घायल हो गए। इस संबंध में ठेकेदार के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

पुलिस ने बुधवार को बताया कि उनमें से एक सीधा जमीन पर गिर गया और गंभीर रूप से घायल हो गया। वहीं, एक अन्य मजदूर दूसरी मंजिल पर एक ग्रिल में फंस गया और उसे मामूली चोट आई है। उन्होंने बताया कि गंभीर रूप से घायल मजदूर खतरे से बाहर है और उसका नजदीक ही एक अस्पताल में इलाज चल रहा है। पुलिस ने बताया कि घटना 10 अक्टूबर शाम करीब चार बजे की है।

अब तक 165 निर्माण स्थलों पर लगाया 53.5 लाख का जुर्माना

पर्यावरण मंत्री की अपील, कहीं पर भी हो रहे प्रदूषण की ग्रीन दिल्ली एप पर करें शिकायत

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली सरकार ने अपने धूल विरोधी अभियान के तहत बुधवार को 226 निर्माण स्थलों का निरीक्षण किया, जिनमें से 69 स्थलों पर धूल नियंत्रण नियमों का उल्लंघन पाया गया तथा करीब 19.4 लाख रुपए का जुर्माना लगाने का प्रस्ताव किया गया।

दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने बुधवार को आईपी स्टेट के महात्मा गांधी मार्ग स्थित डब्ल्यूएचओ बिल्डिंग के निर्माण स्थल का औचक निरीक्षण किया, जहां उन्होंने दिशा-निर्देशों का मामूली उल्लंघन पाया। उन्होंने कहा कि निर्माण एजेंसी को नोटिस जारी कर दो दिन के अंदर सभी दिशा-निर्देशों का पालन नहीं करने पर जुर्माना लगाने की चेतावनी दी है। 'एंटी डस्ट' कैंपेन के तहत हमारी टीमें अब तक 522 निर्माण स्थलों का निरीक्षण चुकी हैं, जिसमें 165 निर्माण स्थालों पर दिशा-निर्देशों का उल्लंघन मिलने पर 53.5 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया है।

पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने कहा कि दिल्ली के अंदर गत 7 अक्टूबर से एंटी डस्ट कैंपेन चलाया जा रहा है। कैंपेन का पहला चरण आगामी 29 अक्टूबर तक चलेगा।

दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति (डीपीसीसी) की धूल नियंत्रण अभियान रिपोर्ट के अनुसार चार दिन 7, 8, 11 और 12 अक्टूबर को 522 निर्माण स्थलों का निरीक्षण किया गया, जिनमें से 165 स्थलों को दिशा-निर्देशों का उल्लंघन करते हुए पाया गया। रिपोर्ट के विवरण में कहा गया है कि उल्लंघन करने वाले 165 स्थलों को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है और उन पर पर्यावरण क्षति मुआवजे (ईडीसी) के रूप में 53.5 लाख रुपए का जुर्माना लगाने का प्रस्ताव रखा गया है। मुख्यमंत्री केजरीवाल के नेतृत्व वाली सरकार ने 6 अक्टूबर को घोषणा की थी कि वह 7 से 29 अक्टूबर तक धूल विरोधी अभियान चलाएगी।

डब्ल्यूएचओ बिल्डिंग के निर्माण स्थल का निरीक्षण करते पर्यावरण मंत्री गोपाल राय।

ग्रीन एप से दें प्रदूषण की जानकारी

गोपाल राय ने कहा कि दिल्ली सरकार ने ग्रीन दिल्ली एप लांच किया है। मेरी दिल्ली के सभी लोगों से अनुरोध है कि आप अपने मोबाइल में ग्रीन दिल्ली एप को डाउनलोड कर लीजिए। चाहे स ?क पर धूल प्रदूषण हो या निर्माण साइट पर प्रदूषण हो, चाहे गाड़ी का प्रदूषण हो या फिर चाहे कहीं आग लगी हो, आप अपनी मोबाइल से उसकी फोटो लीजिए और ग्रीन दिल्ली एप के माध्यम से हमें भेजिए, ताकि हम उस पर तत्काल कार्रवाई कर सकें।

दिल्ली-एनसीआर ड्राफ्ट रीजनल प्लान-2041 को मंजूरी

एनसीआर के 100 किलोमीटर के दायरे में सिमटने की संभावना

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

एनसीआर योजना बोर्ड द्वारा मंगलवार को मसौदा क्षेत्रीय योजना-2041 को मंजूरी देने के बाद राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के राजघाट से 100 किलोमीटर के दायरे में सिमटने की संभावना है। इस योजना का मकसद राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के शहरी इलाकों का विकास करना है। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) वर्तमान में लगभग 150-175 किलोमीटर तक फैला हुआ है, जो सभी जिलों और उनके ग्रामीण क्षेत्रों को आच्छादित करता है। लेकिन, क्षेत्रीय योजना-2041 की मंजूरी से 100 किमी से अधिक के क्षेत्र के एनसीआर का मुख्य हिस्सा होने की संभावना नहीं है।

सुझावों और आपत्तियों के लिए एक विस्तृत मसौदा योजना जल्द ही सार्वजनिक की जाएगी और उसके बाद, इसे एनसीआर योजना बोर्ड द्वारा अधिसूचित किया जाएगा। सूत्र ने बताया कि रैखिक गलियारों को 100 किलोमीटर के दायरे से और मौजूदा एनसीआर सीमा तक विकसित किया जाएगा, जिससे एक्सप्रेस-वे, राष्ट्रीय राजमार्ग और क्षेत्रीय रैपिड ट्रांजिट सिस्टम से एक किलोमीटर के दायरे में आने वाले क्षेत्रों के विकास का रास्ता तैयार होगा। इसके साथ ही इस 100 किलोमीटर के परिसीमन में आंशिक रूप से पडनेवाली तहसीलों को शामिल करने या छोड़ने का निर्णय संबंधित राज्य सरकारों पर छोड़ दिया जाएगा। एनसीआरपीबी की वेबसाइट पर उपलब्ध क्षेत्रीय योजना 2021 ने सात मेट्रो केंद्रों-फरीदाबाद-बल्लभगढ़, गुरुग्राम-मानेसर, गाजियाबाद-लोनी, नोएडा, सोनीपत-कुंडली, ग्रेटर नोएडा और नोएडा की पहचान की थी।

सूत्र ने बताया कि गुरुग्राम, फरीदाबाद, नोएडा, ग्रेटर नोएडा और मेरठ के कुछ इलाके और अन्य एनसीआर का हिस्सा बने रहेंगे क्योंकि ए 100 किलोमीटर के दायरे में आते हैं। मसौदा क्षेत्रीय योजना-2041 में झुग्गी मुक्त राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) के लिए एयर एम्बुलेंस सुविधा और हेलीटैक्सी, सड़क, रेल और जलमार्ग के माध्यम से बेहतर संपर्क का मार्ग प्रशस्त होगा।

लंबे समय से अनुपस्थित रहे कर्मचारियों पर होगी कार्रवाई

● **निगमायुक्त ने डीडीओ व विभागाध्यक्षों को जारी किए आदेश**

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

पूर्वी दिल्ली नगर निगम के निगमायुक्त, विकास आनंद ने लंबे समय से अनुपस्थित रहे कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई करने के आदेश जारी किए हैं।

निगमायुक्त द्वारा जारी आदेश के अनुसार निगम के सभी विभागाध्यक्षों और डीडीओ को कहा गया है कि वे अपने विभाग में ऐसे सभी अनुपस्थित कर्मचारियों को तुरंत 7 दिनों के भीतर अपने कार्यभार ग्रहण करने की सूचना दें और अनुस्थित कर्मचारियों द्वारा ऐसा न करने पर संबंधित विभागाध्यक्ष/डीडीओ द्वारा उनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई शुरू की जाये। आयुक्त ने कहा कि यह देखा गया है कि बड़ी संख्या में कर्मचारी या तो लंबे समय से अपनी ड्यूटी से अनधिकृत रूप से और बिना सूचना के अनुपस्थित हैं या निगम में अपने पदों को छोड़ चुके हैं।

कनॉट प्लेस से अवैध फेरीवालों व फुटपाथ से दुकान हटाने के निर्देश

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

हाईकोर्ट ने यहां कनॉट प्लेस से अनधिकृत फेरीवालों और विक्रेताओं को हटाने का निर्देश देते हुए कहा कि जिन क्षेत्रों में सामान बेचने की मनाही है, वहां से फेरीवालों एवं विक्रेताओं को हटाने में प्राधिकारियों की विफलता का स्वस्थ एवं स्वच्छ पर्यावरण और नागरिकों के जीवन के अधिकार पर बहुत बुरा और प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है।

कोर्ट ने एनडीएमसी और दिल्ली पुलिस के अधिकारियों को अनधिकृत अतिक्रमणों के संबंध में सुप्रीम कोर्ट द्वारा अनुमोदित योजना एवं आदेशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करने को कहा। न्यायमूर्ति विपिन सांघी और न्यायमूर्ति जसमीत सिंह की पीठ ने कहा कि कानून की जीत होनी चाहिए और कोर्ट अवैध अतिक्रमण करने वालों या विक्रेताओं को कब्जा करने की अनुमति नहीं दे सकती।

पीठ ने कहा कि उन्हें कतई बर्दाश्त नहीं किया जाना चाहिए और सभी अनधिकृत फेरीवालों और विक्रेताओं को उनके बोरिया-बिस्तर के साथ हटाया जाना चाहिए।

पेड़ों के आसपास से हटे टाइल, कंक्रीट के चबूतरे

पीडब्ल्यूडी ने अधिकारियों से पेड़ों के आसपास एक मीटर कच्चा रखने को कहा

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली के लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) ने अपने अधिकारियों से शहर में पेड़ों के पास की जमीन को पक्का ना करने और फुटपाथ पर टाइल बिछाने या सड़क निर्माण के दौरान उनके आसपास कम से कम एक मीटर के क्षेत्र को कच्चा ही रखने का निर्देश दिया है।

पीडब्ल्यूडी के अधिकारियों के अनुसार, विभाग ने संबंधित अधिकारियों को पेड़ों के आस पास की जमीन से कंक्रीट हटाने को कहा है। शहर में कई पेड़ों के पास की जमीन पर कंक्रीट बिछाए जाने की कई शिकायतें मिलने के बाद ए निर्देश जारी किए गए हैं। विभाग ने इस संबंध में एक परिपत्र जारी किया है। इस साल जुलाई में, दिल्ली सरकार के वन विभाग ने एक सर्वेक्षण किया था, जिसमें पाया गया था कि मुख्य सड ?ों तथा स्थानीय

सड़कों के पास1600 से अधिक पेड़ों की जड़ों के आसपास कंक्रीट लगाकर जमीन को पक्का किया गया है। सर्वेक्षण के बाद, संबंधित एजेंसियों जैसे पीडब्ल्यूडी और नगर निकाय को सुधारात्मक कदम उठाने को भी कहा गया था।

पीडब्ल्यूडी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि विभाग को आमजन से भी इसी प्रकार की शिकायतें मिली थीं। लोक निर्माण विभाग द्वारा जारी परिपत्र में कहा गया कि यह देखा गया है कि पेड़ों की परिधि तक टाइल बिछाई जाती है या कंक्रीट लगाए जाते हैं, जो कई तरह से पेड़ों के लिए हानिकारक है।

कार्यकारी अभियन्ताओं को पिछले सप्ताह जारी किए गए परिपत्र में कहा गया, पेड़ों वाले क्षेत्रों जैसे सड़क के उपतट, फुटपाथ, भवन परिसर आदि में टाइल या कंक्रीट लगाते समय, यह सुनिश्चित किया जाएगा कि पेड़ों के चारों ओर कम से कम एक मीटर का क्षेत्र कच्चा हो, जिसे अच्छी मिट्टी से भर दिया जाए। जहां पेड़ों की परिधि तक पहले से ही टाइल या कंक्रीट लगाई जा चुकी हैं, वहां से समयबद्ध तरीके से पेड़ों के चारों ओर के एक मीटर तक के हिस्से से इन्हें हटाया जाए।

1947 के विभाजन का दर्द-बुजुर्गों की जुबानी:

तब पाकिस्तान में रहने को सिर्फ एक ही शर्त थी...धर्म परिवर्तन

संजय कुमार मेहरा। गुरुग्राम

सन 1947 का वह दौर पूरी तरह से साजिशों, षडयंत्रों और घोर हिंसा का था। वहां मुस्लिमों द्वारा हिन्दुओं पर खुलकर अत्याचार किये जा रहे थे। धारदार हथियारों से हमले करके लाखों लोगों का नरसंहार किया गया था। उस समय बाल्यकाल अवस्था में बंटवारे का दंश झेलने वाले एचएस चावला बताते हैं कि पाकिस्तान में रहने की सिर्फ एक ही शर्त थी...धर्म परिवर्तन। लाखों हिन्दुओं ने मरना मंजूर किया, लेकिन धर्म परिवर्तन की शर्त को ठुकरा दिया था।

एचएस चावला के मुताबिक उनका जन्म वर्ष 1938 में हुआ था। परिवार बहुत ही समृद्ध था। परिवार के साथ-साथ अन्य संबंधित परिवारों को कभी भी सुरक्षा की आवश्यकता महसूस नहीं हुई थी, लेकिन परिस्थितियों ने जन्मभूमि छोड़कर दूसरे स्थान पर जाने को मजबूर कर दिया। आज व खुश हैं कि भारत की धरती पर खुली हवा में सांस ले रहे हैं।

साजिशों, षडयंत्रों और हिंसा से भरा था भारत-पाकिस्तान बंटवारे का वह समय

एचएस चावला ने बताया बंटवारे के समय की कभी ना भूलने वाली दास्तां

एचएस चावला।

श्री चावला बताते हैं कि विभाजन के समय वे मुल्तान जिले के शुजाबाद बस्ती में अपने पुश्तैनी घरों को छोड़कर पलायन करने पर मजबूर कर दिये गये थे। जब वे ट्रेन से यात्रा कर रहे थे, उस समय ट्रेन पर पाकपट्टन शहर के पास हिंसक भीड़ ने हमला कर दिया। ट्रेन के अंतिम तीन डिब्बों के सभी यात्रियों की हत्या कर दी गई थी। जिस डिब्बे में वे सब बैठे थे, वह पीछे से चौथा डिब्बा था। उसमें भी हमले से 10 लोगों की मौत हो गई और कई घायल भी हुए।

गुरुद्वारे की छत को छू रही थी सतलुज नदी

कसूर और फिरोजपुर के दो शहरों के बीच सतलुज नदी उफान पर थी। सेना का एक जवान उनका रिश्तेदार था, वह सबको अपने घर ले गया। शाम को चार और पांच बजे तक सभी 100 लोगों ने देखा कि सतलुज का बाढ़ का पानी शहर में घुस गया है। सभी लोगों को पास के गुरुद्वारे में स्थानांतरित कर दिया गया था। काफी ऊंचे गुरुद्वारे की छत से बाढ़ के पानी को हाथ से छुआ जा सकता था। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के कारसेवकों ने लोगों को छत से सुरक्षित स्थान पर स्थानांतरित कर दिया। सब फरीदकोट शिफ्ट हो गए। एचएस चावला के मुताबिक उनके मामा अपने परिवार के साथ पहले ही रोहतक जिले में शिफ्ट हो चुके थे। उन्होंने जिद की और साल 1947 के अंत तक उन्हें भी रोहतक शिफ्ट कर दिया। उनकी शिक्षा रोहतक में हुई और रोहतक से ही अपनी नौकरी शुरू की। कड़ी मेहनत और शिक्षा के मूल्य को ध्यान में रखते हुए उनके दादा-दादी और माता-पिता के साथ अब बच्चों ने भी सामाजिक प्रतिष्ठा कायम की है।

नौ साल की उम्र में पैर में छुरा घोंपा था

अपने उस समय के दर्द को याद करते हुए एचएस चावला बताते हैं कि उनकी साढ़े नौ साल की उम्र थी। हमलावरों ने उनके पैर में छुरा घोंप दिया था। जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गये। कसूर स्टेशन पर ट्रेन पहुंची। उस दिन दोपहर का समय था, जब हिंसक इरादे से भारी भीड़ प्लेटफार्म के सामने जमा हो गई। उन्होंने हमला करने की कोशिश की, लेकिन पिछली ट्रेन के यात्रियों के साथ 7-8 सेना के जवानों ने मोर्चा संभाला। पूरी रात यात्रियों को गोलियों की बौछार का सामना करना पड़ा। अगली सुबह सौभाग्य से फिरोजपुर से सेना के 40-50 जवानों का ट्रक पाकिस्तान में भारतीय सीमावर्ती शहर कसूर बुलाने पर आया। उन्हें याद है कि शवों को पार करके ट्रकों तक पहुंचने में जो दर्दनाक अनुभव हुआ, वह आज भी नजर आता है। वहां से वे फिरोजपुर पहुंचे।

संक्षिप्त-समाचार

रावण, मेघनाथ के पुतले न बिकने से कारीगरों में मायूशी

सोहना में रावण, मेघनाथ और कुंभकर्ण का पुतला बनाता कारीगर।

सोहना। दशहरा पर जलाए जाने वाले रावण, मेघनाथ और कुंभकर्ण के पुतले बनाने वाले कारीगर दिन-रात कड़ी मेहनत कर रहे हैं, लेकिन पुतला खरीदने वाले ग्राहक न होने से कारीगरों के चेहरों पर मायूशी छाई है। इस वर्ष कोरोना का प्रकोप कम होने और रामलीलाओं का मंचन होने से पुतले बनाने वाले कारीगरों के चेहरे खिल गए थे। उन्हें उम्मीद थी कि इस वर्ष उसके द्वारा बनाए जाने वाले पुतलों की बिक्री होगी। कारीगरों ने हजारों रुपये खर्च करके कच्चा माल खरीदा और दिन-रात कड़ी मेहनत कर रावण, कुंभकर्ण और मेघनाथ के पुतले बनाकर तैयार कर लिए, लेकिन पुतले खरीदने वाले ग्राहक न होने से कारीगर मायूस हो रहे हैं। उत्तर प्रदेश मूल के निवासी राजू का कहना है कि 2020 में कोविड के कारण रामलीलाओं का मंचन नहीं हुआ था और नहीं झांकियां निकाली गई थी। जिसके कारण उनका कारोबार पिछले वर्ष नहीं चला। इस बार रामलीलाओं का मंचन होने और प्रशासन द्वारा पुतले जलाए जाने की अनुमति देने से उन्हें भी अपना कारोबार चलने की उम्मीद जग गई थी, लेकिन उसे इस बार मात्र दो ही पुतले बनाने का ऑडर मिला है। जबकि उसने 20 से 25 पुतले बनाने का सामान खरीद लिया है। दो पुतले बिकने से उसके द्वारा खरीदे गये सामान की कीमत भी वसूल नहीं होगी। रोहित का कहना है कि दशहरा पर वह एक से डेढ़ लाख रुपये के पुतले बनाकर बेचता था, लेकिन इस साल तो उसे अभी तक एक भी पुतले का ऑडर नहीं मिला है। जबकि उसने करीब 15 पुतले बनाकर तैयार कर लिए हैं।

निजी अस्पताल संचालक के खिलाफ मामला दर्ज

सोहना। सोहना के निजी अस्पताल संचालक के खिलाफ पुलिस ने सवा तीन साल के बाद आई पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर रोगी के उपचार में लापरवाही बरतने के कारण मौत होने का मामला दर्ज किया है। मृतक के पिता ने अस्पताल संचालक पर पैसे के लालच में छुट्टी न देने का आरोप लगाया है। गांव रायसीना निवासी युवक मुनेश पुत्र मदनलाल की सोहना के सैनी अस्पताल में 10 जून 2021 को उपचार के दौरान मौत हो गई थी। मुनेश के परिजनों ने अस्पताल संचालक डॉ. लालचंद सैनी पर लापरवाही बरतने का आरोप लगाते हुए डॉक्टर की बोर्ड टीम द्वारा पोस्टमार्टम कराया था। मृतक के पिता मदनलाल ने अस्पताल संचालक के खिलाफ स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों से लिखित में शिकायत की थी। तीन साल 4 माह के बाद सिविल सर्जन गुरुग्राम के नेतृत्व में गठित नगलिजेंसी बोर्ड ने सोहना सिटी थाना पुलिस को जांच रिपोर्ट सौंप दी है। बोर्ड ने जांच में अस्पताल संचालक द्वारा उपचार में लारवाही बरतना बताया है। जिसके कारण मुनेश की मौत हुई थी। पुलिस ने नेगलिजेंसी बोर्ड से प्राप्त रिपोर्ट के आधार पर अस्पताल संचालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

निजी अस्पताल में महिला की मौत, लापरवाही का आरोप

सोहना। सोहना के निजी अस्पताल में 35 वर्षीय महिला की ऑपरेशन के चंद घंटों बाद मौत हो गई। महिला के पति ने अस्पताल के डॉक्टरों पर उपचार में लापरवाही बरतने का आरोप लगाया है। पुलिस ने पोस्टमार्टम करा शव परिजनों को सौंप दिया। फिरदोष के पति खुर्शीद ने पुलिस को दी शिकायत में डॉक्टरों पर ऑपरेशन में लापरवाही बरतने का आरोप लगाया है। खुर्शीद ने बताया कि उसकी पत्नी को बच्चादानी में परेशानी थी। जिसके उपचार के लिए सफा अस्पताल में लेकर मंगलवार को पहुंचा था। डॉक्टर ने बच्चादानी को बाहर निकालने की बात कहते हुए ऑपरेश ही एक मात्र उपचार बताया था। जिसके लिए उसे 14 हजार रुपये का खर्चा बताया था।

गुरुग्राम नागरिक अस्पताल के शौचालयों की हालत फिर से खराब

पूर्व में एनक्यूएएस की टीम के दौरे को दिखाई गई सुविधाएं अब नगण्य

संजय कुमार मेहरा। गुरुग्राम

सिर्फ दिखावा करके ही नागरिक अस्पताल को अव्वल लाने के प्रयास किये जा रहे हैं। अस्पताल प्रशासन इसमें भले ही सफल हो रहा है, लेकिन जमीनी स्तर पर हकीकत में कुछ खास सुधार नजर नहीं आता। हालांकि इसके जिम्मेदार कर्मचारियों के साथ-साथ अस्पताल में पहुंचने वाले लोग भी हैं। क्योंकि वे यहां लगे उपकरणों को तोड़ भी देते हैं और उखाड़कर साथ भी ले चोरी करके ले जाते हैं। इससे अस्पताल प्रशासन भी परेशान है।

नागरिक अस्पताल में नियमित तौर पर सुविधाओं का अभाव ही रहता है। चाहे वो शौचालयों की देखरेख हो या मरीजों के बेड पर बिछाई जाने वाली चद्दरें। अभी भी शौचालयों में पाइप निकली पड़ी हैं। हाथ धोने के लिए कहीं डिस्पेंसर में साबुन नहीं है तो कहीं से डिस्पेंसर ही गायब है। ऐसे में कैसे अस्पताल गुणवत्ता की बात करता है, यह समझ से परे है। हमने पूर्व में भी कई बार अस्पताल में फटी चद्दरों, खून व अन्य तरह के दाग लगी चद्दरों और फटे गाउन आदि के समाचार तस्वीरें के साथ प्रकाशित किये। अस्पताल प्रबंधन तक यह बात पहुंची तो स्टाफ को खूब समझाया भी गया, लेकिन आदत से मजबूर स्टाफ पर शायद ही इसका कुछ असर हुआ हो।

गुरुग्राम के सेक्टर-10 नागरिक अस्पताल के गेट नंबर-2 के पास बने शौचालय में खाली डिस्पेंसर, आपातकालीन विभाग के सामने शौचालय में गायब डिस्पेंसर व टॉयलेट शीट की टूटी पड़ी पाइप।

एनक्यूएएस टीम का दौरा टला

नागरिक अस्पताल की पीएमओ ने पत्र जारी कर सभी स्टाफ को सूचित किया था कि भारत सरकार की ओर से नेशनल क्वालिटी एश्योरेंस स्टैंडर्ड (एनक्यूएएस) के लिए टीम 14 अक्टूबर को अस्पताल का दौरा करेगी। सभी इंचार्ज को निर्देश दिए कि वे अपने विभागों में सुविधाओं की जांच करें। जो कमी हो उसमें सुधार करें। साथ ही कहा गया कि इस दिन तक किसी भी स्टाफ और डॉक्टर को ऑफ व छुट्टी नहीं मिलेगी। देर शाम को फिर से एक पत्र जारी करके कहा गया कि टीम का दौरा रद्द हो गया है, लेकिन अस्पताल में सफाई व अन्य सुविधाओं में कमी नहीं रहनी चाहिए।

जनता भी नहीं निभाती जिम्मेदारी : डॉ. नीरज

अस्पताल में व्याप्त कमियों पर डीएमएस डा. नीरज यादव ने कहा कि बार-बार इन चीजों को ठीक कराया जाता है, लेकिन अस्पताल में आने वाले लोग अपनी जिम्मेदारी नहीं समझते। वे इन्हें तोड़ जाते हैं। डिस्पेंसर में लिक्विड साबुन न होना तो कर्मचारियों की लापरवाही है, लेकिन डिस्पेंटर को उखाड़कर ले जाना यह आम पब्लिक का काम है। बाहर से आने वाले लोग ही ऐसा करके नुकसान पहुंचा रहे हैं। सुविधाओं को खराब कर रहे हैं। वे जल्द ही इन कमियों को दूर कराएंगे।

20 अगस्त 2021 को भी हुआ था निरीक्षण

20 अगस्त 2021 को एनक्यूएएस की टीम ने कोरोना के चलते वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिये ही नागरिक अस्पताल का मूल्यांकन किया था। इससे पहले अस्पताल प्रबंधन, प्रशासन ने अस्पताल के शौचालयों में हाथ धोने के लिए लिक्विड साबुन के डिस्पेंसर लगवाए। बाकी जो कमियां भी उनको दुरुस्त कराया। हालांकि इससे पहले आम जनता के शौचालयों में कभी डिस्पेंसर नजर नहीं आए थे। यह सब टीम को दिखाने के लिए ही किया गया। टीम का दौरा होने के बाद इनमें लिक्विड साबुन भरने की जहमत नहीं उठाई गई। हमारे समाचार पत्र की तरफ से यह मुद्दा उठाए जाने के बाद एकाध दिन सुधार दिखा, उसके बाद वही हाल। इसे देखकर कहा जा सकता है कि यहां संबंधित कर्मचारी अपने काम के लिए गैरजिम्मेदाराना रवैया अपना रहे हैं। या फिर अधिकारियों का कर्मचारियों पर कोई कंट्रोल नहीं है। अगर कंट्रोल हो तो फिर कार्यालय के आदेशों को ऐसा हवा में ना उड़ाया जाए।

एक छत के नीचे मिलेंगी सब सुविधाएं : सुधीर सिंगला

वार्ड-14 में निगम पार्षद के कार्यालय व सुविधा केंद्र का हुआ उद्घाटन

गुरुग्राम। विधायक सुधीर सिंगला ने बुधवार को यहां वार्ड-14 में नागरिक सुविधा केंद्र और नगर निगम के पार्षद सुरेश प्रधान के कार्यालय का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने केंद्र परिसर में पौधारोपण भी किया। कार्यक्रम में मेयर मधु आजाद, वरिष्ठ भाजपा नेता अनिल यादव समेत कई गणमान्य लोग मौजूद रहे।

विधायक सुधीर सिंगला ने कहा कि नागरिकों को बेहतर सुविधाएं देने के लिए हम कटिबद्ध हैं। अपने छोटे-छोटे कार्यों के लिए जनता को दूर न जाना पड़े, इसलिए उनके डोर स्टेप पर नागरिक सुविधा केंद्र जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। इससे उनका समय भी बचेगा और पैसे की भी बचत होगी। विधायक ने कहा कि हम सब जनप्रतिनिधियों का यह कर्तव्य है कि हम जनता की उम्मीदों पर खरे उतरें। जनता के द्वारा हमारा चुनाव होता है। इस चुनाव के बाद हमें जनहित में कार्य करके सुविधाएं उपलब्ध कराई जानी चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि नागरिक सुविधा केंद्र में ऑनलाइन आवेदन समेत तमाम सुविधाएं मिलती हैं। क्षेत्र के पार्षद अपने क्षेत्रों में इस तरह के सुविधा केंद्र शुरू करके अपने वार्ड में लोगों को सुविधा उपलब्ध कराने का काम करें। विधायक ने कहा कि पार्षदों की ओर से अपने-अपने वार्ड में जो काम किसी कारणवश अधूरे पड़े हैं, उन्हें पूरा करवाएं। चाहे वह गलियों का काम हो या फिर सीवरेज का। सभी कार्यों को प्राथमिकता के तौर पर कराएं।

गुरुग्राम के वार्ड-14 में नागरिक सुविधा केंद्र की शुरुआत के मौके पर पौधारोपण करते विधायक सुधीर सिंगला।

विधायक सुधीर सिंगला ने कहा कि उनके सिविल लाइन कार्यालय में भी नागरिक सुविधा केंद्र की शुरुआत गत दिनों की जा चुकी है। वहां पर लोग आकर सुविधाओं का लाभ ले सकते हैं।

आजाद हिंद फौज के 78वें स्थापना दिवस के अवसर पर होगा कार्यक्रम

21 अक्टूबर को मनाया जाएगा स्थापना दिवस

गुरुग्राम। आजाद हिंद फौज (आईएनए) के 78वें स्थापना दिवस के अवसर पर 21 अक्टूबर को स्वतंत्रता सेनानी जिला परिषद् हॉल परिसर में भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा।

आजादी के अमृत महोत्सव के तहत आयोजित किए जाने वाले इस कार्यक्रम को लेकर बुधवार को स्थानीय लोक निर्माण विश्राम गृह में स्वतंत्रता सेनानी उत्तराधिकारी समिति गुड़गांव के सदस्यों की बैठक आयोजित की गई। बता दें कि आजाद हिंद फौज की बागडोर महान स्वतंत्रता सेनानी नेताजी सुभाष चंद्र बोस ने 21 अक्टूबर 1943 को साउथ ईस्ट एशिया रंगून, (बर्मा) में संभाली थी। जिसमें तकरीबन 60 हजार स्वतंत्रता सेनानियों ने हिस्सा लिया था। अंग्रेजों से देश को आजाद करवाने की कसम खाई थी। उसी दिन से लेकर आज तक सभी स्वतंत्रता सेनानियों का जोश उतना ही बरकरार है। आईएनए के स्थापना दिवस पर नेताजी सुभाष चंद्र बोस ने अपने इंडियन नेशनल आर्मी के साथियों से कहा था कि-तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आजादी दूंगा।

स्वतंत्रता सेनानी उत्तराधिकारी समिति के अध्यक्ष कपूर सिंह दलाल ने बताया कि अमृत महोत्सव के तहत देश के सभी स्वतंत्रता सेनानियों और रणबांकुरे की याद में हम सभी स्वतंत्रता सेनानी उत्तराधिकारी समिति भी अपने महान स्वतंत्रता सेनानियों की याद में आजाद हिंद फौज का स्थापना दिवस मनाने जा रही हैं।

डायरेक्टर ऑफरिसर्च - डिजिटल टेक्नॉलॉजी एवं फाइनेंस ट्रांसफॉर्मेशन लायजन कमिटी ऑन एकेडेमिक रिलेशंस आईएमए

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

आवश्यकता अविष्कार की जननी है। प्लेटो ने कभी भी नहीं सोचा होगा कि वर्तमान में कोविड-19 महामारी में यह बात इतनी सारगर्भित हो जाएगी, कि लगभग हर महाद्वीप और हर उद्योग में उद्यमियों की पूरी एक नई पीढ़ी एवं अभिनवता की एक विशाल लहर को जन्म देगी।

आज के डिजिटलीकरण के युग में एक क्षेत्र, जिसमें अपार वृद्धि दर्ज हुई है, वह है रिमोट कस्टमर सर्विस से लेकर वर्चुअल वर्किंग और सप्लाई चेन में नए अन्वेषणों से लेकर संचालन में सुधार के लिए आर्टिफिशियल इंटैलिजेंस (एआई) और मशीन लर्निंग का इस्तेमाल। आर्थिक परिदृश्य में इस पुनरोद्धार का नेतृत्व मुख्यत: छोटे उद्यमियों ने किया। अकेले सन 2020 की तीसरी तिमाही में अमेरिका में नए व्यवसायों के लिए 1.5 मिलियन से ज्यादा आवेदन प्राप्त किए गए, जो 2019 की इसी अवधि के मुकाबले लगभग दोगुने थे। यह नई जीवनशैली ज्यादा डिजिटलाईजेशन के साथ परिवर्तन की तीव्र गति उत्पन्न कर रही है, जिसके कारण व्यवसायों को इस चुनौतीपूर्ण वातावरण में प्रतिस्पर्धी बने रहने के लिए तीव्र निर्णय लेने पड़ रहे हैं। वित्तीय व गैरवित्तीय आंकड़ों की अद्वितीय उपलब्धता के साथ सामरिक व्यवसायिक साझेदार के रूप में, वित्त के कार्यों का भार अब छोटी व बड़ी कंपनियों की नेतृत्वकारी टीम के कंधों पर है, ताकि डेटा पर आधारित प्रभावशाली जानकारी द्वारा व्यवसायिक निर्णयों में मदद दी जा सके। पूरी दुनिया में फाईनेंस एवं अकाउंट व्यवसाय में परिवर्तन जारी है, जिससे ध्यान अकाउंट, रिपोर्टिंग एवं नियंत्रण की गतिविधियों से एडवांस्ड एनालिटिक्स एवं स्ट्रेटिजक डिसीजन सपोर्ट की ओर केंद्रित हो रहा है तथा फाईनेंस एवं अकाउंट के क्षेत्र में नेतृत्वकर्ता अपनी टीमों के डिजिटल, एनालिटिक्स एवं स्ट्रेट्जी के कौशल को मजबूत कर रहे हैं। दुनिया मेंफाईनेंस के कार्यों में परिवर्तन का सफर डेटा स्टुअर्डशिप से वैल्यू क्रिएशन एवं डिसीजन सपोर्ट की ओर परिवर्तित हुआ है; और चुस्त फाईनेंस कार्य की जरूरत उत्पन्न हुई है। फाईनेंस कार्य की दीर्घकालिक व्यवहारिकता इस बात पर निर्भर है, कि संस्कृति में चुस्ती किस हद तक समाविष्ट हो सकती है। इसलिए, यह आवश्यक है कि वित्त के कार्य न केवल चुस्ती को अपनाएं, बल्कि फाईनेंस के परिवर्तन में भी चुस्त दृष्टिकोण का इस्तेमाल किया जाए।

चुस्ती - डिजिटल युग में वित्तीय परिवर्तन का द्वार, द्वारा : लॉरियाल जाइल्स

एचपीसीएल ने दिल्ली के चुनिंदा आउटलेट पर एचपीसीएल आओ कार ले जाओ अभियान शुरू किया

पायनियर समाचार सेवा। दिल्ली

महारत्न कंपनी हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने एचपीसीएल आओ कार ले जाओ अभियान शुरू किया है, जिसके अंतर्गत पूर्वी दिल्ली, दक्षिणी दिल्ली और नई दिल्ली में एचपीसीएल के चुनिंदा 30 से अधिक पेट्रोल पंपों से ईंधन भरवाने पर ग्राहकों को कार, बाइक, लैपटॉप, एलईडी टीवी, स्मार्ट फोन, मुफ्त ईंधन वाउचर और कई और उपहार जीतने का सुनहरा अवसर मिलेगा।

अभियान की शुरुआत एचपीसीएल नॉर्थ जोन के मुख्य महाप्रबंधक राजेश मेहतानी द्वारा हेड एचपीसीएल दिल्ली रिटेल सिद्धार्थ मिश्रा, प्रवीण मिश्रा, अंजू मिश्रा और अन्य अधिकारियों और सभी रिटेल आउटलेट्स डीलरों, जो इस मेगा कैंपेन का हिस्सा हैं, की उपस्थिति में खान मार्केट के पास बत्रा कार केयर सेंटर में आयोजित एक भव्य समारोह में की गयी। यह अभियान डिजिटल प्लेटफॉर्म पर चलाया जाएगा। सभी टू व्हीलर ग्राहक जो 350/- रुपये व उससे अधिक का और सभी फोर व्हीलर ग्राहक जो 2000/- रुपये व उससे अधिक का ईंधन भरवाएंगे वे इस अभियान में भाग लेने के लिए पात्र होंगे। प्रत्येक रिटेल आउटलेट के लिए एक अलग क्यूआर कोड तैयार किया गया है जिसे सभी पात्र ग्राहकों द्वारा स्कैन किया जा सकता है। अभियान अवधि के दौरान एलईडी टेलीविजन, लैपटॉप, मोबाइल फोन, स्पा वाउचर, स्कूटर आदि के भाग्यशाली विजेताओं के नाम घोषित करने के लिए साप्ताहिक ऑनलाइन लकी ड्रा आयोजित किया जाएगा। मुफ्त ईंधन वाउचर के भाग्यशाली विजेताओं की घोषणा दैनिक आधार पर की जाएगी। एक भाग्यशाली ग्राहक के पास कार जीतने का मौका होगा। इसके अलावा, अभियान में भाग लेने वाले सभी ग्राहकों को सुनिश्चित पुरस्कार मिलेगा।

यह अभियान 13 अक्टूबर से जनवरी, 2022 के पहले सप्ताह तक पूरे त्योहारी सीजन को कवर करेगा। अभियान का उद्घाटन करते हुए राजेश मेहतानी ने कहा, यह अभियान इस त्योहारी सीजन के दौरान ग्राहकों के लिए बहुत सारे उपहारों के साथ ढेरों खुशियां भी लाएगा।

वंचित विद्यार्थियों को डिजिटल डिवाईस प्रदान करने के लिए अमेजन इंडिया ने 'डिलीवरिंग स्माईल्स' अभियान प्रस्तुत किया

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

बुधवार को अमेजन इंडिया ने देश में डिजिटल अंतर को दूर करने और वंचित समुदायों के विद्यार्थियों को डिजिटल डिवाइसेस की उपलब्धता बढ़ाने के अपने उद्देश्य की घोषणा की, ताकि उनका भविष्य उज्जवल हो सके। इस उद्देश्य के साथ त्योहारों की खुशी बढ़ाने के लिए कंपनी ने अमेजन ग्रेट इंडिया फेस्टिवल 2021 के साथ-साथ डिलीवरिंग स्माईल्स अभियान के लॉन्च की घोषणा की।

यह कार्यक्रम ग्राहकों को दान देने और डिजिटल अंतर को दूर करने के कंपनी के उद्देश्य में हिस्सा लेने में समर्थ बनाएगा। अमेजन 150 से ज्यादा बड़े-छोटे नॉन-प्रॉफिट संगठनों के साथ साझेदारी में वंचित युवाओं को 20,000 डिजिटल डिवाइस प्रदान करेगा, जिससे भारत में 100,000 से ज्यादा विद्यार्थियों को लाभ मिलेगा। इन 150 संगठनों में से अमेजन वॉल्युनटीयरिंग प्रोग्राम के तहत आंतरिक कर्मचारी नामांकनों के आधार पर 100 नॉन-प्रॉफिट पार्टनर्स को चुना जाएगा। इसके अलावा, ग्राहकों को नकद में योगदान देने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। वो अपने मोबाइल फोन भी दान कर सकते हैं, जिन्हें रिफर्बिश कर वितरित किया जाएगा, ताकि युवाओं को डिजिटल लर्निंग के उपकरण मिल सकें। तेजी से डिजिटल होती दुनिया में डिजिटल डिवाईस की उपलब्धता से युवाओं को सीखने, खोजने और विकसित होने के अनेक अवसर उत्पन्न हो सकते हैं। इसके बाद भी देश में काफी विशाल डिजिटल अंतर है। कोरोना महामारी ने इस डिजिटल अंतर को दूर करने की जरूरत पर बल दिया है और स्वास्थ्य, शिक्षा एवं वित्तीय सेवाओं की एक समान ऑनलाईन उपलब्धता सुनिश्चित करने का महत्व समझाया है।

डिलीवरिंग स्माईल्स अभियान द्वारा अमेजन इंडिया सीधे वंचित वर्ग के विद्यार्थियों व युवाओं को डिजिटल डिवाईसेस का योगदान संभव बनाएगा। इसका उद्देश्य भारत के डिजिटल उद्देश्य पूरे करने में योगदान देना है। अमेजन इंडिया के वाईस प्रेसिडेंट, मनीष तिवारी ने कहा, कोविड-19 महामारी ने न केवल शिक्षा में, बल्कि आवश्यक सेवाओं की उपलब्धता में मौजूद गंभीर डिजिटल अंतर पर ध्यान केंद्रित किया है। इससे सबसे ज्यादा प्रभावित वंचित समुदाय के युवा हुए हैं। हमारे ग्राहकों, कर्मचारियों और पार्टनर्स की मदद से हम युवाओं को डिजिटल डिवाइस द्वारा सशक्त बनाना चाहते हैं, ताकि यह अंतर खत्म हो सके और उन्हें अपने परिवारों के लिए ऑनलाईन शिक्षा व आवश्यक सेवाएं मिल सकें। यह देश के कोने-कोने में अमेजन इंडिया के ग्रेट इंडिया फेस्टिवल की खुशी पहुंचाने और लोगों के चेहरों पर मुस्कान लाने का हमारा प्रयास है। मनीष ने कहा, अमेजन हमारे देश के भविष्य में निवेश करने के लिए प्रतिबद्ध है। हमें ज्ञात है कि प्रतिभा व जोश सभी युवाओं में होते हैं, लेकिन अवसर सबको नहीं मिल पाते। इसने हाल ही में हमें भारत में अपना ग्लोबल सिग्नेचर कंप्यूटर साईंस एजुकेशन अभियान, अमेजन फ्यूचर इंजीनियर, लॉन्च करने के लिए प्रेरित किया, जिसका उद्देश्य वंचित विद्यार्थियों के लिए गुणवत्तायुक्त कंप्यूटर साईंस की शिक्षा एवं करियर के अवसर संभव बनाना है।

जी बिजनेस एक्सीलेंस अवार्ड्स-2021 में केडीएम इंडिया ने राइजिंग ब्रांड ऑफ द डेकेड का पुरस्कार हासिल किया

पायनियर समाचार सेवा। मुरादाबाद

कंज्यूमर लाइफस्टाइल ब्रांड, चष्ठरू इंडिया ने बेहद सम्मानित एवं लोकप्रिय जी बिजनेस एक्सीलेंस अवार्ड्स-2021 में राइजिंग ब्रांड ऑफ द डेकेड' का पुरस्कार जीत लिया है। पिछले दशक में केडीएम इंडिया ने अपने उम्दा प्रदर्शन से एक मिसाल कायम की है, और इस बात को ध्यान में रखते हुए केडीएम इंडिया को इलेक्ट्रॉनिक्स श्रेणी की बेहतरीन कंपनियों में सर्वश्रेष्ठ कंपनी के तौर पर सम्मानित किया है।

पुरस्कार के बारे में अपने विचार व्यक्त करते हुए नीलेश माली, अध्यक्ष,प्रबंध निदेशक, केडीएम इंडिया ने कहा, जी बिजनेस जैसे बेहद सम्मानित मंच से राइजिंग ब्रांड ऑफ द डेकेड पुरस्कार प्राप्त करना हमारे लिए गौरव की बात है। पिछले एक दशक में चष्ठरू ने लाइफस्टाइल और मोबाइल एक्सेसरीज के अग्रणी ब्रांड के रूप में अपनी पहचान बनाई है। हमें मोबाइल एक्सेसरीज और लाइफस्टाइल सेगमेंट में अलग-अलग तरह के प्रोडक्ट्स विकसित करने पर बेहद गर्व है, जिसमें मोबाइल चार्जर, ईयरफोन, और स्पीकर से लेकर हेडफोन तक के कई प्रोडक्ट्स शामिल हैं। भारत में हमारा डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क काफी मजबूत है, और इसी वजह से हम भारत के सबसे बड़े और सबसे इनोवेटिव मोबाइल एक्सेसरीज एवं लाइफस्टाइल ब्रांड बनने के इस मुकाम तक पहुंच पाए हैं। कंपनी के निदेशक, भंवरलाल /भवरलाल सुथार ने कहा कि, पिछले दशक का हमारा सफर बेहद रोमांचक रहा है, साथ ही इस सफर को रोमांचक, दिलचस्प और इनोवेटिव बनाने का यह सिलसिला आने वाले 100 सालों तक बरकरार रहेगा। एक ब्रांड के रूप में हम जोश व उत्साह से भरे हैं, और हम डिजाइनिंग, पैकेजिंग, स्टाइल, गुणवत्ता, उपयोगिता और नई पीढ़ी के युवाओं की पसंद के लिहाज से हर दिन बेहतर हो रहे हैं। हमारे विनिर्माण केंद्रों में अत्याधुनिक सुविधाएं उपलब्ध हैं और हमें खुद को %मेड इन इंडिया% ब्रांड कहते हुए गर्व हो रहा है।

आसान बिल पेमेंट के लिए एनपीसीआई भारत बिलपे लिमिटेड के साथ मिलकर फोनपे ने किया क्लिकपे लॉन्च

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

भारत के जाने-माने डिजिटल भुगतान प्लेटफॉर्म फोनपे ने एनपीसीआई भारत बिलपे लिमिटेड (एनबीबीएल) के सहयोग से अपने ग्राहकों के लिए क्लिकपे का शुभारंभ करने की घोषणा की। क्लिकपे एक अद्वितीय भुगतान लिंक है जो ग्राहकों को बार-बार होने वाले ऑनलाइन बिल भुगतान (बिजली, पानी, गैस, ऋण, आदि) करने में सक्षम बनाता है और प्रत्येक बिलर, सेवा से जुड़े खाते के विवरण को याद रखने की जरुरत को दूर करता है।

बिलर द्वारा भेजा गया यह लिंक ग्राहक को तुरंत बिल राशि प्राप्त करने वाले भुगतान पेज पर ले जाएगा। फोनपे, क्लिकपे समर्थन को सक्षम करने वाले पहले भुगतान प्लेटफार्मों में से एक है, और यह बिल भुगतान करने से जुड़े विशिष्ट पहचानकर्ताओं, विवरणों को याद रखने की परेशानी को दूर करके ग्राहकों को लाभान्वित करता है - वे केवल अपने बिलर द्वारा भेजे गए क्लिकपे लिंक पर क्लिक करके भुगतान कर सकते हैं, जो इसे केवल दो-चरणीय प्रक्रिया बनाता है। यह लॉन्च बिल भुगतान के लिए जरुरी मैन्युअल इनपुट से प्रेरित त्रुटियों को कम करके क्षेत्र में डिजिटल लेनदेन की हिस्सेदारी बढ़ाने में मदद करेगा। फोनपे के ऑनलाइन मर्चेंट के निदेशक अंकित गौर ने लॉन्च पर कहा, हम क्लिकपे के लॉन्च के लिए एनपीसीआई भारत बिलपे लिमिटेड के साथ साझेदारी करके काफी उत्साहित हैं। इससे बड़ी संख्या में संभावित ग्राहक ऑफलाइन क्षेत्र से अपने बिलों का ऑनलाइन भुगतान करने के लिए प्रेरित होंगे। हमारा मानना है कि इससे उपभोक्ताओं के लिए बिलर की खोज और बिल भुगतान को सुविधाजनक बनाकर डिजिटल भुगतान को अपनाया जाएगा। एनपीसीआई भारत बिलपे लिमिटेड के उत्पाद और बाजार विकास प्रमुख राहुल टंडन, ने कहा क्लिकपे ग्राहक को सशक्त बनाने की ओर पहला कदम है, जिसमें मैन्युअल इनपुट और त्रुटियों के बिना आसानी से भुगतान किया जा सकता है। हमें PhonePe के साथ क्लिकपे सुविधा शुरू करने और विशाल ग्राहक आधार को मजबूत सुविधा प्रदान करने की खुशी है। क्लिकपे तेज भुगतान सुनिश्चित करेगा और भुगतान सेवा क्षेत्र में डिजिटल लेनदेन को आगे बढ़ाने में मदद करेगा।

फोनपे बना भारत बिलपे क्लिकपे को शुरू करने वाला पहला भुगतान प्लेटफार्म

फोन पे के बारे में

फोन पे भारत का प्रमुख डिजिटल पेमेंट प्लेटफार्म है। इसके 30 करोड़ से ज्यादा रजिस्टर्ड यूजर हैं। फोनपे का इस्तेमाल करके, पैसे भेज जा सकते हैं और पाए जा सकते हैं और मोबाइल, DTH, और डेटा कार्ड रिचार्ज किया जा सकता है। इसके अलावा, स्टोर पर पेमेंट किया जा सकता है, बिजली, पानी, और गैस के बिल का पेमेंट किया जा सकता है, सोना खरीदा जा सकता है और निवेश किए जा सकते हैं। फोनपे ने सोने के उत्पाद लॉन्च करने के साथ, 2017 में वित्तीय सेवाओं के क्षेत्र में कदम रखा। इसके जरिए, फोनपे ग्राहकों को अपने प्लेटफार्म पर सुरक्षित तरीके से 24 कैरट सोना खरीदने का सुरक्षित और आसान विकल्प उपलब्ध कराया। तब से, फोनपे ने कई म्युचूअल फंड और बीमा उत्पाद लॉन्च किए हैं।

मरीजों की हालत हो रही गंभीर, नहीं मिल रहे प्लेटलेट्स

दिल्ली-एनसीआर में हो रही प्लेटलेट्स किट की शॉर्टेज

जांच किट न मिलने से कई दिनों तक रहती हैं मशीनें बंद

जिले में डेंगू के तीन नए मामलों से आंकड़ा पहुंचा 150 पर

कविता। फरीदाबाद

शहर में बुखार, डेंगू, मलेरिया और अन्य बीमारियों के मरीजों की संख्या बढ़ने से ब्लड बैंक और परिजनों के सामने मुसीबत खड़ी हो गई है। काफी मरीजों में डेंगू जैसे लक्षण हैं। उनकी प्लेटलेट्स काउंट कम आ रहे हैं। ऐसे में ब्लड बैंकों में प्लेटलेट्स की डिमांड बढ़ गई है। इससे सरकारी और निजी ब्लड बैंकों में प्लेटलेट की कमी आ गई है। वहीं दिल्ली एनसीआर में किट ही नहीं मिल रही है। जिससे अस्पतालों और ब्लड बैंकों की मशीनें कई-कई दिनों तक बंद रहती हैं। जिससे मरीजों को प्लेटलेट्स मिलने में परेशानी आती है। बुधवार को डेंगू के तीन नए मामले आने से मरीजों का आंकड़ा 150 पर पहुंच गया।

एक मरीज को कई यूनिट

बुखार से पीड़ित ज्यादातर मरीजों में डेंगू के लक्षण दिखाई दे रहे हैं। ज्यादातर मरीजों में प्लेटलेट्स बड़ी तेजी से घट रहे हैं। जिन मरीजों की काउंट 15 से 20 हजार होती हैं। उनका प्लेटलेट्स बढ़ाने के लिए सामान्य तौर पर चार से पांच यूनिट चढ़ाई जाती हैं। ऐसे में अगर मरीजों की संख्या कम नहीं हुई तो ब्लड बैंक और मरीजों पर बडा संकट आ सकता है।

परेशान हैं तीमारदार

कोरोना काल में हुई रक्त की कमी से ब्लड बैंक उभर भी नहीं पाए थे कि डेंगू और अन्य बीमारियों ने ब्लड की खपत बड़ा दी। पहले शहर के ब्लड बैंक तीमारदारों का ब्लड लेकर बदले में उन्हें जिस ग्रुप का ब्लड या प्लेटलेट्स चाहिए होता है वह उपलब्ध कराते थे, लेकिन डोनर न मिलने से तीमारदारों को दिक्कत झेलनी पड़ रही है।

थैलेसीमिक परेशान

डेंगू के बाद सबसे अधिक रक्त की दिक्कत थैलेसीमिया से पीड़ित बच्चों, गर्भवती महिलाओं और घायलों को हो रही है। ब्लड न मिलने की वजह से तीमारदारों का बुरा हाल है। कई लोग जो बाहर के जिलों से यहां इलाज कराने आये हैं, वह लोग अपने गांव से डोनर की व्यवस्था कर रहे हैं।

डोनेट करें प्लेटलेट्स

समाजसेवी एवं रक्तदाता मोटीवेटर उमेश अरोड़ा ने बताया कि जिले में प्लेटलेट्स के लिए तीमारदार यहां से वहां चक्कर काट रहे हैं। जिले में प्लेटलेट्स डोनरों की संख्या कम है। वे रोजाना आठ से दस डोनरों की व्यवस्था कर रहे हैं। एक मरीज को चार से पांच प्लेटलेट्स यूनिट चढ़ाई जाती हैं। ऐसे में लोग खुद आगे आकर प्लेटलेट्स डोनेट करें। जिले में ए, बी और ओ पॉजिटिव डोनरों की मांग बढ़ रही है।

तीन चोर गिरफ्तार सुलझे मामले

फरीदाबाद। पुलिस आयुक्त विकास अरोड़ा के दिशा निर्देश के तहत कार्य करते हुए क्राइम ब्रांच एनआईटी की टीम ने चोरी के तीन मुकदमों में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

आरोपी रितिक फरीदाबाद की राहुल कॉलोनी का रहने वाला है। इसने सेक्टर 7 में स्थित एक मकान का ताला तोड़कर 4500 रुपये व अन्य सामान चोरी किया था। दूसरा आरोपी सूरज उर्फ खबरी जो फरीदाबाद की नेहरू कॉलोनी का रहने वाला है। आरोपी ने थाना एसजीएम नगर क्षेत्र से 2 मोबाइल फोन चोरी किए थे। तीसरा आरोपी साकिर भी फरीदाबाद की नेहरू कॉलोनी का रहने वाला है जिसने थाना सराय ख्वाजा क्षेत्र से एक मोटरसाइकिल चोरी की थी।

संक्षिप्त समाचार

रामलीला मंचन में हुआ अंगद और रावण संवाद

एनएच पांच में श्री धार्मिक राम लीला कमेटी के मंच पर लक्ष्मण मूर्छित लीला का मंचन करते कलाकार।

फरीदाबाद। श्री धार्मिक लीला कमेटी के निर्देशक हरीश चन्द्र आजाद ने बताया कि रामलीला मंचन में अंगद और रावण संवाद के बाद लक्ष्मन मूर्छित हुए। सबसे पहले दृश्य में अंगद-रावण में संवाद हुए और अंगद ने अपनी शक्ति दिखाने के लिये अपना पांव जमीन पर जमाया। जिसे रावण का कोई भी योद्धा हिला तक नहीं पाया तब आते हुए अंगद ने युद्ध का ऐलान कर दिया तो रावण ने पहले दिन मेघनाथ को निकुम्भ के साथ युद्ध पर भेजा। अगले दृश्य में लक्ष्मन और मेघनाथ का भंयकर युद्ध होता है तो मेघनाथ शक्ति बाण चलाकर लक्ष्मन को मूर्छित कर देता है। जिन्हें हनुमान ऊठाकर राम के पास ले जाते हैं। अंतिम दृश्य में राम लक्ष्मन को मूर्छित देखकर विलाप करते हैं। विभिषण के कहने पर हनुमान सुषैन वैध को लाते हैं और लक्ष्मन के उपचार के लिये संजीवनी बूटी लेने जाते हैं। पहली बार किसी रामलीला में एलईडी स्क्रीन पर रामलीला का मंचन हो रहा है। हनुमान का किरदार निभा रहे हनुमान को घंने पहाड़ो में संजीवनी ढूंढते हुए दिखाया गया जिसकी शूटिंग सूरजकुंड की पहाडियों में कुछ दिन पहले की गई थी। जिसको देखकर दर्शक आर्श्चय चकित हुए। मंच पर किरदारों में राम जितेष गेरा, लक्ष्मन राजू खरबंदा, अंगद पंकज खरबंदा, रावण तेजिन्द्र खरबंदा, मेघनाथ परवीन बत्तरा, निकुम्भ हार्दिक बत्तरा, कुम्भकरण दीपक नागपाल, हनुमान रोहित खरबंदा आदि ने अपने अभिनय से दर्शकों की तालियां लूटी।

लक्ष्मण-मेघनाद युद्ध का हुआ मंचन

एनएच दो में जागृति राम लीला कमेटी के मंच पर हनुमान संजीवनी लाने का मंचन करता कलाकार।

फरीदाबाद। जागृति रामलीला कमेटी, 2 ई-पार्क द्वारा रंगमंचीय रामलीला के 11वें दिन मंगलवार रात को लक्ष्मण-मेघनाद युद्ध, मेघनाद का लक्ष्मण पर शक्ति बाण छोड़ना, लक्ष्मण मूर्छा, भगवान राम का विलाप, सुषेण वैद्य का आगमन, हनुमानजी द्वारा संजीवनी बूटी लाना, भरत-हनुमान मिलन और लक्ष्मण के पुनर्जीवित होने पर राम सेना में हर्षोल्लास आदि प्रसंगों का मंचन हुआ। रामलीला दृश्यों के बीच बीच में भक्ति गीतों पर कलाकारों ने नृत्य प्रस्तुत किया। रामलीला का मंचन शबरी आश्रम में भगवान श्री राम के प्रवेश के साथ शुरू हुआ। शबरी आश्रम में भगवान श्री राम के प्रवेश के साथ हनुमान का अवतरण, सुग्रीव मित्रता और बाली वध का मंचन हुआ। इसके बाद सीता की खोज के लिए हनुमान लंका पहुंचे और अशोक वाटिका में माता सीता को प्रभु श्री राम की याद में व्याकुल देख भावुक हो गए। सीता माता हनुमान को श्री राम का भक्त जानने के बाद खुश हुईं। माता सीता को खोजने के दौरान हनुमान ने अशोक वाटिका के फल व पेड़ तोड़कर इधर-उधर फेंके। इसके बाद मेघनाथ द्वारा छोड़ी ब्रह्म की शक्ति में बंध गए। रावण के दरबार में हनुमान को लाकर उनकी पूंछ में आग लगा दी गई। इससे रावण की सोने की लंका धू-धूकर जली। इस अवसर पर पूर्व पार्षद नरेश गोसाईं, दिनेश लूथड़ा, नीरज गुप्ता, राजेश भाटिया, राजपाल सरदाना श अलका भाटिया की गरिमामयी उपस्थिति रही, जिनका जागृति रामलीला कमेटी के प्रधान योगेश भाटिया व मोहन सिंह भाटिया ने बुके देकर सम्मानित किया।

शहीदों का सम्मान करना प्रत्येक का प्रथम कर्तव्य: भाटी

गांव अटाली में सैनी धर्मशाला में शहीद नायक राजेश सैनी की याद में नवनिर्मित कमरे का उद्घाटन करते समाजसेवी कप्तान सिंह।

फरीदाबाद। गांव अटाली स्थित सैनी धर्मशाला में शहीद नायक राजेश सैनी की याद में नवनिर्मित कमरे का उद्घाटन समाजसेवी कप्तान सिहं भॉटी ने रीबन काटकर किया। सरपंच प्रहलाद सिंह, रूपचंद सैनी, चंदर सैनी, बदलेराम सैनी, बलबीर सैनी, लहरी सैनी, मॉस्टर मीरसिहं, हेमचंद सैनी, शेर सिहं सैनी, राजबीर सैनी, सुभाष सैनी, छोटे सैनी, भूरा सैनी, करतार सैनी, रामबीर सैनी, सुरेश सैनी मोहना, पंडित छीतर सहित गणमान्य लोगों ने शहीद नायक राजेश सैनी के चित्र पर पुष्प चढ़ाकर श्रद्धांजलि दी। कप्तान सिंह भाटी ने कहा कि देश के लिए जान न्योछावर करने वाले शहीदों का सम्मान करना प्रत्येक भारतीय का प्रथम कर्तव्य है। आज हम अपने घरों में महफूज हैं, क्योंकि हमारे वीर सैनिक सरहद पर सुरक्षा में तैनात हैं। सरपंच प्रहलाद सिंह ने कहा कि भारत मां के अमर सपूतों को शत-शत नमन करते हैं। हमारे वीर जवान दिन-रात भारत मां की रक्षा के लिए डटे हुए हैं। शहीद के पिता रूपचंद सैनी व माता राजबाला ने कहा कि उनके बेटे ने देश की सेवा करते हुए अपने जीवन का बलिदान दिया है। उन्हें अपने बेटे पर गर्व है। शहीद बेटे की याद में एक कमरे का निर्माण कराया है।

पानी को बनाना संभव नहीं : जोशी

फरीदाबाद। जल जीवन मिशन के अंतर्गत ग्राम पंचायतों, ग्राम जल एवं सीवरेज समितियों, पंप ऑपरेटरों और आरएमई कर्मचारियों के लिए ग्रामीण जल आपूर्ति योजनाओं के संचालन और रखरखाव पर पांच दिवसीय क्षमता संवर्धन कार्यक्रम जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग कैथल एवं जल एवं स्वच्छता सहायक संगठन (वासो) के सौजन्य से खंड एवं विकास पंचायत कार्यालय, गुहला में आयोजन किया गया। जल-थल-मल पुस्तक के लेखक सोपान जोशी, बुधवार को कार्यशाला में मुख्य अतिथि ने आयोजकों और प्रतिभागियों को हमारे समय के सबसे महत्वपूर्ण मुद्दे पर खुद को इकट्ठा करने के लिए बधाई दी। उन्होंने सभा को याद दिलाया कि विज्ञान में जितनी भी प्रगति हुई है, उसने पानी को बनाना संभव नहीं बनाया है। पृथ्वी का सारा पानी अरबों वर्षों से है। हमारा जीवन और हमारा भविष्य जल संरक्षण, हमारे जल निकायों के प्रदूषण को रोकने पर निर्भर करता है। हमें जो भी पानी (नदियों या भू-जल से) मिलता है वह वर्षा से आता है, सागर से है।

डिप्टी सीएम को गुमराह कर नहीं लौटाए निवेशकों के 250 करोड़

डिप्टी सीएम द्वारा की गई शिकायतों के निपटारे पर उठे सवाल किया प्रदर्शन

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

शिकायत के गलत निपटारे पर सवाल उठाते निवेशक।

डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला ने सोमवार को जिला परिवेदना एवं कष्ट निवारण समिति की मासिक बैठक में कई शिकायतों का निपटारा किया था। बैठक में प्रमुख मामला रहा फेरस मेगापोलिस सिटी सेक्टर-70 के बिल्डर और निवेशकों के बीच के विवाद को निपटाने में डिप्टी सीएम को गुमराह किया गया। निवेशकों ने बताया कि सोमवार को उन्हें बैठक में प्रवेश करने की अनुमति ही नहीं मिली। इसके विरोध में निवेशकों ने साइट पर प्रदर्शन भी किया। जिनमें धर्मपाल, राजेश कत्याल, रणवीर सिंह, रविंदर ओबेराय, विनय गौड, ओपी शर्मा, मोहन सिंह शामिल थे।

लगभग 9-10 साल पहले फेरस मेगापोलिस सिटी सेक्टर-70 में लाखों रुपये के प्लाट खरीदने वालों ने बताया कि सोमवार शाम उस समय हमारी नींद गायब हो गई। जब हमने मीडिया में देखा कि सत्यनारायण गर्ग और एडवोकेट एनके गर्ग ग्रीवेंस कमेटी की बैठक में डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला का धन्यवाद कर रहे हैं और बोल रहे हैं कि बिल्डर और प्लाट खरीदने वालों में बात बन गई है और 90 प्रतिशत लोगों के करीब 250 करोड़ रुपये कंपनी द्वारा वापस कर दिए गए हैं। बाकी लोगों का भुगतान भी जल्द मिल जाएगा। जबकि वास्तव में डिप्टी सीएम को गुमराह कर उनकी छबि धूमिल करने का प्रयास किया गया है।

यह मामला 18 सितंबर-2019 को पहली बार ग्रीवेंस कमेटी की बैठक में आया था। कोरोना के चलते एक साल तक बैठक ही नहीं हुई। पिछले बार बैठक में उपमुख्यमंत्री ने फिर से दोनों पक्षों की बात सुनी और अब तक हुई प्रगति के बारे में पूछा। एडवोकेट एनके गर्ग और सत्यनारायण गर्ग ने कहा था कि बिल्डर न तो उनकी रकम लौटा रहे हैं और न ही उन्हें फ्लैट या वैकल्पिक स्थान पर उचित जमीन दी जा रही है। इसके बाद उपमुख्यमंत्री ने अतिरिक्त उपायुक्त की अध्यक्षता में कमेटी गठित कर हर 15 दिन में रिपोर्ट भेजने को कहा।

सोमवार को हुई बैठक में डिप्टी सीएम को बताया गया कि बिल्डर और निवेशकों में सहमति बन गई है और बिल्डर ने निवेशकों का बकाया पैसा दे दिया निवेशकों का कहना है कि इस जगह पर प्लाट खरीदने के लिए हमने बैंक से लोन लिया और प्लाट खरीदा और अब भी हर महीने बैंक की किस्त भर रहे हैं। लोग पैसा जमा करते चले गए। कई वर्षों तक मौके पर कोई ईमारत नहीं बनी। तब से निवेशक खून के आंसू रो रहे हैं।

दुकानदार से लूटपाट मामले में बदमाशों को रिमांड पर लिया

फरीदाबाद। 15 दिन पहले थाना मुजेसर एरिया में हथियारों के बल पर दुकानदार से हुई लूट मामले में क्राइम ब्रांच 30 की टीम ने हरिद्वार की रोशनाबाद जेल में बंद तीन आरोपियों को दो दिन के पुलिस रिमांड पर लिया है। आरोपियों में आरोपी अंशु, मनीष तथा अमित का नाम शामिल है।

तीनों आरोपी उत्तर प्रदेश के बलिया जिले के रहने वाले हैं। आपको बता दें कि 28 सितंबर को आरोपियों ने हथियारों के बल पर दुकानदार से 4-5 लाख रुपये की लूट की थी और लूट करके मौके से फरार हो गए थे। क्राइम ब्रांच 30 को मामले की जांच की जिम्मेदारी सौंपी गई थी जिसमें जांच के दौरान सामने आया कि आरोपी हरिद्वार में छिपे हुए हैं। आरोपियों का पीछा करते हुए क्राइम ब्रांच की टीम हरिद्वार पहुंची जहां पर आरोपियों की गिरफ्तारी के समय हुई मुठभेड़ में क्राइम ब्रांच के सिपाही संदीप वीरगति को प्राप्त हो गए। इसके लिए आरोपियों के खिलाफ हत्या की धाराओं के तहत एक अन्य मुकदमा हरिद्वार में दर्ज करके आरोपियों को गिरफ्तार करके हरिद्वार की रोशनाबाद जेल में बंद किया गया था। फरीदाबाद पुलिस ने लूट के मामले में गहनता से पूछताछ के लिए कोर्ट में आरोपियों प्रोडक्शन वारंट लगाया था और इसी के तहत आरोपियों को दो दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया।

सोलर उर्जा से रोशन होगा जिला लघु सचिवालय

सेक्टर 12 लघु सचिवालय सौर ऊर्जा प्लांट लगाने के लिए पीपीए पर साइन कर उपायुक्त जितेंद्र यादव को पत्र सौंपते अल्टीमेट सन सिस्टम्स कम्पनी के निदेशक नरेंद्र कुमार।

कंपनी निःशुल्क प्लांट लगाकर लघु सचिवालय को मात्र चार रुपये प्रति यूनिट देगी बिजली

फरीदाबाद। जिला मुख्यालय फरीदाबाद जल्द ही सौर ऊर्जा से जगमग होगा। यहां के सभी सरकारी कार्यालयों को बिजली के भारी भरकम बिल से निजात दिलाने और स्वच्छ ऊर्जा के प्रयोग में एक कदम आगे बढ़ाते हुए बुधवार को उपायुक्त जितेंद्र यादव ने गुरुग्राम की अल्टीमेट सन सिस्टम्स के साथ ऊर्जा खरीद समझौता पत्र (पीपीए) पर हस्ताक्षर किए गए।

इसके तहत अल्टीमेट सन सिस्टम्स लघु सचिवालय के छत पर 100 किलोवाट का सौलर प्लांट लगाएगा और इसकी आपूर्ति लघु सचिवालय के सरकारी कार्यालयों को की जाएगी और बची हुई बिजली दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम के ग्रीड में स्टोर की जाएगी। इस दौरान उपायुक्त जितेंद्र यादव ने पीपीए पर हस्ताक्षर करने के बाद कहा कि अभी तक लघु सचिवालय में करीब साढ़े सात रुपये यूनिट की दर से दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम से विभिन्न कार्यालयों को मिलती है। इससे सभी कार्यालयों में भारी भरकम बिल आता है। उन्होंने बताया कि वर्तमान में समय की जरूरत को देखते हुए अक्षय ऊर्जा विभाग के माध्यम से लघु सचिवालय की छत पर 100 किलोवॉट क्षमता का सौलर प्लांट स्थापित करने का निर्णय लिया गया है। इसके तहत गुरुग्राम की अल्टीमेट सन सिस्टम के साथ इस एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए हैं। शर्तों के अनुसार अल्टीमेट सन सिस्टम्स अपने खर्च पर लघु सचिवालय की छत पर 100 किलोवॉट क्षमता का सौलर प्लांट स्थापित करेगा। अगले 25 वर्षों तक इसके रख-रखाव व उत्पादन की जिम्मेदारी भी इसी कंपनी की रहेगी। इस सौर ऊर्जा प्लांट से उत्पादित बिजली लघु सचिवालय के सभी कार्यालयों में प्रयोग होगी।

अब सिर्फ तीन कंटेनमेंट जोन और तीन ही पॉजिटिव मरीज बचे: डीसी

कोविड-19 के खिलाफ लड़ाई में धीरे-धीरे मिल रही है जीत

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

जिला मजिस्ट्रेट जितेंद्र यादव ने बताया कि जिला आपदा प्रबंधन कॉर्डिनेशन कमेटी की मीटिंग में जिला में कोविड-19 के मामलों की समीक्षा के बाद अब जिला में कंटेनमेंट जोन की संख्या तीन रह गई है। उन्होंने बताया कि इन तीन कंटेनमेंट जोन में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय भारत सरकार के दिशा-निर्देशानुसार कंटेनमेंट जोन में लागू होने वाले नियम पूरी तरह से लागू रहेंगे।

जिला मजिस्ट्रेट ने बताया कि मौजूदा समय में जिला में जो कंटेनमेंट जोन बचे हैं उनमें सेक्टर-14 में मकान नंबर 920 से 924 के बीच, सेक्टर-15 में मकान नंबर 1148 से 1153 और सेक्टर-9 में मकान नंबर 1037 से 1041 के बीच का क्षेत्र शामिल है। उन्होंने बताया कि मंगलवार को जिला में कोई भी कोविड-19 का पाजीटिव मामला नहीं मिला। ऐसे में अब कोविड-19 से पाजीटिव मामलों की संख्या भी तीन ही बची है। उन्होंने बताया कि जो तीन पाजीटिव मामले हैं उनका स्वास्थ्य भी काफी बेहतर है।

इस दौरान जिला मजिस्ट्रेट ने जिला के लोगों से अपील करते हुए कहा कि अभी जिला में अभी कोविड-19 के मामले कम बेशक हुए हैं लेकिन खतरा टला नहीं है। उन्होंने कहा कि त्योहारी सीजन में लोगों को और अधिक एहतियात बरतने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि सामाजिक दूरी का पालन, मास्क पहनने सहित कई सभी नियमों का गंभीरता से पालन किया जाए। उन्होंने कहा कि कोविड-19 के खिलाफ हम काफी लंबे समय से जूझ रहे हैं। ऐसे में हमें भविष्य में भी इस महामारी से सतर्क रहना है और अपने व अपने परिवारों को सुरक्षित रखना है।

सीट न बढ़ाने पर एनएसयूआई ने फूंका सरकार का पुतला

फरीदाबाद। एनएसयूआई फरीदाबाद के कार्यकर्ताओं तथा दाखिले से वंचित रह गए छात्रों ने सभी कॉलेजों की स्नातक कक्षाओं में सीट बढ़वाने के लिए पंडित जवाहरलाल नेहरू कॉलेज के गेट पर प्रदर्शन करके हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहरलाल खट्टर और शिक्षा मंत्री कंवरपाल गुर्जर का पुतला फूंका। प्रदर्शन एनएसयूआई हरियाणा के पूर्व प्रदेश महासचिव कृष्ण अत्री के नेतृत्व में किया गया। प्रदर्शनकारियों ने भाजपा-जजपा सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। इस दौरान एनएसयूआई हरियाणा के पूर्व प्रदेश महासचिव कृष्ण अत्री ने कहा कि सीट बढ़वाने के लिए छात्र पिछले कई दिनों से मांग कर रहे हैं लेकिन अभी तक सीट नहीं बढ़ पाई हैं। ऐसा नही हैं की किसी एक कॉलेज या एक जिले से सीट बढ़ाने की मांग की जा रहीं हैं बल्कि पूरे हरियाणा प्रदेश के छात्रों द्वारा सीट बढ़ाने की मांग की जा रही हैं।

अष्टमी पर मां महागौरी की भव्य पूजा

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

दुर्गा अष्टमी के अवसर पर कन्या पूजन करती गृहणी।

नवरात्रों के आठवें दिन मां के महागौरी रूप की पूजा अर्चना की गई। प्रातकालीन पूजा के बाद माता रानी को भोग लगाया गया। लोगों ने घरों में मां की पूजा के साथ अष्टमी पूजा के साथ कंजक पूजन किया। वहीं कुछ लोगों ने कोरोना नियमों का पालन करते हुए कजंकों को नहीं बैठाया। इसके लिए माता रानी से हाथ जोड़कर माफी मांगते हुए विनती की गई कि विश्व से इस महामारी का नाश कर लोगों को बचाओ।

हर नवरात्रि की तरह इस बार भी मंदिरों के बाहर गरीब कन्याओं की भीड़ लगनी शुरू हो गई, लेकिन मंदिरों के बाहर इस बार उन्हें कुछ श्रद्धालुओं ने फल बांटे। वहीं तिकोना पार्क स्थित सिद्धपीठ मां वैष्णोदेवी मंदिर में मां महागौरी माता की पूजा की गई। मंदिर कमेटी के प्रधान जगदीश भाटिया और अन्य सदस्यों ने मां के जयकारों के बीच पूजा अर्चना में हिस्सा लिया। सिद्धपीठ काली मंदिर में भी पूजा अर्चना की गई।

मां सिद्धिदात्री की पूजा

फरीदाबाद। राधा सर्वेश्वर मंदिर के संत मुनिराज महाराज ने बताया कि अंतिम नवरात्रे के दिन मां सिद्धिदात्री की पूजा की जाती है। यह मां का अंतिम रूप है। सिद्धिदात्री मां सिद्धियों की दाता है। सिद्धिदात्री की पूजा और कन्या पूजन के बाद ही नवरात्रि का विश्राम होता है। मां सिद्धिदात्री अपने भक्तों को सभी प्रकार की सिद्धियां प्रदान करती हैं। मान्यता है कि भगवान शिव ने मां सिद्धिदात्री की उपासना से ही सिद्धियों को प्राप्त किया था। मां सिद्धिदात्री चार भुजाओं वाली हैं। जिसमें वह गदा, कमल, शंख, चक्र लिये हुई कमल के फूल पर आसीन होती हैं। मां सिद्धिदात्री का वाहन सिंह है। नवमी तिथि को भगवती को धान का लावा अर्पित करके ब्राह्मण को देना चाहिए। इस दिन देवी को भोग अवश्य लगाना चाहिए। समस्त सिद्धियों की प्राप्ति के लिए मां सिद्धिदात्री की पूजा विशेष मानी गई है। मुनिराज जी ने बताया कि मां सिद्धिदात्री का उपासक मन्त्र- सिद्ध गन्धर्व यक्षा घैर सुरैरमरैरपि। सेव्यामाना सदा भूयात् सिद्धिदा सिद्धिदायिनी है। इसके साथ में सब बाधाओं से मुक्त करके धन धान्य से भरपूर करने वाला मन्त्र- सर्वा बाधा विनिर्मुक्तो, धन धान्य सुतान्वित। मनुष्यो मत्प्रसादेन, भविष्यति न संशय।

सोनार बांगला का केदारनाथ की तर्ज पर दुर्गापूजा पंडाल

ग्रेफ में केदारनाथ मंदिर की तरह बने पंडाल में हो रही भव्य दुर्गापूजा

कविता। फरीदाबाद

केदारनाथ की तरह बनाए गए दुर्गापूजा पंडाल में पूजा करते श्रद्धालु

जिले में पहली बार सोनार बांगला संस्था ने एक भव्य दुर्गापूजा का पंडाल सजाया है। जिसमें 20 हजार से अधिक लोगों ने मां दुर्गा की पूजा की। ग्रेफ के पूरी 81 हाईस्ट्रीट मॉल में आयोजित की गई दुर्गापूजा का थीम केदारनाथ मंदिर है। लोग इस पंडाल में आकर पूजा अर्चना के साथ होने वाले कल्चरल कार्यक्रमों का आनंद ले रहे हैं।

चार दिन मां दुर्गा की पूजा

सोनार बांगला संस्था के सदस्य तनमय शाह ने बताया कि यह पूजा केदारनाथ मंदिर की थीम पर पूरी 81 हाई स्ट्रीट में आयोजित की जा रही है। पूजा 11 से 14 अक्टूबर तक जारी रहेगी। पिछले दो दिनों में पूजा पंडाल में 20 हजार से ज्यादा श्रद्धालु पहुंचे। यह पूजा सभी के लिए है। इसमें किसी के आने पर कोई पाबंदी नहीं है। उन्होंने बताया कि बुधवार को सुबह पूजा के बाद दोपहर को भक्तों को भोग (लंगर) प्रसाद वितरित किया गया। हर रोज शाम के समय सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। शाम को संधि पूजा का विशेष आयोजन किया जाता है। जिसमें व्रत धारी महिलाएं पूजा के बाद व्रत खोलती है। इस पूजा में 108 कमल और 108 दीपकों के जरिये मां दुर्गा की पूजा अर्चना की गई।

आज के कार्यक्रम

तनमय शाह ने बताया कि बृहस्पतिवार को नौवीं की पूजा होगी। सुबह 10 बजे आरती और दोपहर को जनता का भोग करवाया जाएगा। शाम को कल्चर कार्यक्रम आयोजित होंगे। 15 अक्टूबर को मां की प्रतिमा का विसर्जन होगा। उन्होंने बताया कि इस संस्था के साथ 60 से 70 परिवार जुड़े हुए हैं। जिसमें डी चटर्जी, आशुतोष भद्र, रूपक मित्रा, संचित दास, अंकुर, अतुल्य मुखर्जी और अन्य परिवार शामिल है। उन्होंने कहा कि संस्थान ने पहली ही इस पूजा में कृर्तिमान स्थापित किया है।

केदारनाथ की थीम

तनमय शाह ने बताया कि पूजा की थीम उत्तराखंड का केदारनाथ मंदिर है। केदारनाथ धाम इसलिए रखा गया है, क्योंकि माता कैलाश पर्वत पर विरजमान है और वह वहां से आती हैं। जिसे देखते हुए संस्था की तरफ से एक माह पहली पूजा के लिए केदारनाथ मंदिर के पंडाल को तैयार करने शुरू की थी। आगे भी संस्था द्वारा पूजा का आयोजन किया जाएगा। पश्चिम बंगाल से आए कुशल कारीगरों ने एक महीने पहले पंडाल बनाना शुरू कर दिया था।

पोषण अभियान बच्चों गर्भवती और स्तनपान वाली माताओं के लिए

फरीदाबाद। उपायुक्त जितेन्द्र यादव ने बताया कि जिला में महिला एवं बाल विकास द्वारा गत सितंबर माह को राष्ट्रीय पोषण माह के रूप में मनाया गया। जहां जिला मे महिला एवं बाल विकास विभाग की आंगनबाड़ियों के माध्यम से इसके बारे में जागरुकता फैलाने के लिए कई गतिविधियां आयोजित की गई। ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में महिलाओं और बच्चों को जागरुकता गतिविधियों के साथ पोषण माह का उत्सव आयोजित किया गया।

गत सितंबर माह में डीसी जितेंद्र यादव ने स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, सेक्टर -12 से पोषण माह समारोह का उद्घाटन किया था। उन्होंने वहां मौजूद कार्यकर्ताओं को संबोधित कर जिला भर में महिलाओं और बच्चों को अधिक से अधिक जागरूक करने के दिशा निर्देश भी दिए थे और उन्हें सभी सरकारी योजनाओं का लाभ अधिक से अधिक जनता को मिले।

जीवनशैली में बदलाव की जरूरत : चैन की नींद नहीं सोने से टाइप-2 डायबिटीज हो सकता है

नई दिल्ली। क्या आपको मालूम है कि डायबिटीज को नियंत्रित करने और रात में चैन की नींद आने के पीछे गहरा संबंध है? इस बारे में पहले भी कई अध्ययन किए गए हैं, जिनसे पता चलता है कि स्लीप एपनिया और टाइप-2 डायबिटीज, या फिर टाइप-2 डायबिटीज और स्लीप एपनिया सीधे तौर पर एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं। डॉ. सिबाशीष डे, प्रमुख, मेडिकल अफेयर्स, एशिया एवं लैटिन अमेरिका, रेसमेड, ने इस बारे में विस्तार से बताया कि कैसे स्लीप एपनिया और टाइप-2 डायबिटीज एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं।

ऑब्सट्रक्टिव स्लीप एपनिया – जिसे OSA भी कहते हैं – सोते समय साँस लेने में तकलीफ से जुड़ी समस्या है, जिसका प्रमुख लक्षण यह है कि नींद के दौरान ऊपरी साँस-नली में बार-बार रुकावट आती है और इससे रात को चैन की नींद सोने में बाधा उत्पन्न होती है। सोते समय खर्राटे लेना, OSA से पीड़ित व्यक्तियों में स्पष्ट रूप से नजर आने वाले लक्षणों में से एक है। हाल के

दिनों तक लोग खर्राटों को रात में गहरी नींद की निशानी मानते थे। हालांकि सच्चाई इससे कोसों दूर है। अब सवाल यह है, कि खर्राटे आपकी सेहत को किस तरह प्रभावित करते हैं? और इससे भी अहम बात यह है, कि इसका स्लीप एपनिया से क्या संबंध है? गले की मांसपेशियों के जरूरत से ज्यादा शिथिल हो जाने के कारण OSA से पीड़ित व्यक्ति की साँसें बीच-बीच में अनैच्छिक रूप से थम जाती हैं, जिससे फेफड़ों में हवा के भीतरजानेमेंरुकावट उत्पन्न होती है। यह रुकावट रात के दौरान कई बार हो सकती है, और गंभीर स्लीप एपनिया से पीड़ित मरीजों में रात को सोते समय बहुत बार ऐसा हो सकता है। इसके चलते, व्यक्ति सुबह उठने के बाद थका हुआ महसूस करता है और उसे काम करने में मन नहीं लगता है।

ऑब्सट्रक्टिव स्लीप एपनिया लंबे समय तक बरकरार रहने पर टाइप-2 डायबिटीज के साथ-साथ दिल की बीमारी एवं मोटापे जैसी गंभीर समस्याओं को जन्म दे सकता है।

रिसर्च सोसाइटी फॉर द स्टडी ऑफ डायबिटीज इन इंडिया (RSSDI) द्वारा प्रकाशित एक आम सहमति-पत्र में इस बात को उजागर किया गया है, कि जिन लोगों को टाइप-2 डायबिटीज मेलिट्स (T2DM) होने का पता चला है, उनमें से 50 प्रतिशत से ज्यादा मरीज स्लीप एपनिया से पीड़ति हैं। रिपोर्ट में कहा गया है, T2DM से पीड़ित मरीजों के शुरुआती चरण में OSA की जांच, डायग्नोसिस और इलाज से दिल की बीमारियों के खतरे को कम किया जा सकता है, साथ ही उनके जीवन की गुणवत्ता में काफी सुधार हो सकता है। T2DM और OSA से पीड़ित मरीजों की अच्छी तरह से देखभाल के लिए उनकी व्यवस्थित तरीके से जांच, डायग्नोसिस और इलाज का सुझाव दिया गया है।

बिजली संकट

मानवजनित कारक

वर्तमान बिजली संकट पूरी तरह मानव-जनित कारण से है। बढ़ी हुई मांग का पूर्वानुमान लगाया जा सकता था। इसमें नियोजन तथा क्षमता का प्रमुख स्थान है। स्थिति खतरनाक है क्योंकि कोयले का भंडार कम हो रहा है तथा कोल इंडिया, एनटीपीसी व भारतीय रेल बिजली कंपनियों तक कोयला पहुंचाने के सारे प्रयास कर रहे हैं। यह कोई गोपनीय बात नहीं है कि देश पर संकट क्यों आया। कोविड-19 के कारण लागू लाकडाउन से मांग में कमी आई थी। इसके बाद अनलाक में न केवल आवासीय, बल्कि औद्योगिक बिजली की मांग भी बढ़ गई। अगस्त, 2021 में भारत ने 124 बिलियन यूनिट बिजली उपभोग की जो 2019 से 17 प्रतिशत अधिक थी। दूसरा, पिछले दो महीने में भारत का कोयला आयात घटा तथा कोयले की अंतरराष्ट्रीय कीमतें चीन की मांग बढ़ने के कारण बढ़ीं। इसके परिणामस्वरूप बिजलीघरों ने कोयला आयात करना बंद कर दिया या बिजली उत्पादन घटा दिया। तीसरा, वर्तमान वित्त वर्ष की पहली दो तिमाहियों में ताप बिजलीघरों में कोयले का उपयुक्त संरक्षित भंडार नहीं था। चौथा, अगस्त व सितंबर में कोयला खदान वाले क्षेत्रों में भारी बरसात के कारण खानों से कोयले की सप्लाई घटने के कारण परेशानी बढ़ी। इन सबके कारण भारत में संकट आया। उदाहरण के लिए, 4 अक्टूबर को ऊर्जा मंत्रालय ने शिखर मांग तथा उपलब्ध बिजली सप्लाई के बीच 4 गीगावाट से अधिक का अंतर स्वीकार किया।

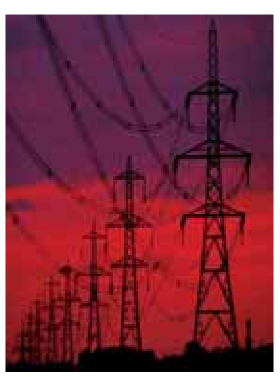

आखिर इसका जिम्मेदार कौन है तथा अप्रैल-मई में बढ़ती मांग और आगामी मानसून के कारण संभावित समस्याओं को देखते हुए पहले से योजना क्यों नहीं बनाई गई? क्या यह कोल इंडिया की प्रमुख जिम्मेदारी है जिसे कोयले की सप्लाई पर नजर रखने का काम दिया गया है। कोयला खनन एक जटिल मामला है। कंपनियां केवल कोयला निकाल कर शांत नहीं बैठ सकती हैं। उत्पादन की उठान के साथ संगति बनानी होती है क्योंकि कोयले का ज्यादा भंडार नहीं बनाया जा सकता है क्योंकि इसमें आग लगने का खतरा बढ़ जाता है। मानसून लंबा खिंचने या भारी बरसात के कारण खुली खदानों से उठान प्रभावित हो सकती है और पिछले दो सप्ताहों में यही हुआ है। इस संबंध में कोल इंडिया का रिकार्ड भी कभी अच्छा नहीं रहा है। अधिकांश उत्पादन के लिए उसकी निर्भरता उथली व खुली खदानों पर बढ़ी है। उसे गहरी खनन तकनीकों में अपनी विशेषज्ञता फौरन बढ़ानी चाहिए। कोयला ब्लाकों में क्षमता का सवाल भी है क्योंकि कोल इंडिया लिमिटेड को आबंटित ब्लाक निजी कंपनियों को दिए जा रहे हैं। कोयले से बिजली बनाने के संबंध में नए यथार्थ पर भी गौर करने की आवश्यकता है। सस्ती नवीकरणीय ऊर्जा के कारण प्रतियोगिता बढ़ी है तथा प्रदूषण का प्रमुख स्रोत होने के कारण कोयले पर निशाना लगाया जा रहा है। दूसरी ओर बिजली की कमी पर राज्यों का शोरशराबा कोयला भुगतान के बकाए के बावजूद है। राज्य बिजली बोर्डों तथा बिजली पैदा करने वाली कंपनियों पर कोल इंडिया का 21,619.7 करोड़ रुपया बकाया है। कुछ राज्यों ने ताप बिजलीघरों से बिजली खरीद अनुबंधों को विस्तार न देकर सवाल खड़े किए हैं और वे स्पाट एक्सचेंजों से महंगी बिजली खरीद रहे हैं। कोयला सप्लाई समस्याओं का पहले से पूर्वानुमान न लगाने तथा समुचित भंडार न बनाने वाले बिजलीघर भी समान रूप से जिम्मेदार हैं। कोयले की सप्लाई में धीरे-धीरे सुधार होगा, पर बिजली की स्थिति में अगले साल की शुरुआत में ही स्थायित्व आएगा। वर्तमान संकट से हमें समुचित सबक ले कर उपयुक्त कदम उठाने चाहिए।

करिश्माई नेता लोकनायक जयप्रकाश नारायण

पुस्तक कई प्रामाणिक ग्रंथों और पत्रों के साथ जेपी के विचारों और पहलों के कुछ सबसे विवादास्पद पहलुओं को संबोधित करती है

आनंद कुमार
(लेखक जेएनयू से सेवानिवृत्त प्रोफेसर हैं)

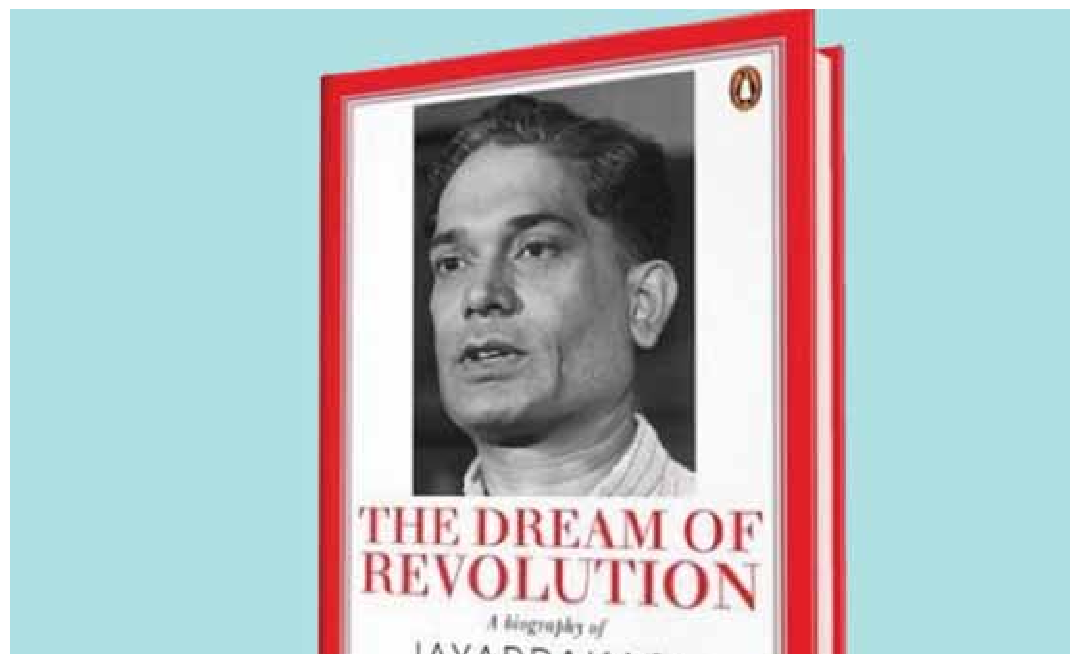

जयप्रकाश नारायण (जिन्हें 'जेपी' कहा जाता है) भारत के सबसे करिश्माई नेताओं में से एक थे। उन्होंने निस्वार्थता और दृढ़ विश्वास के साहस के दुर्लभ संगम का प्रतिनिधित्व किया। उनके मार्क्सवादी वर्षों में, अनुयायियों ने 1942 के भारत छोड़ो आंदोलन के बाद जेपी को भारत के लेनिन के रूप में देखा। उनके जीवन की शाम में, छात्रों और युवाओं ने उन्हें 'लोकनायक' कहकर अपनी प्रशंसा व्यक्त की। 1930 से 1979 तक पांच दशकों तक भारतीय राजनीति और समाज में उनकी अद्वितीय भूमिकाओं के कारण ही जेपी की जीवन यात्रा कार्यकर्ताओं और विद्वानों की पीढ़ियों के बीच एक आकर्षक कथा प्रदान करती रही है। साथ ही, यह एक हैरान करने वाला तथ्य रहा है कि जयप्रकाश को हमेशा विरोधाभासी तरीकों से देखा जाता था। उदाहरण के लिए, आचार्य विनोबा भावे और अन्य सर्वोदय सहयोगियों ने उन्हें एक संत कहा, जबकि कांग्रेस (इंदिरा) के अध्यक्ष डीके बरुआ ने उन्हें भ्रष्ट समर्थकों के साथ एक फासीवादी बताया।

बिमल प्रसाद और सुजाता प्रसाद (2021, गुड़गांव, पेंगुइन रैंडम हाउस) द्वारा 'द ड्रीम ऑफ रेवोल्यूशन - जयप्रकाश नारायण की जीवनी' कम से कम चार कारणों से स्वतंत्रता और क्रांति के उपासक के बारे में एक उत्कृष्ट पुस्तक है। सबसे पहले, पिता (एक प्रतिष्ठित शिक्षाविद) - बेटी (एक प्रतिष्ठित वरिष्ठ नौकरशाह) टीम, जो दो अलग-अलग पीढ़ियों और दो अलग-अलग झुकावों का प्रतिनिधित्व करती है, जेपी को दशकों से अच्छी तरह से जानती थी। दूसरे, इसमें केवल दस छोटे अध्यायों की एक पठनीय पुस्तक में जेपी के विचारों और पहलों के बारे में कई खंडों का आसवन है। तीसरा, यह कई प्रामाणिक ग्रंथों और पत्रों के साथ जेपी के विचारों और पहलों के कुछ सबसे विवादास्पद पहलुओं को संबोधित करता है। अंत में, यह क) गांधी और विनोबा की शिक्षाओं के बीच परस्पर क्रिया को दर्शाता है; बी) जवाहरलाल नेहरू, समाजवादियों और इंदिरा गांधी की राजनीति; और ग) जयप्रकाश और प्रभावती के जीवन को आकार देने में लोकतांत्रिक राष्ट्र-निर्माण की अनिवार्यताओं को बदलना।

पुस्तक पढ़ने योग्य है क्योंकि दोनों लेखकों ने निष्पक्षता और आत्म-संयम का एक सराहनीय उदाहरण प्रस्तुत किया है। अन्य इतिहासकारों की तुलना में जेपी के गुणों पर चर्चा करने के लिए वे आलोचनात्मक मूल्यांकन से नहीं कतराते हैं, लेकिन काफी उदारवादी बने रहते हैं।

मेरे जैसे जेपी आंदोलन के दिनों के एक कार्यकर्ता के लिए 'क्रांति का सपना' पढ़ना एक रोशन अनुभव था क्योंकि यह 'भारतरत्न लोकनायक जयप्रकाश नारायण' की जीवनी नहीं है। यह जेपी की एक अच्छी तरह से प्रलेखित जीवन-कहानी है - विद्रोही-असाधारण रूप से एक अनूठी शैली में लिखा गया है जहां अक्सर सिर्फ एक वाक्य कुछ सौ छवियों को उजागर करता है। मैं इस पुस्तक से गद्य की शक्ति के कुछ उदाहरण प्रस्तुत करता हूं। उनकी समाजवादी राजनीति के दिनों के बारे में तीन अलग-अलग अध्यायों से ऐसी तीन पंक्तियां हैं : 1) 'जयप्रकाश नारायण की राजनीति की सबसे तीखी आलोचनाओं में से एक उनकी पत्नी प्रभावती से आई है।' (अध्याय 4, पृष्ठ 53); 2) 'जयप्रकाश ने समाजवाद में संक्रमण को एक सीधी सड़क नहीं, बल्कि परस्पर विरोधी रास्तों की एक उलझन के रूप में देखा।

कुछ प्रणालीगत चुनौतियों के प्रति उनके उन्मुखीकरण के बारे में यहां तीन अन्य वाक्य दिए गए हैं : 1) 'जयप्रकाश का स्वप्नलोक अकेले पार्टी-विहीन लोकतंत्र के विचार पर नहीं, बल्कि इच्छाओं की स्वैच्छिक सीमाओं पर आधारित एक नए प्रकार के आर्थिक ढांचे पर आधारित था।' (अध्याय।) 7, पी. 131); 2) 'इतिहास और राजनीति की गड़गड़ाहट के माध्यम से, जयप्रकाश का जीवन लगातार उद्धरण और स्मारक के बीच घूमता रहा - और यही इसे इतना खास बनाता है।' (अध्याय 7, पृष्ठ 143), और 3) 'नक्सलवादी आंदोलन को घेरने वाले मिथकों को दूर करते हुए, जयप्रकाश ने तर्क दिया कि हिंसा के लिए जमीन बेरहम शोषण, पुरानी गरीबी और संचित अन्याय की दृढ़ता से तैयार की गई थी।' (अध्याय 8, पृष्ठ 156)।

अब हम 'संपूर्ण क्रांति' (1974) के लिए उनकी युगांतरकारी छलांग से ठीक पहले की सबसे महत्वपूर्ण अवधि के बारे में इसी तरह की पावर-पैक पंक्तियों को पढ़ने के लिए आगे बढ़ सकते हैं : 1) 'जयप्रकाश द्वारा उठाए गए मुद्दों पर इंदिरा का सावधानीपूर्वक तैयार किया गया जवाब धैर्यवान, सुलह करने वाला, यहां तक कि थोड़ा विचलित।' (अध्याय 8, पृ.167); 2) 'किसी को आश्चर्य होता है कि क्या प्रभावती की मृत्यु के बाद इंदिरा में भय की भावना पैदा हुई। उनकी मृत्यु के साथ, जयप्रकाश के जीवन में संयम की आवाज भी मर गई।' (अध्याय 8, पृष्ठ 169); और 3) 'वर्ष 1973 एक क्रांति के साथ नहीं बल्कि निश्चित रूप से एक की सूचना के साथ समाप्त हुआ।' (अध्याय 9, पृष्ठ 170)।

आइए हम पिछले दो अध्यायों - 'होप इन डार्क टाइम्स' (अध्याय 9) और 'द डेथ ऑफ ए ड्रीम' (अध्याय 10) से कुछ उदाहरणों को रेखांकित करके इस अभ्यास को समाप्त करें : 1) 'नवंबर 1974 एक निश्चित महीना था। आंदोलन के इतिहास में।' (पी.185); 2) 'जयप्रकाश और इंदिरा के मित्रों ने समझौता करने की कोशिश की, लेकिन असफल रहे।' (पृष्ठ 187); 3) 'इंदिरा विरोधी मोर्चे का समर्थन करने के लिए जयप्रकाश को दिल्ली वापस लाने के लिए कुछ हद तक अनुनय-विनय करना पड़ा।' (पृष्ठ 195); 4) 'इंदिरा ने संजय और उनके हाथ से उठाए गए गुंडागर्दी के कबाड़ को नियंत्रण सौंप दिया।' (पृष्ठ 196), और 5) 'जैसे ही तूफानी बादल छाए, किसी ने जयप्रकाश की राय लेने की जहमत नहीं उठाई। एक मायने में, यह इतिहास स्वयं को ही दोहरा रहा था, और उनकी दुर्दशा 1947 में गांधी से बहुत अलग नहीं थी।' (पृष्ठ 215)

यह सचेत करना महत्वपूर्ण है कि बिमल प्रसाद और सुजाता प्रसाद के इस योगदान की मदद से जेपी को जानने के बाद, एक संबंधित पाठक यह पूछने के लिए ललचा सकता है कि कई अत्यधिक प्रभावशाली लोगों द्वारा कोमल जयप्रकाश का ऐसा अनुचित चित्रण क्यों किया गया है। उन्हें 'ऊंची सोच', एक भ्रमित दिमाग, एक निराश जीवन जीने वाला, 'धुंधली, भोली और अवास्तविक सोच', 'भारतीय राजनीति और राजनेताओं का एक गरीब न्यायाधीश', हिंदू सांप्रदायिक ताकतों को सम्मान देने वाला, और प्रति-क्रांति की ताकतों के सिरमौर के साथ एक व्यक्ति के रूप में क्यों लेबल किया गया था।

किसी भी मामले में, पिता-पुत्री टीम द्वारा जेपी का मूल्यांकन अल्बर्ट कैमस द्वारा सिसिफस के मंत्रमुग्ध कर देने वाले विवरण के करीब है। सिसिफस (ग्रीक पौराणिक कथाओं में एक विद्रोही) को देवताओं द्वारा एक पहाड़ की चोटी तक एक चट्टान को रोल करने की निंदा की गई थी, केवल चट्टान को हर बार शीर्ष पर पहुंचने पर नीचे की ओर लुढ़कने के लिए। लेकिन क्या सिसिफस मुस्कुराया जब वह चट्टान के साथ शीर्ष पर पहुंचा? भारत के लोगों की सामूहिक स्मृति का अविनाशी हिस्सा बनने के लिए जाने से पहले मैंने अपने सिसिफस को सत्ता के गर्व या सफलता के अहंकार के बिना मुस्कुराते हुए देखा है।

टाटा को मिली एयर इंडिया की कमान

राजेश कुमार
(लेखक दि पायनियर के विशेष संवाददाता हैं)

टाटा संस द्वारा कर्ज के बोझ से लदी राष्ट्रीय विमान कंपनी में सरकार के शत-प्रतिशत शेयर खरीदने की बोली में सफलता प्राप्त करना वास्तव में 68 साल बाद एयर इंडिया की 'घर वापसी' है। इस वर्ष दिसंबर तक इसे टाटा को सौंपने की औपचारिकतायें पूरी होने की उम्मीद है। अब रतन टाटा के असली बिजनेस कौशल की परीक्षा एयरलाइन को फिर से पटरी पर लाना होगा, पर यह आसान काम नहीं है, हालांकि समूह की अन्य कंपनियों तथा इंडियन एयरलाइन के बीच एक संगति जरूर है। व

र्तमान समय में बीमार एयरलाइन को मूलत: 1932 में अग्रणी उद्योगपति जहांगीर रतनजी दादाभाई टाटा के नेतृत्व में टाटा एयर सर्विसेज़ के रूप में शुरू किया गया था। भारत की स्वतंत्रता के कुछ साल बाद 1953 में सरकार ने एयरलाइन कंपनी में अधिकांश शेयर खरीद लिए थे और इस प्रकार एयर इंडिया का राष्ट्रीयकरण हो गया था। ईमानदारी से देखा जाए तो एयर इंडिया के पास काफी परिसंपत्तियां, ढांचागत संरचना, उड़ानें तथा द्विपक्षीय समझौते हैं। टाटा के पास टाटा इंजीनियरिंग, ताज सैट्स, आईएचसीएल व अन्य कंपनियां हैं। उनको एयर इंडिया की ढांचागत संरचना, परिसंपत्तियों तथा उड़ानों से लाभ मिल सकता है। टाटा को दसियों हजार करोड़ रुपये की पूंजी बैलेंसशीट ठीक करने, एयरलाइन के दायित्वों का भुगतान करने तथा विकास करने पर खर्च करने होंगे। उन्हें एयरलाइन को ऐसे मोड़ पर लाना होगा जहां वह सार्थक रूप से एक प्रभावी वैश्विक प्रतियोगी बन सके।

यह राष्ट्रीय विमान कंपनी को बेचने का तीसरा प्रयास था और इस बार केन्द्र इसमें सफल हुआ है। उसने सबसे अधिक बोली बोलने वाले को अपनी पूरी संपत्ति सौंप दी है। विमान कंपनी में विनिवेश के शुरुआती प्रयास विफल हुए थे जिसके बाद जनवरी, 2020 में यह प्रक्रिया पुन: शुरू की गई, पर कोविड-19 वैश्विक महामारी के कारण इसमें बाधा आई। अप्रैल 2021 में सरकार ने संभावित बोलीकर्ताओं से अपनी बोलियां सामने रखने को कहा था। चूंकि बोलीकर्ताओं को कुछ शर्तें पसंद नहीं थीं, इसलिए सरकार ने अक्टूबर में इन धाराओं में परिवर्तन कर एयर इंडिया के कर्ज को नए निवेशक को हस्तांतरित करने का फैसला किया। इससे बोलीकर्ताओं को यह समझने का मौका मिला कि वे कितना कर्ज स्वीकार कर सकते हैं। बोली की 18,000 करोड़ की धनराशि में से सरकार को 2,700 करोड़ रुपये नकद मिलेंगे तथा बाकी की धनराशि कर्ज के रूप में नए उद्यम को सौंपी जाएगी। इसके साथ ही एयर इंडिया के पूरे 100 प्रतिशत शेयर तथा एयर इंडिया एक्सप्रेस लिमिटेड-एआईएक्सएल के शेयर नए स्वामी को मिल जाएंगे जिनमें एआईसैट्स के 50 प्रतिशत ग्राउंड हैंडलिंग संयुक्त उद्यम भी शामिल हैं। सरकार बाकी 46,262 करोड़ का कर्ज स्वयं स्वीकार करेगी जिसे उसके द्वारा गठित स्पेशल परपज़ वेहिकिल-एसपीवी एयर इंडिया असेट्स होल्डिंग लिमिटेड को हस्तांतरित किया जाएगा। 14,718 करोड़ की भूमि व इमारतों के रूप में गैर-कोर परिसंपत्तियों को भी एसपीवी को दिया जाएगा जिसमें टाटा से प्राप्त 2,700 करोड़ नकद भी है। इसे देखते हुए सरकार पर शुद्ध दायित्व 28,844 करोड़ रुपये रह जाएगा। 141 विमानों तथा 4,400 घरेलू व 1,800 अंतरराष्ट्रीय उड़ानों, घरेलू हवाईअड्डों पर पार्किंग स्थलों तथा विदेशों में 900 उड़ानों के साथ टाटा को एयर इंडिया, इंडियन एयरलाइन्स तथा महाराजा जैसे उल्लेखनीय ब्रांडों का स्वामित्व मिलेगा। टाटा संस का एयर एशिया में 84 प्रतिशत हिस्सा तथा बाजार हिस्से में 5.2 प्रतिशत अधिकार है। इसी प्रकार विस्तार में उसका 51 प्रतिशत हिस्सा तथा बाजार शेयर में 8.3 प्रतिशत हिस्सा है। एयर इंडिया की 13.2 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी के साथ अब टाटा का बाजार की 26.7 प्रतिशत हिस्सेदारी पर कब्जा हो गया है और वे इंडिगो के बाद दूसरे सबसे बड़े विमान संचालक बन गए हैं। 'महाराजा' का लोगो और दर्जा प्राप्त करने के सालों बाद एयर इंडिया की किस्मत खराब होने लगी थी और उसे भारी नुकसान होने लगा था। 2007 में घरेलू विमान कंपनी इंडियन एयरलाइन्स के विलय के बाद उसका घाटा लगातार बढ़ता गया। नागरिक उड्डयन मंत्रालय के अनुसार, 2009-10 से सरकार ने एयर इंडिया को सहायता देने के लिए इसमें 1.10 लाख करोड़ रुपये लगाए। 2019-20 के दौरान एयरलाइन को 8,743.59 करोड़ रुपये का संचालन घाटा हुआ।

2020-21 में एयर इंडिया ने 6,555.66 करोड़ रुपये के संचालन घाटे का अनुमान लगाया था। पहले टाटा एयर सर्विसेज़ के रूप में बनी एयर इंडिया को द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद एक सार्वजनिक कंपनी में बदल दिया गया और इसका नाम 1946 में एयर इंडिया लिमिटेड हो गया। मुंबई व काहिरा, जेनेवा, लंदन के बीच अंतरराष्ट्रीय सेवायें शुरू करने वाली एयर इंडिया इंटरनेशनल लिमिटेड का गठन 1948 में हुआ था। इसी वर्ष नेहरू सरकार ने कंपनी में 49 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीद ली थी। भारत ने सभी इंडियन एयरलाइनों का राष्ट्रीयकरण कर दो निगम बनाए जिनमें से एक घरेलू उड़ानों तथा दूसरा अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के लिए था।

जेआरडी टाटा नेहरू सरकार द्वारा 'पिछले दरवाजे' से एयर इंडिया के राष्ट्रीयकरण के निर्णय से दु:खी थे। उनको संदेह था कि एयरलाइन के बारे में जानबूझ कर दुष्प्रचार किया गया ताकि उसकी कीमत गिरने के बाद उसका अधिग्रहण किया जाए। यह बात जेआरडी टाटा द्वारा लिखे पत्रों से स्पष्ट होती है। उन्होंने नेहरू को एक तार भेजा था जिसमें कहा गया था, 'मैं केवल ऐसे महत्वपूर्ण कदम की निन्दा कर सकता हूं जिसे बिना मुझसे पूछे व समुचित सुनवाई के उठाया गया। टाटा स्टील के पूर्व सीईओ रूसी मोदी तथा मुझे तत्कालीन संचार मंत्री जगजीवन राम द्वारा केवल सरकार के इस निर्णय की सूचना देने के लिए बुलाया गया कि सरकार ने उद्योग के राष्ट्रीयकरण का निर्णय किया है। हालांकि, मैंने उनको बताया कि मैं इसके लिए तैयार था और मैंने वैकल्पिक योजना बना ली थी।

मेरे विचार से यह सरकार के लक्ष्य प्राप्त करने के लिए ज्यादा बेहतर थी। लेकिन मंत्री ने हमारी सलाह केवल मुआवजे आदि के बारे में मांगी।' टाटा 1978 तक एयर इंडिया के अध्यक्ष बने रहे, जब उनकी सेवाओं को एक झटके से तत्कालीन प्रधानमंत्री मोराजी देसाई ने समाप्त कर दिया था। देसाई ने सरकारी निर्णय के बारे में टाटा को एक कठोर पत्र भेजा था तथा पूर्व एयर चीफ मार्शल पी.सी. लाल को एयर इंडिया का अध्यक्ष बना दिया था।

आप की बात

शेयर बाजार का जोखिम

इन दिनों भारत में शेयर मार्केट में तेजी के सभी पुराने रिकॉर्ड ध्वस्त करते हुए नया उच्च स्तरों को छुआ हैइस साल भारतीय शेयर बाजार के मार्केट कैप में 37 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है और यह बढ़कर 3.46 लाख करोड़ डॉलर हो गया है। इसके बरक्स, ब्रिटिश शेयर बाजार के मार्केट कैप में नौ फीसदी की वृद्धि देखी गई है और उसकी पूंजीगत हैसियत 3.59 लाख करोड़ डॉलर है। हालांकि, महामारी के बाद भारतीय शेयर बाजार में भी गिरावट आई थी, लेकिन जल्द ही इसने रफ्तार पकड़ ली और पिछले महीने इसने पहली बार फ्रांस को पीछे छोड़ते हुए बाजार पूंजीकरण के मामले में छठा स्थान हासिल कर लिया। पूरे विश्व में भारत के शेयर मार्केट की भारी तेजी हैरान कर देने वाली है! मगर जिस देश में देश के कुल धन का 50 प्रतिशत हिस्सा मात्र 10 प्रतिशत आबादी के हाथ में हो तो ऐसे हालात बना बनाना वाजिब है, क्योंकि बैंकों में ब्याज बहुत कम हो गया है अन्य विकल्पों में धन डूबने कि रिस्क है! हमने शेयर मार्केट को क्रेश होते हुए भी देखा है! ऐसे में शेयर बाजार में निवेश और उसे से भारी मुनाफा लोगों को इसकी और आकर्षित कर रहा है! मगर यह दुधारी तलवार। है कमाना तो सभी को अच्छा लगता है मगर यह एक प्रकार का सट्टा ही है।

– **सुभाष बुढ़ानवाला**, रतलाम

समानता का अधिकार

भारत का संविधान सबको समानता का मौलिक अधिकार देता है। सभी के लिये नियम और कानून समान हैं। पीएम मोदी भी सबका साथ ,सबका विकास की अवधारणा के साथ लोगों के कल्याण के लिये योजनायें बना कर लागू करते हैं। केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान की बात ध्यान देने योग्य है। उन्होंने कहा देश में बहुसंख्यक- अल्पसंख्यक का वर्गीकरण नही होना चाहिए। सभी को समान अधिकार प्राप्त है। जबकि पड़ोसी देश में इस्लाम को न मानने वालों पर तमाम पाबंदियां लागू हैं। लोगों के साथ भेदभावपूर्ण व्यवहार किया जाता है। भारतीय सभ्यता और संस्कृति में धर्म के आधार पर भेदभाव की कोई अवधारणा नहीं है। भारतीय संविधान में एक भी ऐसा प्रावधान नहीं है जो धार्मिक सम्बन्ध में अल्पसंख्यकों के अधिकारों की बात करता हो। आरिफ खान की बात गौर तलब है और प्रेरक है। मैं अपने को गौरवशाली भारतीय नागरिक मानता हूं। जिसके पास अन्य नागरिकों जैसे ही समान अधिकार है। तमाम सभ्यताओं को धर्म, जाति, और भाषा द्वारा परिभाषित किया गया लेकिन भारतीय सभ्यता को किसी धर्म के आधार पर परिभाषित नहीं किया गया है।

– **कुलदीप मोहन त्रिवेदी,** जरगांव, उन्नाव

नैतिक जवाबदेही

इन दिनों उत्तर प्रदेश का लखीमपुर खीरी कांड भाजपा के गले की हड्डी बना हुआ है। मंत्री पुत्र के प्रेम में उलझी भाजपा भले ही फूंक-फूंक कर कदम उठा रही हो पर नैतिकता का तकाजा तो यही कहता है कि फिलहाल मंत्री जी को पदच्युत करना ही चाहिए जिससे चाहिए जिससे पार्टी का आदर्श आचरण नजरिया सार्थक साबित हो सके। उत्तर प्रदेश में किसानों को मंत्री पुत्र द्वारा रौंदे जाने के मामले में सियासत जारी है। विपक्ष हमलावर बना हुआ है तो भाजपा पर भी नैतिक दबाव है। राजनीति में शुचिता की बात करने वाली भाजपा के लिए यह परीक्षा की घड़ी भी है। विपक्ष को मिले मुद्दे से भाजपा बैकफुट पर अवश्य है मगर इसके चिंगारी बनने के पूर्व भाजपा को कठोर निर्णय लेना होगा। अगर राजनीति में नैतिकता की सीख दूसरों को दी जा सकती है तो सत्तारूढ़ दल को भी इस पर खुद अमल करना चाहिए। समय का तकाजा है कि मामले की जांच और उसकी वास्तविकता सामने आने तक मंत्री मिश्र को पद से हटा दिया जाना चाहिए, जिससे जांच प्रभावित न हो।

– **अमृतलाल मारू**, दसई, मप्र

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से
responsemail.hindipioneer@gmail.com
पर भी भेज सकते है।

फरमाया

हमें जो डर था वो सच साबित हो रहा है। पाक समर्थित तालिबान का अफगानिस्तान पर कब्जा होने के बाद कश्मीर में आतंकवाद बढ़ा है।

– **कैप्टन अमरिंदर सिंह**
पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री

नवंबर से अंतरराष्ट्रीय आगंतुक थाइलैंड में क्वारंटाइन हुए बगैर प्रवेश कर सकते हैं, यदि वे टीकाकृत हों और कम जोखिम वाले देशों से आए हों।

– **प्रयुत चान-ओ-चा**
थाइलैंड के प्रधानमंत्री

मोदी जी आप खामोश क्यों हैं? हम आपसे सहानुभूति का एक शब्द सुनना चाहते हैं, और यह काम कठिन नहीं लगना चाहिए।

– **कपिल सिब्बल**
कांग्रेस नेता

लंबे समय के बाद यूपी विधानसभा को मिलेगा उपाध्यक्ष

निर्वाचन प्रक्रिया शुरू, 18 को होगा चुनाव

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

यूपी में लंबे समय बाद विधान सभा उपाध्यक्ष पद के निर्वाचन की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। पिछली सपा और बसपा की पूर्ण बहुमत की सरकारों में इस पद के लिए निर्वाचन नहीं कराया गया था जबकि मौजूदा सत्तारूढ़ दल बीजेपी सरकार ने अपने कार्यकाल के अंतिम पड़ाव में विधान सभा उपाध्यक्ष पद के निर्वाचन की प्रक्रिया शुरू कर दी है। प्रमुख सचिव विधान सभा प्रदीप दुबे ने बुधवार को इस संबन्ध में अधिसूचना जारी करते हुए स्पष्ट किया है कि विधान सभा अध्यक्ष ने सत्रहवीं विधान सभा के उपाध्यक्ष के निर्वाचन के लिए 18 अक्टूबर की तिथि निर्धारित की है। उक्त निर्वाचन 18 अक्टूबर को पूर्वाह्न 11 बजे विधान सभा मण्डप में होगा। विधान सभा का कोई भी सदस्य 17 अक्टूबर के पूर्वाह्न 11 बजे से अपराह्न 1 बजे तक उक्त निर्वाचन के लिए किसी दूसरे सदस्य के नाम-निर्देशन

के लिए एक नाम, निर्देशन पत्र भरकर प्रमुख सचिव विधान सभा को प्रस्तुत कर सकेंगे। नामांकन पत्र प्रमुख सचिव विधान सभा के कार्यालय कक्ष से प्राप्त किये जा सकते हैं। विधान सभा सूत्रों की मानें तो सपा सदस्य नितिन अग्रवाल ने उपाध्यक्ष पद के नामांकन के लिए पर्चा संसदीय अनुभाग से प्राप्त कर लिया है।

तकनीकी रूप से नितिन अग्रवाल इस समय सपा के ही सदस्य माने जाएंगे क्योंकि नितिन अग्रवाल की सदस्यता समाप्ति की याचिका जो कि सपा द्वारा विधान सभा अध्यक्ष हृदय नारायण दीक्षित के यहां दाखिल की गई थी उसे स्पीकर ने पिछले दिनों खारिज कर दिया है। उधर सपा भाजपा समर्थित नितिन अग्रवाल का विरोध कर सकती है। हालांकि इसका निर्णय सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव करेंगे। उधर भाजपा ने पार्टी के सभी विधायकों को सोमवार को लखनऊ बुलाया है। हरदोई से सपा विधायक नितिन अग्रवाल के पिता नरेश अग्रवाल भाजपा में शामिल हो चुके हैं। 2018 में हुए राज्यसभा चुनाव में नितिन ने भाजपा प्रत्याशी के पक्ष में वोटिंग की थी। सूत्रों की मानें तो नितिन के खिलाफ सपा की ओर से दाखिल दलबदल याचिका को जिस तरह खारिज किया गया और फिर विधानसभा उपाध्यक्ष बनाने का दांव चला गया है यह बीजेपी की प्रमुख विपक्षी दल सपा पर मनोवैज्ञाकि रूप से दबाव बनाने की रणनीति है। ऐसे में सपा अपना उम्मीदवार उतार सकती है। हालांकि विधानसभा में दो तिहाई बहुमत होने से सत्ताधारी दल अपना उपाध्यक्ष जिताने को लेकर निश्चित हैं। विधानसभा उपाध्यक्ष का पद परंपरा के अनुसार विपक्ष के हिस्से का माना जाता है लेकिन भाजपा की ओर से जिस तरह सपा विधायक नितिन अग्रवाल का नाम चर्चा में आया है सपा उस पर अपनी सहमति देगी इसमें संशय है। ऐसे में चुनाव को लेकर विपक्ष की भूमिका अहम होगी। ऐसे में माना जा रहा है कि नितिन अग्रवाल के नामांकन पत्र में प्रस्तावक के रूप में बसपा और कांग्रेस के बागी विधायकों की मदद ली जाएगी। सूत्रों की मानें तो सदन में सत्ताधारी दल का दो तिहाई बहुमत होने से विपक्ष नितिन की जीत सुनिश्चित मानकर सत्र का बहिष्कार भी कर सकता है। यदि विपक्ष विरोध की रणनीति पर आगे बढ़ा तो चुनाव हो सकता है। ऐसी स्थिति में विधानसभा के अंदर चुनाव की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। इसी बीच रविवार 17 अक्टूबर को विधान सभा अध्यक्ष ने कार्य मंत्रणा की बैठक भी बुलाई है।

भाजपा ने आगामी विधानसभा चुनाव के मद्देनजर वैश्य मतदाताओं पर मजबूत पकड़ के लिए यह रणनीति बनाई है। सूत्रों का कहना है कि 2019 के लोकसभा चुनाव से पहले नरेश अग्रवाल ने भाजपा की सदस्यता ली थी। लोकसभा चुनाव में नरेश अग्रवाल का लाभ बीजेपी को हरदोई और उसके आस-पास की विधान सभा सीटों पर हुआ था लेकिन तब से अभी तक बीजेपी ने नितिन अग्रवाल का कही समायोजन नहीं किया है। पूर्व वित्त मंत्री राजेश अग्रवाल को योगी मंत्रिमंडल से हटाकर पार्टी का राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष बनाया गया है। ऐसे में नितिन को उपाध्यक्ष बनाने से वैश्य वर्ग में अच्छा संदेश तो जाएगा ही पार्टी को वैश्य वर्ग में युवा चेहरा भी मिलेगा।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को गोरखपुर में काली बाड़ी मन्दिर के सौन्दर्यीकरण कार्य का लोकार्पण किया और पूजा अर्चना की।

राज्यपाल ने दुर्गा पूजा व विजयादशमी पर्व पर दी बधाई

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने दुर्गा पूजा एवं विजय दशमी पर्व पर सभी प्रदेशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए उनके सुख समृद्धि की कामना की है। राज्यपाल ने अपने बधाई संदेश में कहा है कि दुर्गा पूजा एवं दशहरा का पर्व हम सभी को असत्य पर सत्य की तथा अन्याय पर न्याय की विजय का सन्देश देता है। सभी लोगों को पर्वों को आपसी प्रेम और सौहार्द से मनाते हुए समाज में व्याप्त बुराइयों एवं कुरीतियों का परित्याग करना चाहिए। आनंदीबेन पटेल ने कहा कि सभी लोग कोविड.19 के प्रोटोकॉल को दृष्टिगत रखते हुए पर्व का उत्सव मनाये।

अघोषित बिजली कटौती से बढ़ता ही जा रहा है जनता का संकटः नसीमुद्दीन

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के मीडिया विभाग के चेयरमैन एवं पूर्व मंत्री नसीमुद्दीन सिद्दीकी ने कहा है कि सरकार की यह नैतिक जिम्मेदारी है कि वह तत्काल स्थिति की समीक्षा कर कोयले की व्यवस्था करे। जिससे प्रदेश को इस संकट से बचाते हुए महंगी बिजली की मार से बचाया जा सके। सिद्दीकी ने कहा कि उत्तर प्रदेश में कोयले की बढ़ती कमी एवं बढ़ते अघोषित बिजली कटौती से उत्तर प्रदेश की जनता का संकट बढ़ता जा रहा है। देश में सर्वाधिक मंहगी बिजली उत्तर प्रदेश में है तथा प्रदेश पहले से ही बिजली संकट से जूझ रहा था। कोयले की आपूर्ति में मौजूदा कमी से बिजली के दाम और बढ़ने की प्रबल संभावना है, साथ ही साथ बिजली की भारी कमी से भी प्रदेश को जूझना पड़ेगा। चंद उद्योगपति मित्रों की मद्दगार अनुभवहीन सरकार एवं उसके भ्रष्ट आचरण ने इस संकट को बढ़ाने का काम किया है। बिजली उत्पादन संयत्रों को चलाने के लिए कोयले की आधारभूत आवश्यकता से कोई सरकार अनभिज्ञ नहीं हो सकती। इसके बावजूद कोयले की कमी होना समझ से परे है। यह जांच का विषय है कि कहीं यह कमी जानबूझकर तो नहीं की गयी है। सिद्दीकी ने उत्तर प्रदेश सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि यह कितना हास्यास्पद एवं आपत्तिजनक है कि एक तरफतो सरकार उत्पादन निगम के कई पावर प्लाटों के कोयले का बकाया भुगतान नहीं कर रही है, वहीं दूसरी तरफबिजली के घोर संकट को दूर करने की कोशिश में 15 से 20 रुपये प्रति यूनिट की दर से बिजली खरीद कर प्रदेश के पैसे के लुटाया जा रहा है।

योगी सरकार के बुलडोजर से सपा को सर्वाधिक पीड़ा:स्वतंत्र देव सिंह

- सपा गुंडों व माफिया को हवाई सैर कराती थी, योगी सरकार खिला रही जेल की हवा

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह ने कहा योगी सरकार का बुलडोजर जिन अपराधियों और माफिया पर चल रहा है इन लोगों की 2017 से पहले समानांतर सरकार चल रही थी। इन माफिया तत्वों ने गरीबों की जमीनों पर कब्जा करके अपनी कोठियां खड़ी कर ली थीं। उन्होंने कहा अब जब योगी सरकार उनसे अवैध कब्जे वापस लेकर गरीबों को आवास बना रही तो अखिलेश यादव को तकलीफहो रही है। स्वतंत्र देव सिंह ने कहा कि माफिया पर बुलडोजर चलने से सर्वाधिक पीड़ा सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव को हो रही है। सपा राज में गुंडो और माफिया को हवाई जहाज में सैर करायी जा रही थी। अपराध और गुंडागर्दी की खुली छूट मिलती थी, योगी सरकार उन्हें जेल की हवा खिला रही है। संगठित अपराध से अर्जित उनकी अवैध संपत्तियों पर बुलडोजर चला रही है तो अखिलेश का दुखी होना स्वाभाविक है। भाजपा अध्यक्ष ने कहा यह आश्चर्य और दुख दोनों का ही विषय है कि योगी सरकार द्वारा संगठित अपराध के खिलाफ कार्रवाई की आम जनता तो खुले दिल से स्वागत कर रही है लेकिन सपा अध्यक्ष के लिए सर्वाधिक पीड़ा का कारण है। जाहिर है ये सभी अपराधी सपा से जुड़े रहे हैं। उन्होंने कहा कि सपा मुखिया को याद रखना चाहिए कि उनका सत्ता से बाहर होने का एक मुख्य कारण गुंडागर्दी और अपराधियों को प्रश्रय देना रहा है। उन्होंने कहा कि उससे भी चौंका देने वाली बात यह है कि जो व्यक्ति स्वयं मुख्यमंत्री रह चुका हो, वह अपराधियों और माफिया के खिलाफ कार्रवाई का खुलेआम विरोध कर रहा है इससे सपा का चरित्र और मजबूरी दोनों ही सबके सामने है। इस विरोध से सपा प्रमुख ने पुष्ट कर दिया है कि उनकी पार्टी क्यों अपराधी और अपराध का पर्याय समझी जाती रही है। स्वतंत्र देव सिंह ने कहा कि लंबे समय बाद महल से फाइव स्टार रथयात्रा से निकले सपा प्रमुख योगी सरकार का जमीनी विकास देखकर हवाई वादे पर उतर आये हैं।

धर्मातरण मामलाः चार और मुल्जिमों के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल

विधि सवांददाता। लखनऊ

धर्मांतरण के मामले में निरुद्ध मुल्जिम प्रकाश रामेश्वर कावड़े उर्फ आदम, कौशर आलम, भुप्रिय बन्दो उर्फअर्सलान मुस्तफा व फराज शाह के खिलाफबुधवार को एटीएस ने विशेष अदालत में आरोप पत्र दाखिल कर दिया। एटीएस ने इन सभी के खिलाफ आईपीसी की धारा 417, 120बी, 153ए, 153बी, 295 व धारा 298 के साथ ही उप्र विधि विरुद्ध धर्म संपरिवर्तन प्रतिषेध अधिनियम, 2021 की धारा 3/5/8 में आरोप पत्र दाखिल किया है। इस अधिनियम के तहत यह दूसरा आरोप पत्र दाखिल हुआ है। अदालत में यह आरोप पत्र इस मामले के विवेचक व एटीएस के निरीक्षक चैम्पियन लाल ने दाखिल किया है। विशेष अदालत में आरोप पत्र पर संज्ञान के मसले पर सुनवाई अभी बाकी है।

एटीएस ने इस मामले में अब तक 16 मुल्जिमों को देश के विभिन्न इलाकों से गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में जेल भेजा है। इनमें मुल्जिम मो. उमर गौतम, मुफ्ती काजी जहॉगीर आलम कासमी, इरफान शेख उर्फ इरफान खान, राहुल भोला उर्फ राहुल अहमद, मन्नू यादव उर्फ अब्दुल मन्नान व सलाहुद्दीन जैनुद्दीन शेख के खिलाफपहले ही आरोप पत्र दाखिल हो चुका है। जबकि अन्य के खिलाफ विवेचना अभी जारी है। विशेष अदालत में दाखिल आरोप पत्र के मुताबिक मुल्जिमों द्वारा एक साजिश के तहत धार्मिक उन्माद, विद्वेष तथा नफरत फैलाकर देशव्यापी अवैध धर्मातंरण गिरोह का संचालन किया जा रहा था। इनके तार अंतराष्ट्रीय स्तर पर भी जुड़े हैं। इसके लिए इन्हें विदेशों से हवाला के जरिए रकम भेजी जा रही थी। इनके द्वारा आर्थिक रुप से कमजोर महिलाओं व दिव्यांगजनों को बहला फुसलाकर व अनुचित दबाव डालकर एक आर्गनिक मैकेनिज्म के तहत जनसंख्या संतुलन बदलने के लिए बड़े पैमाने पर धर्मातंरण किया जा रहा था। ये धर्म विशेष के लोगों को मृत्यु के बाद की दुनिया में जहन्नुम की आग जैसी अवधारणाओं का हवाला देकर भयभीत भी करते थे। इनका उद्देश्य देश में शरीयत आधारित सरकार की व्यवस्था कायम करना था।

मनीष गुप्ता हत्याकांड में आरोपी एक लाख का इनामी हेड कांस्टेबल गिरफ्तार

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

कानपुर के प्रापर्टी डीलर मनीष गुप्ता की गोरखपुर में हुई हत्या के मामले में पांचवे आरोपी हेड कांस्टेबल कमलेश यादव को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। कमलेश को गोरखपुर की कैंट पुलिस ने कचहरी के पास से उस वक्त गिरफ्तार कर लिया जब वह सरेंडर करने कोर्ट में जा रहा था। प्रदेश के अपर पुलिस महानिदेशक कानून एवं व्यवस्था प्रशांत कुमार ने बताया कि कारोबारी मनीष गुप्ता हत्याकांड मामले के आरोपी हेड कॉन्स्टेबल कमलेश यादव को गोरखपुर में गिरफ्तार कर लिया गया। वह अदालत में आत्मसमर्पण करने जा रहा था। मंगलवार को पुलिस ने मामले के आरोपी दारोगा राहुल दुबे और कॉन्स्टेबल प्रशांत कुमार को गिरफ्तार किया था। वहीं पिछले रविवार को आरोपी निरीक्षक जेएन सिंह और उपनिरीक्षक अक्षय मिश्रा को गिरफ्तार किया गया था। गौरतलब है कि पिछले महीने गोरखपुर के एक होटल में तलाशी के दौरान कथित रूप से पुलिस कर्मियों द्वारा बर्बरतापूर्ण पिटाई किए जाने से कानपुर निवासी 36 वर्षीय प्रॉपर्टी डीलर मनीष गुप्ता की मौत हो गई थी। इस मामले में आरोपी छह पुलिसकर्मियों को निलंबित करके उनके खिलाफहत्या का मुकदमा दर्ज किया गया था। सभी पर पहले 25-25 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया था। बाद में उसे बढ़ाकर एक.एक लाख रुपये कर दिया गया। पुलिस अब तक छह आरोपी पुलिसकर्मियों में से 5 को गिरफ्तार कर चुकी है। एक अन्य आरोपी उपनिरीक्षक विजय यादव की गिरफ्तारी के प्रयास जारी हैं।

बुन्देलखण्ड एक्सप्रेसवे का 73 प्रतिशत से अधिक कार्य पूरा

- यूपीडा के सीईओ ने की बुन्देलखण्ड एक्सप्रेसवे की समीक्षा, टोल प्लाजा व टॉयलेट ब्लॉक्स के निर्माण में तेजी लाने के दिए निर्देश

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

यूपीडा के मुख्य कार्यपालक अधिकारी अवनीश कुमार अवस्थी ने बुंदेलखण्ड एक्सप्रेसवे के निर्माण कार्य की वीडियो कान्फ्रेसिंग के माध्यम से समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि आरओबी तथा आरई पैनल निर्माण के काम में तेजी लाने के साथ स्ट्रक्चर्स से संबंधित काम में शीघ्रता लाई जाए। उन्होंने टोल प्लाजा व टॉयलेट ब्लॉक्स के निर्माण के काम में भी तेजी लाने के निर्देश देते हुए यह भी कहा कि शेष बचे मिट्टी का कार्य तेजी से खत्म किया जाए। श्री अवस्थी ने परियोजना के अन्तर्गत पड़ने वाले शेष बचे यूटिलिटी शिफ्टिंग के कार्यो को भी शीघ्रता से किए जाने के लिए निर्देशित किया। बुंदेलखण्ड एक्सप्रेसवे का निर्माण तीव्र गति से चल रहा है। रिकॉर्ड समय में अब तक कुल 221 किमी लंबाई में बिटुमिनस स्तर का कार्य पूरा किया जा चुका है यानि कि इतनी सड़क पूर्णतः बनकर तैयार हो चुकी है। परियोजना का अब तक लगभग 73 प्रतिशत से अधिक भौतिक कार्य सम्पन्न हो चुका है। एक्सप्रेसवे पर पड़ने वाले यमुना और बेतवा नदी पर पुलों का तीव्र गति से निर्माण चल रहा है। यूपीडा द्वारा बुन्देलखण्ड एक्सप्रेसवे में अब तक क्लीयरिंग एण्ड ग्रबिंग का कार्य 100 प्रतिशत और मिट्टी का कार्य 96 प्रतिशत से अधिक पूर्ण कर लिया गया है। कुल 882 में से 749 स्ट्रक्चर्स यानि 85 प्रतिशत से अधिक का कार्य भी पूरा किया जा चुका है। परियोजना की वर्तमान प्रगति में 93.43 प्रतिशत सबग्रेड स्तर तक का कार्य, 92.17 प्रतिशत जीएसबी स्तर का कार्य, 86.65 प्रतिशत डब्लूएमएम का कार्य पूर्ण हो गया है। दीर्घ सेतुओं के निर्माण के लिए सभी 1465 पाइल का कार्य पूर्ण किया जा चुका है। परियोजना के सभी 14 दीर्घ सेतुओं एवं 4 रेलवे ओवर ब्रिज का कार्य प्रगति पर है।

उत्पीड़न की शिकार महिलाओं की संवरने लगी जिन्दगी

- मिशन शक्ति का दिखने लगा असर

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

घरेलू उत्पीड़न, एसिड अटैक और शोषण का शिकार हुई महिलाओं को रोजगार की मुख्यधारा से जोड़ने की रणनीति असर दिखाने लगी है। प्रदेश में चलाए जा रहे मिशन शक्ति अभियान और योजनाओं से महिलाओं और बेटियों को मदद मिल रही है। उत्पीड़न का शिकार हुई महिलाओं की जिन्दगी को संवारने के लिए महिला एवं बाल विकास विभाग की ओर से बालगृहों में मिशन शक्ति के तहत प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। जिससे नारी निकेतनए बालगृहों में आश्रित महिलाएं व किशोरियां रोजगार की मुख्यधारा से जुड़ रहीं हैं।

महिलाओं व बेटियों की सुरक्षाए सम्मान और स्वावलंबन के लिए प्रतिबद्ध योगी सरकार की स्वर्णिम योजनाएं पीड़ित महिलाओं की जिंदगी को संवार रही हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के वृहद् अभियान मिशन शक्ति के जरिए महिलाओं व बेटियों के कदम विकास पथ की ओर बढ़ रहे हैं। पीड़ित महिलाओं को स्वावलंबी बनाने के उद्देश्य से वन स्टॉप सेंटर के जरिए शोषण का शिकार हुई महिलाओं की काउंसलिंग कर उनको रोजगार से जोड़ा जा रहा है। लखनऊ के वन स्टॉप सेंटर से अब तक लगभग 500 से अधिक शोषण का शिकार हुई महिलाओं व किशोरियों को मदद दी जा चुकी है। लाभार्थिनी छाया ने बताया सेंटर के जरिए मुझे मदद मिली। सेंटर में कांउसलिंग के बाद मुझे मेरी रूचि के अनुसार प्रोफेशनल कोर्स करने के लिए प्रेरित किया गया। जिसके बाद मैंने बैंगलोर से होटल मैनेजमेंट का कोर्स किया और आज आगरा के एक नामचीन होटल में जॉब कर रही हूं। घरेलू उत्पीड़न का शिकार हुई सुमित्रा ने बताया कि वन स्टॉप सेंटर से मुझे काफी मदद मिली है। काउंसलिंग के बाद मुझे रेस्क्यू टीम में नियुक्त किया गया आज मैं अपनी जैसी तमाम महिलाओं की मदद कर पा रही हूं।

वन स्टॉप सेंटर की इंचार्ज अर्चना सिंह ने बताया कि महिलाओं व बेटियों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में योगी सरकार की योजनाएं कारगर साबित हो रही हैं। प्रदेश के सभी जनपदों में संचालित सखी सेंटर से पीड़िताओं को सशक्त बनाया जा रहा है।

सावरकर को लेकर गलत बयानबाजी के लिए देश से माफी मांगें रक्षा मंत्रीः कांग्रेस

लखनऊ। कांग्रेस पार्टी ने सावरकर के माफीनामे के सम्बन्ध में रक्षामंत्री राजनाथ सिंह द्वारा दिये गये बयान को झूठा बताते हुए कहा कि सावरकर ने अंग्रेजों से माफी मांगना 1911 में आरंभ किया था और राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने अंग्रेजों की कैद में बंद सभी कैदियों की रिहाई की मांग 1920 में की थी। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता डा. उमा शंकर पाण्डेय ने कहां की संवैधानिक पदों पर बैठे हुए व्यक्तियों द्वारा गलत तथ्यों के माध्यम से इतिहास को प्रस्तुत करने से इतिहास बदलते नहीं है। देश के सामने सही इतिहास, वास्तविक स्वरूप में ही आना चाहिए और सच यह है कि सावरकर ने अंग्रेजों की कैद से रिहाई के लिए माफी मांगना महात्मा गांधी जी के 1915 में दक्षिण अफ्रीका से भारत वापसी के पहले ही आरंभ कर दिया था। कलेक्टेड वर्क ऑफमहात्मा गांधी के वाल्यूम 20 के खण्ड 20 के पृष्ठ संख्या 369-371 से यह स्पष्ट है कि महात्मा गांधी ने उक्त मांग 26 मई 1920 को एक लेख के माध्यम से किया था। सावरकर के प्रिय लेखक विक्रम संपथ की ही किताब का संज्ञान लिया जाए तो भी यह स्पष्ट होता है कि सावरकर ने पहली माफी 14 नवम्बर 1913 को मांगी थी जो कि गांधी जी की अपील से सात साल पहले की घटना है।

अखिलेश-शिवपाल की राहें जुदा होने से दुविधा में मुसलमान वोटर

यूपी की 147 विधासभा सीटों पर मुसलमान मतदाता तय करता है हार-जीत

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

समाजवादी पार्टी के संस्थापक मुलायम सिंह यादव के बेटे अखिलेश यादव और उनके भाई शिवपाल सिंह यादव के बीच छिड़े घमासान ने उत्तर प्रदेश के मुसलमानों को दुविधा में ड़ाल दिया है। इस घमासान के चलते सूबे के सबसे बड़े राजनीतिक परिवार के अखिलेश यादव और शिवपाल सिंह यादव चुनावी समर में अपने को बड़ा साबित करने के लिए अलग - अलग रथयात्रा निकाल रहे हैं। जिसके तहत ही मंगलवार को शिवपाल सिंह यादव ने मथुरा से सामाजिक परिवर्तन रथयात्रा और अखिलेश यादव ने कानपुर से समाजवादी विजय रथयात्रा की शुरुआत की। वही दूसरी तरफसपा से जुड़े मुस्लिम समाज के लोग यह तय नहीं कर पा रहे हैं कि इस दोनों के बीच छिड़े घमासान को लेकर आखिर वह करें तो क्या करें।

फ़िलहाल सपा के पारम्परिक कहे जाने वाले इस वोट बैंक में फैली सियासी अनिश्चितता ने बहुजन समाज पार्टी सहित अन्य दलों की बांछें खिला दी हैं। ये राजनीतिक दल सपा के पारम्परिक वोट बैंक में सेंधमारी की जुगत में लग गए हैं। सपा कुनबे में मचे घमासान के चलते मुस्लिम समाज में फ़ैली अनिश्चितता का लाभ उठाने के लिए बसपा नेताओं ने बड़ी संख्या में मुस्लिम प्रत्याशियों को टिकट देने की तैयारी की है। ओवैसी भी सपा से खफा मुस्लिम नेताओं को अपने साथ जोड़ने की जुगत में लग गए हैं। समाजवादी पार्टी की राजनीति पर नजर रखने वाले राजनीतिक समीक्षकों का कहना है कि अखिलेश और शिवपाल के बीच घमासान का नुकसान फिर अखिलेश को उठाना पड़ सकता है। इसलिए अखिलेश यादव को अपने चाचा से संघर्ष करने के बजाए उनके साथ चुनावी गठबंधन करना चाहिए। अखिलेश जब ओम प्रकाश राजभर से चुनावी गठबंधन के लिए वार्ता कर रहे हैं तो फिर उन्हें शिवपाल से परहेज क्यों हैं, ये सवाल करने वाले राजनीतिक समीक्षक कहते हैं कि यादव और मुस्लिम समाज चाहता है कि अखिलेश यादव अपने चाचा के साथ अपने रिश्ते ठीक करें वरना मुस्लिम समाज सपा से दूरी बना लेगा।

उत्तर प्रदेश की 403 विधान सभा सीटों में से 147 ऐसी हैं जहां मुसलमान मतदाता हार जीत का फैसला करने की सियासी कुव्वत रखता है। इस वोटबैंक के भरोसे ही सपा राज्य बड़ी राजनीतिक ताकत बनी है। सूबे के जातीय आंकड़ों के अनुसार, रामपुर में सबसे अधिक मस्लिम मतदाता हैं। रामपुर में जहां मुसलमान मतदाताओं का प्रतिशत 42 है। मुरादाबाद में 40, बिजनौर में 38, अमरोहा में 37, सहारनपुर में 38, मेरठ में 30, कैराना में 29, बलरामपुर और बरेली में 28, संभल, पडरौना और मुजफ्फरनगर में 27, डुमरियागंज में 26 और लखनऊ, बहराइच व कैराना में मुसलमान मतदाता 23 प्रतिशत हैं। इनके अलावा शाहजहांपुर, खुर्जा, बुलन्दशहर, खलीलाबाद, सीतापुर, अलीगढ़, आंवला, आगरा, गोंडा, अकबरपुर, बागपत और लखीमपुर में मुस्लिम मतदाता कम से कम 17 प्रतिशत है। उक्त जिलों में निर्णायक भूमिका में होने के बाद भी बीते विधानसभा चुनाव में शिवपाल सिंह यादव से हुए आंतरिक संघर्ष के चलते सपा 47 सीटों पर ही सिमट गई थी। इसके बाद भी सपा मुखिया अखिलेश यादव ने कोई सबक नहीं सीखा और शिवपाल सिंह यादव के साथ गठबंधन नहीं किया। जबकि शिवपाल सिंह ने हर मंच से यह कहा कि वह सपा से गठबंधन चाहते हैं लेकिन अखिलेश यादव ने उनकी तरफ दोस्ती का हाथ नहीं बढ़ाया।

यह जानते हुए कि इटावा, मैनपुरी, फिरोजाबाद, एटा, बदायूं, कन्नौज, फर्रुखाबाद, कानपुर देहात, आजमगढ़, गाजीपुर, जौनपुर, बलिया आदि जिलों में शिवपाल सिंह यादव का प्रभाव है, उक्त जिलों के यादव और मुस्लिम समाज के लोग शिवपाल सिंह यादव को मानते हैं फिर भी अखिलेश यादव ने शिवपाल से दूरी बनाए रखी तो अब शिवपाल सिंह यादव ने भी अपनी ताकत का अहसास कराने के लिए रथयात्रा शुरू कर दी। अब मुलायम सिंह यादव कुनबे के अखिलेश यादव और शिवपाल यादव के अलग-अलग रथयात्रा निकालने से मुस्लिम समाज असमंजस में हैं अब वह यह तय नहीं कर पा रहा है कि ऐन चुनाव के समय वह अपना नया सियासी मसीहा कहां से खोज के लाए।

31 को पटेल जयंती पर रालोद का जारी होगा लोक संकल्प पत्र

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

राष्ट्रीय लोकदल के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी जयंत सिंह 31 अक्टूबर को लौहपुरुष सरदार बल्लभ भाई पटेल की जयंती पर पार्टी का लोक संकल्प पत्र लखनऊ में जारी करेंगे। बुधवार को यह जानकारी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव त्रिलोक त्यागी ने प्रदेश मुख्यालय पर दी है। राष्ट्रीय महासचिव त्रिलोक त्यागी ने कहा कि 2022 में हम भाईचारा सम्मेलन और किसान रैलियों के माध्यम से जनता के बीच जा रहे हैं और जनता का भारी समर्थन राष्ट्रीय लोकदल के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौ जयंत सिंह को मिल रहा है। आगामी 15 अक्टूबर को राष्ट्रीय अध्यक्ष चौ जयंत सिंह अपने मजबूत इरादे के साथ एक एप लान्च करेंगे। इस एप के जरिए देश में पहली ऑगमेंटेड रियलिटी टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करके घोषणा पत्र तैयार करने वाली और सीधे जनता से सुझाव लेने वाली इकलौती पार्टी राष्ट्रीय लोकदल होगी। उन्होंने कहा कि जनता योगी राज में प्रत्येक दृष्टि से त्रस्त है और उसने निश्चय कर लिया है कि आगामी सरकार किसानो, मजदूरों, मजलूमों और कामगारों के साथ साथ छात्रों और बेरोजगारों की होगी। यह कहना अतिशयोक्ति न होगा कि वर्ष 2022 से किसान मसीहा चौ चरण सिंह के सपनों का भारत बनाने की नींव उत्तर प्रदेश से पड़ेगी।

राष्ट्रीय सुरक्षा के विषयों पर राजनीतिक दलों में कोई मतभेद नहीं हो सकता: शरद पवार

भाषा । मुंबई

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष शरद पवार ने चीन और भारत की सेनाओं के बीच गतिरोध को समाप्त करने में वार्ता के विफल रहने और जम्मू कश्मीर में हाल में घटी हिंसा की घटनाओं पर बुधवार को चिंता जताई, लेकिन कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े विषयों पर राजनीतिक दलों के बीच कोई मतभेद नहीं हो सकता। पवार ने यहां संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि रक्षा मंत्रालय ने उन्हें और कांग्रेस नेता ए के एंटनी को लद्दाख के हालात के बारे में जानकारी दी है। उन्होंने कहा, एक तरफ चीन के साथ हमारी वार्ता सफल नहीं रही, वहीं दूसरी तरफ, चीन के साथ बातचीत के एक दिन बाद पुंछ में सेना के पांच कर्मी शहीद हो गए। ऐसा बार-बार हो रहा है, इसलिए चिंता का कारण है।

दोनों पूर्व रक्षा मंत्रियों पवार और एंटनी को रक्षा मंत्रालय ने जुलाई में लद्दाख के हालात के बारे में अवगत कराया था। पवार ने बताया कि इस बैठक में सेना प्रमुख जनरल एम एम नरवणे भी मौजूद थे। पवार ने कहा, जानकारी मिलने के बाद हम इस नतीजे पर पहुंचे कि राजनीतिक भेद हो सकते हैं लेकिन इस (राष्ट्रीय सुरक्षा) पर मतभेद नहीं हो सकते। रक्षा मंत्री जो भी रुख अपनाएंगे, हमारा भी वही रुख रहेगा। यह हमारी प्रतिबद्धता है।

पूर्वी लद्दाख में टकराव के बाकी बिंदुओं पर 17 महीने से जारी गतिरोध के समाधान के लिए भारत और चीन सेनाओं की हालिया वार्ता में कोई नतीजा नहीं निकला। भारतीय सेना ने सोमवार को कहा कि सैन्य वार्ता के ताजा दौर में उसने सकारात्मक सुझाव दिए थे लेकिन चीनी पक्ष न तो इन पर सहमत दिखा और ना ही बीजिंग ने आगे का रास्ता दिखाने वाला कोई प्रस्ताव रखा। जम्मू कश्मीर के अनेक जिलों में सोमवार को मुठभेड़ की तीन घटनाओं में एक जूनियर कमीशन्ड अधिकारी (जेसीओ) समेत पांच सैनिक शहीद हो गए और दो आतंकवादी मारे गए। पवार ने कहा, हम दिल्ली जाकर बातचीत करेंगे और देखेंगे कि क्या सामूहिक रुख अपनाया जा सकता है और लोगों को इस बारे में अवगत कराया जा सकता है। हालांकि इसका यह मतलब नहीं है कि चिंता की कोई बात है।

तमिलनाडु निकाय चुनाव: द्रमुक ने जीत का सिलसिला बरकरार रखा

चेन्नई। तमिलनाडु में सत्तारूढ़ पार्टी द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) ने नवगठित नौ जिलों के द्विस्तरीय स्थानीय निकाय चुनावों में जीत दर्ज कर अन्नाद्रमुक को एक और झटका दिया है। इस पहले द्रमुक ने गत छह अप्रैल को हुए विधानसभा चुनाव में जीत दर्ज की थी और अब स्थानीय निकाय चुनाव में विजई होकर जीत का सिलसिला बरकरार रखा है। अपनी पार्टी को एक बार फिर शानदार जीत दिलाने में कामयाब रहे मुख्यमंत्री एवं द्रमुक अध्यक्ष एम के स्टालिन ने बुधवार को एक बयान में कहा कि स्थानीय निकाय चुनाव नतीजों ने राज्य में सत्तारूढ़ द्रमुक के पांच माह के कार्यकाल में किए गए विकास कार्यों पर मुहर लगा दी है। इस बीच, विपक्षी दल अन्नाद्रमुक ने सत्तारूढ़ दल पर स्थानीय निकाय चुनाव में हिंसा का सहारा लेकर पिछले दरवाजे से जीत दर्ज करने का आरोप लगाया। स्थानीय निकाय चुनाव के लिए दो चरणों में छह और नौ अक्टूबर को मतदान हुआ था। दो चरणों के मतदान की मतगणना मंगलवार को शुरू हुई थी जिसमें द्रमुक ने बढ़त लेते हुए बहुमत प्राप्त किया। छह अक्टूबर को 39 यूनियन में मतदान हुआ था, जबकि शेष 35 यूनियन में नौ अक्टूबर को कांचीपुरम, चेंगलपट्टू, वेल्लोर, रानीपेट, तिरुपथुर, विल्लुपुरम, कल्लाकुरिची, तिरुनेलवेली और तेनकासी जिलों में मतदान हुआ।

किच्छा में किसानों ने किया मुख्यमंत्री धामी का विरोध

किच्छा। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को बुधवार को अपने गृह जनपद ऊधमसिंह नगर के किच्छा में किसानों के ज़बरदस्त विरोध का सामना करना पड़ा। मुख्यमंत्री धामी अपने भाजपा विधायक मित्र राजेश शुक्ला के जन्मदिन पर 105 करोड़ रुपए की विकास योजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास करने किच्छा पहुंचे थे। आक्रोशित किसानों के गुस्से ओर विरोध की आशंका के मद्देनजर यहां भारी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया था। पुलिस ने मुख्यमंत्री का विरोध करने पहुंचे कई किसानों को हिरासत में भी लिया और इस दौरान पुलिस और किसानों में धक्कामुक्की भी हुई। पहले किसानों ने केंद्र सरकार और राज्य सरकार के खिलाफ नारे लगाते हुए मंडी में विरोध प्रदर्शन किया, लेकिन बाद में वे तमाम सुरक्षा व्यवस्था को धता बताते हुए मुख्यमंत्री के हेलीपेड तक भी पहुंच गए जहां बड़ी मुश्किल से पुलिस ने किसानों को काबू किया।

स्कूल में भारत माता की जय का नारा लगाने पर विवाद

भोपाल(भाषा)। मध्य प्रदेश के आगर मालवा जिले के एक स्कूल में भारत माता की जय का नारा लगाने को लेकर हुए विवाद में कुछ लोगों ने एक शिक्षक और एक छात्र की कथित तौर पर पिटाई कर दी। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी।

पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि प्रदेश की राजधानी भोपाल से लगभग 175 किलोमीटर दूर बड़ौद कस्बे में मंगलवार को हुई इस घटना के बाद करीब 20 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। आगर-मालवा के जिला पुलिस अधीक्षक राकेश कुमार (एसपी) ने बुधवार को बताया कि आगर-मालवा जिले के बड़ौद कस्बे के एक निजी स्कूल में हिंदू-मुसलमान सहित विभिन्न समुदायों के विद्यार्थी पढ़ते हैं। उन्होंने बताया कि स्कूल में भारत माता की जय का नारा लगाने को लेकर छात्रों के बीच कुछ विवाद हुआ था, लेकिन मामला वहीं शांत हो गया। इसके बाद कुछ छात्रों ने स्कूल के बाहर दूसरे पक्ष के लड़कों की कथित तौर पर पिटाई कर दी। एक अन्य पुलिस अधिकारी के अनुसार स्कूल में प्रार्थना के बाद विद्यार्थी राष्ट्रगान गाते हैं और इसके अंत में भारत माता की जय का नारा लगाते हैं। उन्होंने कहा कि कुछ मुस्लिम बच्चे भारत माता की जय नहीं बोल रहे थे और कक्षा 12वीं के छात्र भरत सिंह राजपूत (19) ने इसका विरोध किया।

Sale Notice

The under mentioned Assets will be sold through auction on **"AS IS WHERE IS BASIS"** and **"AS IS WHAT IS BASIS"** for recovery of dues as per court orders, in the following cases:-

S. No	Case Details	Asset Details	Reserve Price	EMD Amount
1.	ICICI BANK Ltd VS ARCHANA RAJ, CM (M) 573/2020	Vehicle No. UP14ET7203 Make and Model: CHEVROLET ENJOY LT, Manufacturing year 2015	Rs. 50,000/-	Rs. 5,000/-
2.	ICICI BANK Ltd VS JITENDRA CHATURVEDI, CM (M) 22/2020	Vehicle No. UP14FT7814 Make and Model: CHEVROLET SAIL UVA LT, Manufacturing year 2016	Rs. 60,000/-	Rs. 6,000/-

Auction Date: 25-October-2021 From 11:00 am to 2:00 pm.
Venue: Godara Yard, Khewat No:166/1, Near AtulKataria Chock, Behind Gyan Devi School, Sec-17, Sukhrali, Gurugram– 122022.
Contact Person- Rajeev Ranjan (8584874809)/Jitendra Kumar (7304914763)

Terms of Sale

The particulars of the said asset specified herein above have been stated to the best of the information and knowledge of the undersigned, who shall however not be responsible for any error, misstatement or omission in the said particulars. The interested participant/s are therefore requested, in their own interest, to satisfy himself / themselves/ itself with regard to the said asset and other relevant details pertaining to it before submitting the bids. All bidders are required to come at site with original KYC proofs to participate in the auction and also original DD of EMD.

Successfully approved bidder shall have to deposit sale amount (Excluding EMD amount) within 5 days from the auction date by the way of pay order/demand draft/RTGS/NEFT. In case if you fail to make the remaining sale amount within 5 days, your EMD amount will be forfeited.

The intending bidders may visit at **ICICI Bank Ltd, 1st Floor, SD Tower, Community Center, Plot no-7, Rohini Sector-8, New Delhi-110085.** for details and inspection of the said hypothecated vehicle.

भाजपा नेताओं ने राहुल और प्रियंका गांधी को भेजे हवाई टिकट, राजस्थान में दलितों की सुध लेने को कहा

भाषा। इंदौर (मध्यप्रदेश)

दलित समुदाय को लेकर कांग्रेस पर दोमुंही राजनीति का आरोप लगाते हुए इंदौर के भाजपा नेताओं ने बुधवार को राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाद्रा को दिल्ली से जयपुर के दो हवाई टिकट भेजे। इनमें शामिल एक भाजपा नेता ने कहा कि दोनों कांग्रेस नेताओं को उत्तरप्रदेश में "राजनीतिक पर्यटन" छोड़कर कांग्रेस शासित राजस्थान में कथित उत्पीड़न के शिकार अनुसूचित जाति वर्ग की सुध लेनी चाहिए।

चश्मदीदों के मुताबिक स्थानीय भाजपा नेताओं ने शहर के मुख्य डाकघर जीपीओ पहुंचकर गांधी और वाद्रा को स्पीड पोस्ट से हवाई टिकट भेजे। इनकी अगुवाई कर रहे भाजपा के जिलाध्यक्ष राजेश सोनकर ने संवाददाताओं को बताया कि ये टिकट एक निजी एयरलाइन की बृहस्पतिवार शाम की दिल्ली-जयपुर उड़ान के लिए है।

सोनकर ने कहा, "कांग्रेस शासित राजस्थान के हनुमानगढ़ जिले में एक दलित व्यक्ति की हाल ही में पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। लेकिन उत्तरप्रदेश के राजनीतिक पर्यटन में मसरूफ गांधी और वाद्रा के पास उसके शोकसंतप्त परिवार से मिलकर उसके परिजनों को ढांढस बंधाने का वक्त नहीं है।

भाजपा के दलित नेता ने कहा, हमने इस उम्मीद से चंदा करके दिल्ली-जयपुर उड़ान की दो हवाई टिकटें खरीदी हैं कि इनके इस्तेमाल से गांधी और वाद्रा राजस्थान का दौरा करेंगे और इस राज्य में उत्पीड़न के शिकार दलित समुदाय की सुध लेंगे। सोनकर ने आरोप लगाया कि दलित समुदाय को लेकर कांग्रेस दोमुंही राजनीति करती है और इस वर्ग को कांग्रेस ने हमेशा महज वोट बैंक समझा है।

गौरतलब है कि गांधी और वाद्रा भाजपा शासित उत्तरप्रदेश के लखीमपुर खीरी हिंसा मामले को लगातार उठा रहे हैं। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी के नेतृत्व में पार्टी के एक प्रतिनिधिमंडल ने इस मामले को लेकर बुधवार को ही राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद से मुलाकात की और उनसे आग्रह किया कि केंद्रीय गृह राज्य मंत्री के पद से अजय कुमार मिश्रा टेनी को बर्खास्त किया जाए ताकि निष्पक्ष जांच हो सके और पीड़ित परिवारों को न्याय मिल सके। कांग्रेस के इस प्रतिनिधिमंडल में पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा, राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और पार्टी के दो वरिष्ठ नेता-एके एंटनी और गुलाम नबी आजाद भी शामिल थे।

राजस्थान में विमुक्त, घुमन्तु समुदायो के कल्याण के लिए 24 करोड़ रुपए मंजूर

जयपुर। राजस्थान सरकार ने राज्य के विमुक्त, घुमन्तु व अर्द्ध घुमन्तु समुदायों के सामाजिक, शैक्षिक एवं आर्थिक उन्नयन संबंधी गतिविधियों के लिए 23 करोड़ 92 लाख रुपए के अतिरिक्त बजट आवंटन की स्वीकृति दी है। एक सरकारी बयान के अनुसार मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने इस आशय के प्रस्ताव को मंजूरी दी। इस स्वीकृति से गाडिया लुहार, बंजारा, सांसी, बावरी, भाट, नट, मदारी, सपेरा, बहरूपिया आदि समुदायों के कल्याण के लिए साइकिल वितरण, स्कूटी वितरण, छात्रावास संचालन तथा रोजगारोन्मुखी कार्यक्रमों आदि का संचालन किया जा सकेगा। बयान में कहा गया कि इसके साथ ही, इन जनजातियों की पारंपरिक कलाओं के संरक्षण एवं उत्थान के लिए डिनोटिफाइड ट्राइब रिसर्च एण्ड प्रिजर्वेशन सेंटर (विमुक्त जनजाति अनुसंधान एवं संरक्षण केंद्र) की स्थापना की जाएगी।

महाराष्ट्र सरकार ने बारिश प्रभावित किसानों के लिए 10 हजार करोड़ रुपए की सहायता की घोषणा की

मुंबई (भाषा)। महाराष्ट्र सरकार ने उन किसानों के लिए 10 हजार करोड़ रुपए की सहायता की घोषणा की है जिनकी फसल प्रदेश में भारी बारिश के कारण बर्बाद हो गई थी। राज्य के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे, उप मुख्यमंत्री अजीत पवार और लोकनिर्माण विभाग के मंत्री अशोक चव्हाण ने यहां मुंबई में संयुक्त रूप से यह घोषणा की। पवार के पास वित्त मंत्रालय की भी जिम्मेदारी है। सरकार ने एक बयान में कहा, इस साल जून से अक्टूबर के बीच हुई अत्याधिक भारी बारिश के कारण 55 लाख हेक्टेयर भूमि पर फसल को नुकसान पहुंचा है। किसानों को कुछ राहत पहुंचाने के लिए प्रदेश सरकार ने प्रभावित किसानों को 10 हजार करोड़ रुपए की आर्थिक सहायता देने का फैसला किया है। इसमें कहा गया कि भारी बारिश के कारण जिन किसानों की फसलों का नुकसान हुआ उन्हें मुआवजा दिया जाएगा। बयान में कहा गया कि किसानों की जोत का आकार चाहे जो हो उन्हें दो हेक्टेयर जमीन पर फसल के नुकसान के लिए मुआवजा दिया जाएगा।

ऐक्सिस बैंक खुदरा आस्ति केन्द्र, : ऐक्सिस बैंक लि., खुदरा आस्तियां 4/6बी आसफ अली रोड, नई दिल्ली, ऐक्सिस बैंक लि., हुडा शॉपिंग सेंटर, सेक्टर-16, फरीदाबाद, अन्य पता : ऐक्सिस बैंक लि., ऐक्सिस हाउस, टावर टी-2, द्वितीय तल, आई-14, सेक्टर-128, नोएडा एक्सप्रेवे, जेपी ग्रीन्स विशटाउन, नोएडा (उ.प्र.)-201301 कार्पोरेट कार्यालय : 'ऐक्सिस हाउस', ब्लॉक-बी, बॉम्बे डाइंग मिल्स कम्पाउंड, पांडुरंग बुधकर मार्ग, वर्ली मुंबई-400025, पंजीकृत कार्यालय : 'त्रिशूल', तृतीय तल, समर्थेश्वर मंदिर के सामने, लॉ गार्डन, एलिसब्रिज, अहमदाबाद-380006

सरफासी ऐक्ट 2002 के तहत कब्जा सूचना

जबकि,
अधोहस्ताक्षरी ने, ऐक्सिस बैंक लि. के प्राधिकृत अधिकारी के रूप में, वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के अधीन तथा प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली 2002 के नियम 9 के साथ पठित धारा 13(12) के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मांग सूचना जारी की थी, जिसमें निम्नलिखित कर्जदार(रों)/सह-कर्जदार(रों)/गारंटर(रों)/बंधकदाता(ओं) से सूचना में वर्णित बकाया राशि का भुगतान उक्त सूचना की प्राप्ति की तिथि से 60 दिन के भीतर करने की मांग की गई थी।
कर्जदार/सह-कर्जदार/गारंटर/बंधकदाता उक्त राशि चुकाने में असफल रहे हैं, अतः एतद्द्वाराकर्जदार(रों)/सह-कर्जदार(रों)/गारंटर(रों)/बंधकदाता(ओं) तथा जन साधारण को सूचना दी जाती है कि अधोहस्ताक्षरी ने उक्त नियमावली के नियम 8 के साथ पठित उक्त अधिनियम की धारा 13(4) के तहत उसको प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यहां नीचे वर्णित संपत्ति का कब्जा निम्नवर्णित तिथियों को प्राप्त कर लिया है।
कर्जदार(रों)/सह-कर्जदार(रों)/गारंटर(रों)/बंधकदाता(ओं) को विशेष रूप से तथा जन साधारण को एतद्द्वारा सावधान किया जाता है कि इस सम्पत्ति के संबंध में कोई संव्यवहार नहीं करें तथा सम्पत्ति के संबंध में कोई भी संव्यवहार ऐक्सिस बैंक की बकाया राशि का पूर्ण भुगतान करने के बाद ही किया जा सकता है।
कर्जदार/सह-कर्जदार/गारंटर/बंधकदाता का ध्यान, प्रत्याभूत आस्तियों को छुड़ाने के लिए, उपलब्ध समय के संबंध में, अधिनियम की धारा 13 की उप-धारा (8) के प्रावधान की ओर आकृष्ट किया जाता है।

कर्जदार/सह-कर्जदार का नाम	सम्पत्ति का वर्णन	1. मांग सूचना की तिथि 2. कब्जा की तिथि 3. मांग सूचना में बकाया राशि (रू.)
1. श्री विनीत कुमार पुत्र सीताराम शर्मा निवासी फ्लैट नंबर 562, एसएफ कैटेगिरी एलआईजी, कोंडली घड़ोली, मयूर विहार फेज-3, नई दिल्ली-110090 अन्य पता : श्री विनीत कुमार पुत्र सीताराम शर्मा, सहारा इंडिया, सी2 सी3, एल4, सेक्टर-11, नोएडा, उत्तर प्रदेश अन्य पता : श्री विनीत कुमार पुत्र सीताराम शर्मा, एफ-25, सेक्टर-12, नोएडा, निकट वाटर टैंक, उत्तर प्रदेश-201301 अन्य पता : श्री विनीत कुमार पुत्र सीताराम शर्मा, ग्राम पोस्ट तुलसी गढ़ बीवाईए चंडी, नालंदा, बिहार-808108 2. श्रीमती अनुलिका पत्नी विनीत कुमार निवासी एफ-25, सेक्टर-12, नोएडा, निकट वाटर टैंक, उत्तर प्रदेश-201301 अन्य पता : श्रीमती अनुलिका पत्नी विनीत कुमार निवासी ग्राम पोस्ट तुलसी गढ़ बीवाईए चंडी, नालंदा, बिहार-808108	फ्रीहोल्ड डीडीए एलआईजी फ्लैट नंबर 562, द्वितीय तल, लेआउट प्लान कोंडली, , मयूर विहार फेज-3, नई दिल्ली-110096 जहां बिल्डिंग स्थित है उसके नीचे भूमि में हिस्सा और हित तथा बिल्डिंग/स्कीम/कॉम्प्लेक्स में उपलब्ध कॉमन एरियाज और सुविधाओं में हिस्सा एवं हित सहित। चौहद्दी : पूरब : सेल डीड के अनुसार पश्चिम : सेल डीड के अनुसार उत्तर : सेल डीड के अनुसार दक्षिण : सेल डीड के अनुसार	1. 26-04-2021 2. 08-10-2021 3. रू. 13,48,712/- (रूपए तेरह लाख अड़तालीस हजार सात सौ बारह मात्र)
1. श्री गौरव बडोनी पुत्र श्री किशन लाल बडोनी, ई-1701, जहांगीर पुरी, शंजारपुर, एन.एस. मंडी, दिल्ली-110033 अन्य पता : द्वितीय तल, ई-1701, जहांगीर पुरी, शंजारपुर, एन.एस. मंडी, दिल्ली-110033 अन्य पता : श्री गणपति एंटरप्राइजेज, बी-84, भू. तल, गली नंबर 8, हरि नगर एक्सटेंशन-2, जैतपुर, बदरपुा, दिल्ली-110044 अन्य पता : मकान नंबर 30, ब्लॉक बी, सेक्टर गामा, ग्रेटर नोएडा, उत्तर प्रदेश-201310 2. श्रीमती उर्मिला बडोनी पत्नी श्री किशन लाल बडोनी, ई-1701, जहांगीर पुरी, शंजारपुर, एन.एस. मंडी, दिल्ली-110033 अन्य पता : श्री बालाजी एंटरप्राइजेज, बी-84, भू. तल, गली नंबर 8, हरि नगर एक्सटेंशन-2, जैतपुर, बदरपुा, दिल्ली-110044 अन्य पता : मकान नंबर 30, ब्लॉक बी, सेक्टर गामा, ग्रेटर नोएडा, उत्तर प्रदेश-201310	प्लॉट नंबर 30, ब्लॉक बी, सेक्टर गामा, ग्रेटर नोएडा, उत्तर प्रदेश-201310	1. 19-04-2021 2. 08-10-2021 3. रू. 1,90,84,954/- (रूपए एक करोड़ नब्बे लाख चौरासी हजार नौ सौ चौवन मात्र)

एतद्द्वारा उपरि-वर्णित कर्जदार(रों)/सह-कर्जदार(रों)/गारंटर(रों)/बंधकदाता(ओं) को राशि का भुगतान 30 दिन के भीतर करने की सूचना दी जाती है, अन्यथा इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से 30 दिन की अवधि समाप्त होने पर, बंधक सम्पत्ति की बिक्री प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली, 2002 के नियम 8 और 9 के तहत प्रावधानों के अनुसार की जाएगी।

हस्ता/-
तिथि : 14-10-2021 प्राधिकृत अधिकारी,
स्थान : दिल्ली एवं एनसीआर ऐक्सिस बैंक लिमिटेड

ऐक्सिस बैंक खुदरा आस्ति केन्द्र, : ऐक्सिस बैंक लि., एससीओ 12, सेक्टर-14, गुरूग्राम, हरियाणा, आस्ति केन्द्र ए-356, प्रथम तल, मीरा बाग, नई दिल्ली, अन्य पता : ऐक्सिस बैंक लि., ऐक्सिस हाउस, टावर टी-2, द्वितीय तल, आई-14, सेक्टर-128, नोएडा एक्सप्रेवे, जेपी ग्रीन्स विशटाउन, नोएडा (उ.प्र.)-201301 कार्पोरेट कार्यालय : 'ऐक्सिस हाउस', ब्लॉक-बी, बॉम्बे डाइंग मिल्स कम्पाउंड, पांडुरंग बुधकर मार्ग, वर्ली मुंबई-400025, पंजीकृत कार्यालय : 'त्रिशूल', तृतीय तल, समर्थेश्वर मंदिर के सामने, लॉ गार्डन, एलिसब्रिज, अहमदाबाद-380006

सरफासी ऐक्ट 2002 के तहत कब्जा सूचना

जबकि,
अधोहस्ताक्षरी ने, ऐक्सिस बैंक लि. के प्राधिकृत अधिकारी के रूप में, वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के अधीन तथा प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली 2002 के नियम 9 के साथ पठित धारा 13(12) के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मांग सूचना जारी की थी, जिसमें निम्नलिखित कर्जदार(रों)/सह-कर्जदार(रों)/गारंटर(रों)/बंधकदाता(ओं) से सूचना में वर्णित बकाया राशि का भुगतान उक्त सूचना की प्राप्ति की तिथि से 60 दिन के भीतर करने की मांग की गई थी।
कर्जदार/सह-कर्जदार/गारंटर/बंधकदाता उक्त राशि चुकाने में असफल रहे हैं, अतः एतद्द्वाराकर्जदार(रों)/सह-कर्जदार(रों)/गारंटर(रों)/बंधकदाता(ओं) तथा जन साधारण को सूचना दी जाती है कि अधोहस्ताक्षरी ने उक्त नियमावली के नियम 8 के साथ पठित उक्त अधिनियम की धारा 13(4) के तहत उसको प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यहां नीचे वर्णित संपत्ति का कब्जा निम्नवर्णित तिथियों को प्राप्त कर लिया है।
कर्जदार(रों)/सह-कर्जदार(रों)/गारंटर(रों)/बंधकदाता(ओं) को विशेष रूप से तथा जन साधारण को एतद्द्वारा सावधान किया जाता है कि इस सम्पत्ति के संबंध में कोई संव्यवहार नहीं करें तथा सम्पत्ति के संबंध में कोई भी संव्यवहार ऐक्सिस बैंक की बकाया राशि का पूर्ण भुगतान करने के बाद ही किया जा सकता है।
कर्जदार/सह-कर्जदार/गारंटर/बंधकदाता का ध्यान, प्रत्याभूत आस्तियों को छुड़ाने के लिए, उपलब्ध समय के संबंध में, अधिनियम की धारा 13 की उप-धारा (8) के प्रावधान की ओर आकृष्ट किया जाता है।

कर्जदार/सह-कर्जदार का नाम	सम्पत्ति का वर्णन	1. मांग सूचना की तिथि 2. कब्जा की तिथि 3. मांग सूचना में बकाया राशि (रू.)
1. श्री हरि सिंह राजोरा पुत्र दयाल राजोरा बी-30, सीजीएचएस, पार्क व्यू अपार्टमेंट, पश्चिम विहार, सुंदर विहार, वेस्ट दिल्ली, दिल्ली-110087 अन्य पता : श्री हरि सिंह राजोरा पुत्र दयाल राजोरा, स्वामी स्वस्तिक प्लास्टिक, प्लॉट नंबर बी-51, पीवीएल बाजार टीकरी कलां, वेस्ट दिल्ली-110041 2. श्रीमती मंजू राजोरा पत्नी श्री हरि सिंह राजोरा बी-30, सीजीएचएस, पार्क व्यू अपार्टमेंट, पश्चिम विहार, सुंदर विहार, वेस्ट दिल्ली, दिल्ली-110087	सोसायटी निर्मित फ्रीहोल्ड एमआईजी फ्लैट नंबर बी-30, द्वितीय तल, लेआउट प्लान लिबरल कोआपरेटिव ग्रुप हाउसिंग सोसायटी लि., लिबरल अपार्टमेंट्स के नाम से मशहूर, जोन जी-17, रोहतक रोड, पश्चिम विहार, नई दिल्ली-110087	1. 19-04-2021 2. 08-10-2021 3. रू. 70,52,812/- (रूपए सत्तर लाख बावन हजार आठ सौ बारह मात्र)
1. श्रीमती रोशनी पत्नी श्री बेगराज, मकान नंबर 35, तृतीय तल, सेक्टर-2, पाकेट-7, रोहिणी, निकट गोपाल जी छोले भटूरे, दिल्ली-110058 अन्य पता : माता चानन देवी अस्पताल, सी-1, जनकपुरी, निकट सी-1, रेड लाइट, नई दिल्ली-110058 2. श्री दीपक पुत्र श्री राम दर्शन, मकान नंबर 35, तृतीय तल, सेक्टर-2, पाकेट-7, रोहिणी, निकट गोपाल जी छोले भटूरे, दिल्ली-110058 अन्य पता : सी/ओ राकेश कुमार सचदेवा बीसी-14, मियांवाली नगर, पश्चिम विहार, दिल्ली- 110087	सम्पत्ति के सभी अंश एवं खंड : फ्लैट नंबर 02 (एलआईजी संवर्ग), भू तल, ब्लॉक बी-13, लेआउट प्लान हाउसिंग एस्टेट, पाकेट-5, सेक्टर-35, रोहिणी, दिल्ली	1. 20-05-2021 2. 08-10-2021 3. रू. 12,58,000/- (रूपए बारह लाख अठ्ठावन हजार मात्र)
1. सुनील कुमार बक्सला पुत्र श्री माइकेल बक्सला मकान सं. ए-4, सी-138, जनकपुरी, दिल्ली-110058, यहां पर भी : पंपोश (पार्ट), पंपोश राजगनपुर, सुंदरगढ़, ओडिशा-770034, यहां पर भी : स्टील स्ट्रक्चर डिजाइन ऐंड डिटेलिंग प्रा. लि. डब्ल्यूजेड-10, द्वितीय तल, असलतपुर, जनकपुरी, दिल्ली-110058, यहां पर भी : लैट सं. 8 सी, द्वितीय तल, पॉकेट सं. सी, सेक्टर-3, द्वारका, दिल्ली-110075	लैट सं. 8 सी, द्वितीय तल, पॉकेट सं. सी, सेक्टर-3, द्वारका, दिल्ली-110075	1. 19-04-2021 2. 08-10-2021 3. रू. 5,76,258/- (रूपए पांच लाख छहत्तर हजार दो सौ अठ्ठावन मात्र)

एतद्द्वारा उपरि-वर्णित कर्जदार(रों)/सह-कर्जदार(रों)/गारंटर(रों)/बंधकदाता(ओं) को राशि का भुगतान 30 दिन के भीतर करने की सूचना दी जाती है, अन्यथा इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से 30 दिन की अवधि समाप्त होने पर, बंधक सम्पत्ति की बिक्री प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली, 2002 के नियम 8 और 9 के तहत प्रावधानों के अनुसार की जाएगी।

हस्ता/-
तिथि : 14-10-2021 प्राधिकृत अधिकारी,
स्थान : दिल्ली एवं एनसीआर ऐक्सिस बैंक लिमिटेड

कोलकाता में कोविड महामारी के विषय पर सामुदायिक पूजा पंडाल सजाया गया।

जम्मू-कश्मीर में जन-हितैषी प्रशासन केन्द्र सरकार की पहली प्राथमिकता

जम्मू। केन्द्रीय मंत्री संजीव कुमार बालियान ने बुधवार को कहा कि केन्द्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर में जन-हितैषी प्रशासन केन्द्र सरकार की पहली प्राथमिकता है। मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मामलों के मंत्री साम्बा जिले के दो दिवसीय दौरे के समापन पर एक समारोह को संबोधित कर रहे थे। वह जनता तक पहुंचने के केन्द्र सरकार के कार्यक्रम के तहत यहां आए थे।

आधिकारिक प्रवक्ता ने बताया कि अपने दौरे के दूसरे दिन मंत्री ने उत्तरबेहनी में प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र (पीएचसी) का उद्घाटन किया, भेड़ और बकरी पालकों, कई प्रमुख लोगों से बातचीत की और केन्द्र प्रायोजित योजना के तहत जिले में लोगों को मत्स्य बीज बांटे। उन्होंने कहा कि उत्तरबहनी में प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र के लिए दो मंजिला भवन बनाया गया है जिसके निर्माण में छह करोड़ रुपए की लागत आई है। इससे स्थानीय लोगों को बहुत लाभ होगा।

संवेदनशील 83 गांवों के 1447 परिवारों का पुनर्वास

देहरादून। उत्तराखंड में प्राकृतिक आपदाओं के लिहाज से संवेदनशील 83 गांवों के1,447 परिवारों को अब तक पुनर्वासित किया जा चुका है जिसके लिए उन्हें 61 करोड़ दो लाख 35 हजार रुपए दिए गए हैं। अन्तरराष्ट्रीय आपदा जोखिम न्यूनीकरण दिवस पर बुधवार को आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान बताया गया कि आपदा प्रभावित गांवों के पुनर्वास में पिछले चार साल में तेजी आई है और 2017 से पहले जहां दो गांवों के 11 परिवारों को पुनर्वासित किया गया। वहीं, 2017 के बाद से 81 गांवों के1,436 परिवारों को पुनर्वासित किया गया है। राज्य की 2011 की पुनर्वास नीति के अनुसार गढ़वाल मंडल में चमोली जिले के 15 गांवों के 279 परिवार, उत्तरकाशी के पांच गांवों के 205 परिवार, टिहरी के 10 गांवों के 429 परिवार एवं रूद्रप्रयाग के 10 गांवों के 136 परिवार पुनर्वासित किए गए। जबकि कुमांऊ मंडल में पिथौरागढ़ के 31 गांवों के 321 परिवार, बागेश्वर के नौ गांवों के 68 परिवार को सुरक्षित स्थानों पर बसाया गया।

अनिल देशमुख ने अदालत से कहा, ईडी की जांच हत्या व जबरन वसूली के आरोपियो के दावों पर आधारित

भाषा। मुंबई

महाराष्ट्र के पूर्व गृह मंत्री अनिल देशमुख ने बुधवार को बंबई उच्च न्यायालय से कहा कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा कथित धन शोधन मामले में उनके खिलाफ शुरू की गई कार्यवाही ऐसे लोगों के दावों पर आधारित है जोकि खुद हत्या और जबरन वसूली जैसे संगीन अपराधों के आरोपी हैं।

न्यायमूर्ति नितिन जमादार और न्यायमूर्ति एस वी कोतवाल की पीठ ने देशमुख की याचिका पर दोनों पक्षों को विस्तार से सुनने के बाद कहा कि इस पर आदेश बाद में सुनाया जाएगा। देशमुख ने इस याचिका में प्रवर्तन निदेशालय द्वारा उन्हें जारी किए गए समन और मामले में पूरी कार्यवाही रद्द करने का अनुरोध किया है।

प्रवर्तन निदेशाल के समक्ष पेश होने में नाकाम रहे देशमुख ने अपने वकील के माध्यम से कहा कि वह कल जांच एजेंसी के सामने पेश होना चाहते हैं लेकिन एजेंसी उनके खिलाफ असहयोग भरा रवैया अपनाने की छवि बना रही है। ईडी की ओर से अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल अमन लेखी ने अदालत से कहा कि यदि देशमुख द्वेष का आरोप लगा रहे हैं, तो उन्हें ऐसे लोगों को अपनी याचिका में पक्षकार बनाना चाहिए, जिन पर वह हत्यारे और जबरन वसूली करने वाला होने का आरोप लगा रहे हैं। देशमुख की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता विक्रम चौधरी ने पीठ से कहा कि उनके खिलाफ दलीलें मनगढ़ंत हैं। चौधरी ने पीठ से अन्य राहतों के अलावा ईडी द्वारा राकांपा नेता को जारी किए गए समन रद्द करने का अनुरोध किया।

लेखी ने हालांकि इस बात से इंकार किया कि केंद्रीय एजेंसी की जांच दुर्भावनापूर्ण या निर्धारित प्रक्रिया का उल्लंघन थी। लेखी ने कहा कि देशमुख कानून से ऊपर नहीं हैं और ईडी के सामने पेश होने और उसके समन का जवाब देने के लिए उत्तरदाई हैं। देशमुख ने ईडी के समक्ष व्यक्तिगत पेशी से छूट का अनुरोध अदालत से किया। देशमुख ने मामले में उनके खिलाफ कोई दंडात्मक कार्वाई नहीं करने के लिए ईडी और सीबीआई को अंतरिम निर्देश देने का भी अनुरोध किया।

सीबीआई द्वारा इस साल 21 अप्रैल को राकांपा नेता के खिलाफ भ्रष्टाचार और आधिकारिक पद के दुरुपयोग के आरोप में प्राथमिकी दर्ज किए जाने के बाद ईडी ने देशमुख और अन्य के खिलाफ जांच शुरू की है। सीबीआई ने मुंबई के पूर्व पुलिस आयुक्त परमबीर सिंह द्वारा देशमुख के खिलाफ लगाए गए भ्रष्टाचार और कदाचार के आरोपों की प्रारंभिक जांच (पीई) के बाद प्राथमिकी दर्ज की थी। परमबीर सिंह जबरन वसूली के आरोपों का सामना कर रहे हैं जिसकी जांच भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो द्वारा की जा रही है।

कार्यालय कृषि उत्पादन मण्डी समिति, गाजियाबाद
नवीन फल-सब्जी स्थल, साहिबाबाद

पत्रॉकः कृ0उ0म0स0/कैन्टीन ठेका/2021-580 दिनॉकः- 13/10/2021

आवश्यक सूचना

नवीन फल-सब्जी मण्डी स्थल साहिबाबाद, गाजियाबाद की समस्त कैन्टीन (प्रवेश द्वार सं0-01 पर नवनिर्मित मल्टीस्टोरी भवन में स्थित केन्टीनों को छोडकर) एवं नवीन खाद्यान्न मण्डी स्थल गोविन्दपुरम, की समस्त कैन्टीनों का ठेका स्वीकृति/कार्यादेश निर्गत होने के दिनांक से 11 माह की अवधि हेतु दोनो मण्डी स्थलों का अलग-अलग ई-नीलामी के माध्यम से ठेका कराये जाने हेतु दिनांक 23.10.2021 नियत करते हुए ऑन लाईन आवेदन पत्र आमन्त्रित किये जाते हैं। दोनो मण्डी स्थलों की कैन्टीन बोली में सम्मिलित होने के लिए आवेदन-पत्र रू0 250/- (जी0एस0टी0 अलग) नकद भुगतान कर, समिति कार्यालय से किसी भी कार्य दिवस में प्राप्त कर/वेबसाईड से डाउनलोड कर पूर्ण रूप से भरकर दिनांक 20.10.2021 समय सांय 4:00 बजे तक www.eauction.gov.in वेबसाईट पर अपलोड कर सकते हैं। ई-नीलामी में प्रतिभाग करने हेतु आवेदक को नवीन फल-सब्जी मण्डी स्थल साहिबाबाद हेतु रू0 1.00 लाख (रूपया एक लाख) एवं नवीन खाद्यान्न मण्डी स्थल गोविन्दपुरम हेतु रू0 25000/- (रू0 पच्चीस हजार) की बैंक गारन्टी अथवा सचिव, ए0पी0एम0सी0 गाजियाबाद के पक्ष में बन्धक एफ0डी0आर0 प्रतिभूति के रूप में एवं आवेदन पत्र की हार्ड कॉपी मण्डी समिति कार्यालय में दिनॉक 21.10.2021 सांय 5:00 बजे तक जमा करानी अनिवार्य होगी। उच्चतम बोली की धनराशि पर नियमानुसार 18 प्रतिशत जी0एस0टी0 अलग से देय होगी। नियम एवं शर्तें www.eauction.gov.in वेबसाईट से डाउनलोड की जा सकती है। कैन्टीन ठेका हेतु ई-नीलामी दिनांक 23.10.2021 को समय प्रातः 10:00 बजे से प्रारम्भ होकर अपरान्ह् 2:00 बजे तक सम्पन्न की जायेगी।

हस्ता/-
कृषि उत्पादन मण्डी समिति,
गाजियाबाद

शेयर बाजारों में तेजी का सिलसिला लगातार पांचवें दिन भी जारी

सेंसेक्स, निफ्टी रिकॉर्ड ऊंचाई पर

भाषा। मुंबई

शेयर बाजारों में तेजी का सिलसिला लगातार पांचवें कारोबारी सत्र बुधवार को भी जारी रहा और बीएसई सेंसेक्स तथा एनएसई निफ्टी दोनों नए रिकॉर्ड स्तर पर बंद हुए। निवेशकों की वाहन, बिजली और ढांचागत क्षेत्र से जुड़े शेयरों में लिवाली जारी रहने से बाजार में तेजी बनी हुई है।

तीस शेयरों पर आधारित सेंसेक्स एक समय कारोबार के दौरान 60,836.63 अंक तक चला गया था। अंत में यह 452.74 अंक यानी 0.75 प्रतिशत उछलकर 60,737.05 के रिकॉर्ड स्तर पर बंद हुआ। इसी प्रकार नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 169.80 अंक यानी 0.94 प्रतिशत की तेजी के साथ 18,161.75 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह रिकॉर्ड 18,197.80 अंक तक चला गया था। सेंसेक्स के शेयरों में 5 प्रतिशत से अधिक की तेजी के साथ सर्वाधिक लाभ में महिंद्रा एंड महिंद्रा रही। इसके अलावा आईटीसी, एलएंडटी, टेक महिंद्रा, टाइटन और टाटा स्टील में भी प्रमुख रूप से तेजी रही। दूसरी तरफ मारुति, एचयूएल, नेस्ले इंडिया, एक्सिस बैंक और एसबीआई में गिरावट रही।खंडवार सूचकांकों में बीएसई वाहन, जनकेंद्रित सेवाओं, औद्योगिक और बिजली सूचकांकों में 3.46 प्रतिशत तक की तेजी रही। वहीं रियल्टी सूचकांक नुकसान में रहा। मिडकैप और स्मॉलकैप (मझोली एवं छोटी कंपनियों के शेयर) सूचकांक 1.56 प्रतिशत तक मजबूत हुए। एलकेपी सिक्योरिटीज के शोध प्रमुख एस रंगनाथन ने कहा, टाटा मोटर्स की अगुवाई में वाहन शेयरों में निफ्टी को 18,200 की नई उंचाई पर पहुंचाया। बुनियादी ढांचा विकास और मल्टी मॉडल कनेक्टिविटी के लिए मास्टर प्लान गतिशक्ति शुरू किए जाने से बुनियादी ढांचा और धातु कंपनियों के शेयरों से भी अच्छा समर्थन मिला।

उन्होंने कहा कि बाजार को प्रमुख आईटी कंपनियों के वित्तीय परिणाम का इंतजार है। टाटा समूह की कंपनियों के शेयरों पर निवेशकों की नजर रही। हालांकि, दोपहर के कारोबार में इसमें मुनाफावसूली देखने को मिली। वित्तीय कंपनियों और रिलायंस इंडस्ट्रीज में तेजी से बाजार को समर्थन मिला। टाटा समूह के शेयर खासकर टाटा मोटर्स पर निवेशकों की नजर रही। कंपनी की इलेक्ट्रिक वाहन इकाई में टीपीजी के एक अरब डॉलर के निवेश की खबर से इसके शेयर में तेजी रही।एशिया के अन्य बाजारों में शंघाई और सियोल लाभ में रहे, जबकि तोक्यो में गिरावट रही। यूरोप के प्रमुख बाजारों में भी दोपहर के कारोबार में सकारात्मक रुख रहा। इस बीच, अंतरराष्ट्रीय तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.54 प्रतिशत टूटकर 82.97 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया।विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 15 पैसे मजबूत होकर 75.37 प्रति डॉलर पर बंद हुआ।

संयुक्त राष्ट्र, विश्व बैंक, आईएमएफ में तत्काल सुधार की जरूरत: वित्त मंत्री

भाषा। बोस्टन

● भारतीय अर्थव्यवस्था इस वर्ष दोहरे अंक की वृद्धि हासिल करने के करीब: सीतारमण

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र, विश्व बैंक और अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) जैसे संस्थानों में तत्काल सुधार की आवश्यकता है।

उन्होंने मंगलवार को यहां हार्वर्ड कैनेडी स्कूल में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान कहा कि ए संस्थान अब उन देशों की बातें नहीं रखते जिनके मुद्दे दशकों से अनसुने रहे हैं। इन सभी संस्थाओं को खुद में सुधार करना होगा।मोसावर-रहमानी सेंटर फॉर बिजनेस एंड गवर्नमेंट द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में हार्वर्ड यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर लॉरेंस समर्स के साथ बातचीत में सीतारमण ने कहा,"कई देशों में सुधार अलग-अलग चरणों में हो रहे हैं जबकि ए वैश्विक संस्थान वैसे ही बने हुए हैं जैसे वे पिछले कई दशकों से थे"उन्होंने कहा कि इनमें से ज्यादातर संस्थान उन देशों की बातें नहीं रखते हैं, जिनके मुद्दों पर दशकों से ध्यान नहीं दिया गया है। फिर चाहे ए मुद्दे व्यापार, सुरक्षा, मौद्रिक ढांचे से जुड़े हों या विकास के वित्तपोषण से संबंधित हों।सीतारमण ने कहा,"इन सभी संस्थानों के लिए और अधिक पारदर्शी होने, प्रतिनिधित्व करने और उन देशों के लिए बोलने की सख्त आवश्यकता है जिन्हें पर्याप्त प्रतिनिधित्व नहीं मिलता है। इसलिए मुझे लगता है कि यह कुछ ऐसा है जो तुरंत होना चाहिए। उन्होंने कहा कि जब ए संस्थान ज्यादा से ज्यादा देशों की आवाज उठाएंगे, तो संसाधनों का अधिक और समान वितरण होगा।

केंद्रीय वित्त मंत्री सीतारमण दरअसल वाशिंगटन में विश्व बैंक और आईएमएफ की वार्षिक बैठकों, जी-20 देशों के वित्त मंत्रियों और केंद्रीय बैंक के गवर्नर (एमएमसीबीजी) की बैठक में भाग लेने के लिए एक सप्ताह की लंबी यात्रा के लिए सोमवार को अमेरिका पहुंची हैं।केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा है कि भारतीय अर्थव्यवस्था इस वर्ष दोहरे अंक की वृद्धि हासिल करने की तरफ बढ़ रही है और यह दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक होगी। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि अगले साल आर्थिक वृद्धि 7.5 से 8.5 प्रतिशत के बीच होगी जो अगले दशक तक कायम रहेगी। सीतारमण ने मंगलवार को यहां हार्वर्ड केनेडी स्कूल में बातचीत के दौरान कहा, जहां तक भारतीय अर्थव्यवस्था के बढ़ने के सवाल है तो हम इस वर्ष इसमें दो अंकों की वृद्धि की उम्मीद कर रहे हैं।

5जी के साथ प्रौद्योगिकी नवोन्मेषण दूरसंचार क्षेत्र के भविष्य को फिर परिभाषित करेगा: रिपोर्ट

भाषा। नई दिल्ली

पांचवीं पीढ़ी की इंटरनेट सेवा यानी 5जी इंटरनेट के साथ तकनीकी नवाचार भारत में दूरसंचार क्षेत्र के भविष्य को फिर से परिभाषित करेगा और इससे स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा, वित्तीय प्रौद्योगिकी, ई-कॉमर्स और मनोरंजन जैसे उद्योगों में कई अवसर पैदा होंगे। उद्योग मंडल भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) और डेलॉयट की एक रिपोर्ट में यह बात कही गई। रिपोर्ट में कहा गया कि निजी दूरसंचार क्षेत्र को भविष्य में उद्यमों से भारी मांग देखने की मिलेगी, जिसका अगुवाई परिचालन के लिए अच्छे वातावरण में सुरक्षा और उच्च गति की कनेक्टिविटी की जरूरत करेगी। रिपोर्ट में कहा गया कि 5जी के साथ तकनीकी नवाचार भारत में दूरसंचार क्षेत्र के भविष्य को फिर से परिभाषित करेगा। साथ ही आगामी उद्योगों और प्रौद्योगिकियों के साथ दूरसंचार सेवाओं के जुड़ाव से यह क्षेत्र एक सेवाप्रदाता से सेवा में मददगार के रूप में बदलेगा। डेलॉयट टच तोहमात्सु इंडिया एलएलपी (डेलॉयट) के साझेदार और दूरसंचार क्षेत्र के लीडर पीयूष वैश्य ने कहा, 5जी और सैटेलाइट ब्रॉडबैंड के जरिए तेज गति वाला ब्रॉडबैंड शुरू होने से दूरसंचार पारिस्थितिकी तंत्र की प्रगति होगी और यह 100 करोड़ भारतीयों के जीवन को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित करेगा। वही सीआईआई टेलीकॉम कन्वर्जेंस समिट 2021 के अध्यक्ष उमंग दास ने रिपोर्ट पर टिप्पणी करते हुए कहा कि दूरसंचार क्षेत्र परिवर्तन के मुखाने पर खड़ा है।

वैश्विक कर्ज 2,26,000 अरब डॉलर की नई ऊंचाई पर

भाषा। वाशिंगटन

कोविड-19 और इससे निपटने के लिए बनाई गई नीतियों के कारण वैश्विक ऋण 2,26,000 डॉलर के नए उच्चस्तर पर पहुंच गया है और 2021 में भारत का कर्ज बढ़कर 90.6 प्रतिशत होने का अनुमान है। अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष (आईएमएफ) ने बुधवार को यह बात कही।

आधुनिक अर्थव्यवस्थाओं और चीन ने 2020 में वैश्विक स्तर पर ऋण के संचय में 90 प्रतिशत से अधिक का योगदान दिया। शेष उभरती अर्थव्यवस्थाओं और कम आय वाले विकासशील देशों ने केवल लगभग सात प्रतिशत का योगदान दिया।

आईएमएफ के वित्तीय मामलों के विभाग के निदेशक विटोर गैस्पर ने 2021 की वित्तीय निगरानी रिपोर्ट जारी करने के दौरान संवाददाताओं से कहा, कोविड-19 और इससे निपटने के लिए बनाई गई नीतियों के कारण, ऋण का स्तर तेजी से बढ़ा और उच्चस्तर पर पहुंच गया। सार्वजनिक और निजी ऋण का उच्च और बढ़ता स्तर वित्तीय स्थिरता और सार्वजनिक वित्त के जोखिम से जुड़ा है। उन्होंने कहा, सरकारों और गैर-वित्तीय निगमों का कर्ज 2020 में 2,26,000 अरब डॉलर तक पहुंच गया, जो 2019 से 27,000 अरब डॉलर अधिक है। यह अबतक की सबसे बड़ी वृद्धि है। इस आंकड़े में सार्वजनिक और गैर-वित्तीय निजी क्षेत्र दोनों के ऋण शामिल हैं।अपनी 2021 की वित्तीय निगरानी रिपोर्ट में, आईएमएफ ने कहा कि भारत का कर्ज 2016 में उसके सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के 68.9 प्रतिशत से बढ़कर 2020 में 89.6 प्रतिशत हो गया। इसके 2021 में 90.6 प्रतिशत और फिर 2022 में घटकर 88.8 प्रतिशत होने का अनुमान है। 2026 में इसके धीरे-धीरे घटकर 85.2 प्रतिशत तक आने का अनुमान है।

एमएसएमई निर्यातकों की जागरूकता, प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण के लिए नया मंच

नई दिल्ली । वैश्विक डिजिटल भुगतान समाधान प्रदाता पेपाल और भारतीय विदेश व्यापार संस्थान (आईआईएफटी) ने एमएसएमई निर्यातकों की मदद के लिए बुधवार को भारत डिजिटल व्यापार सुगमता मंच शुरू किया। यह मंच सूक्ष्म, लघु एवं मझोले (एमएसएमई) उद्यमियों को शिक्षित, प्रशिक्षण और निर्माण क्षमता के गुण प्रदान करेगा ताकि वे वैश्विक बाजारों में अपने कारोबार को बढ़ा सके। एक बयान में कहा गया कि इस मंच का उद्देश्य अलग-अलग विषयों के विशेषज्ञों के नेतृत्व में मास्टरक्लास के जरिए विपणन, व्यापार बढ़ाने, डिजिटलीकरण और निर्यात को लेकर एमएसएमई उद्योग की जागरूकता बढ़ाना है। यह मंच भारत के छोटे निर्यातकों के सामने आने वाले मुद्दों पर अनुसंधान के लिए गहराई से विचार करेगा और इस बात की जानकारी प्रदान करेगा कि किन समाधानों पर काम करने की आवश्यकता है। एमएसएमई सचिव विद्युत बिहारी स्वैन ने कहा, यह मंच एक बेहतरीन पहल है। यह हमारे एमएसएमई उद्योग और स्व नियोजित लोगों को वैश्विक डिजिटल वाणिज्य अवसर का लाभ उठाने के लिए प्रशिक्षित करने की आवश्यकता को मान्यता देता है। पेपाल इंडिया में कॉरपोरेट मामलों के वरिष्ठ निदेशक नाथ परमेश्वरन ने कहा कि यह एमएसएमई उद्योग के लिए सीमापार ई-कॉमर्स के अवसरों का लाभ उठाने का एक उपयुक्त अवसर है।

रिलायंस का जर्मनी की नेक्सवेफ में निवेश

भाषा। नई दिल्ली

● डेनमार्क की स्टीसडल के साथ रणनीतिक साझेदारी

रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) की पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी रिलायंस न्यू एनर्जी सोलर लिमिटेड (आरएनईएसएल) ने महत्वपूर्ण साझेदारियों की घोषणा की है। मंगलवार देर रात जारी बयान में आरएनईएसएल ने बताया कि वह जर्मनी की नेक्सवेफ में 2.5 करोड़ यूरो का निवेश करेगी। साथ ही कंपनी ने डेनमार्क की स्टीसडल के साथ रणनीतिक साझेदारी का भी ऐलान किया। रिलायंस के मुताबिक नेक्सवेफ में निवेश भारतीय बाजार के लिए रणनीतिक साझेदारी के तहत किया गया है। आरएनईएसएल ने बयान में कहा कि वह नेक्सवेफ के 86,887 सीरीज-सी प्रेफर्ड शेयर 287.73 यूरो प्रति शेयर के हिसाब से खरीदेगी। इसके अलावा आरएनईएसएल को एक यूरो के हिसाब से 36,201 वारंट भी जारी किए जाएंगे। नेक्सवेफ सेमीकंडक्टर में इस्तेमाल होने वाले मोनोक्रिस्टलाइन सिलिकॉन वेफर्स बनाती है। सेमीकंडक्टर सभी प्रकार के इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों में लगाए जाते हैं। सौदे को लेकर रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड के चेयरमैन मुकेश अंबानी ने कहा, रिलायंस हमेशा से प्रौद्योगिकियों के क्षेत्र में आगे रहने में विश्वास करती रही है। नेक्सवेफ के साथ हमारी साझेदारी एक बार फिर इस बात की गवाही देती है कि हम भारत की तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था के लिए सस्ती हरित ऊर्जा की जरूरतों को पूरा करने के लिए एक महत्वाकांक्षी मिशन की शुरुआत कर रहे हैं।

चेन्नई में नवरात्र के अवसर पर फूलों की मंडी में लगी खरीददारों की भीड़

बिजली उत्पादन के लिए नहीं होगा कोयला संकट: केंद्रीय मंत्री

भाषा। बिलासपुर

● ईंधन की कमी के बीच प्रह्लाद जोशी कोयला संपन्न राज्यों छत्तीसगढ़, झारखंड के दौरे पर

कोयले की कमी से जूझ रहे देश के बिजली उत्पादक संयंत्रों के बीच, केंद्रीय कोयला मंत्री प्रल्हाद जोशी ने बुधवार को आश्वासन दिया कि विद्युत उत्पादन के लिए कोयले की आपूर्ति में कोई संकट नहीं होगा। वह बिलासपुर हवाई अड्डे पर पहुंचने के बाद पड़ोसी कोरबा जिले की ओर जाने से पहले पत्रकारों से बात कर रहे थे। कोरबा में वह कोल इंडिया की सहायक कंपनी साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एसईसीएल) की गेवरा, दीपका और कुसमुंडा खदानों का जायजा लेंगे और अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करेंगे।

यह पूछे जाने पर कि क्या कांग्रेस कोयले की कमी का दावा कर रही है, कोयला और खान मंत्री ने कहा, मैं इस पर राजनीति नहीं करना चाहता। हम पहले से ही कुल आवश्यकता को पूरा कर रहे हैं। उन्होंने कहा, आज, बिजली उत्पादन के लिए 11 लाख टन कोयले की आवश्यकता है और हम पहले ही 20 लाख टन कोयले की आपूर्ति कर चुके हैं। इसकी वजह से स्टॉक भी बढ़ रहा है। मैं विश्वास दिलाता हूं कि देश में बिजली उत्पादन के लिए आपूर्ति में कोई दिक्कत नहीं होगी। जोशी ने कहा कि वह एसईसीएल की खदानों का जायजा लेने और वहां उत्पादन में तेजी लाने के लिए चर्चा करने जा रहे हैं।

उन्होंने कहा, जहां तक आवश्यकता का सवाल है, बिजली मंत्रालय ने 19 लाख टन (बिजली उत्पादन इकाइयों के लिए) और 20 (अक्टूबर) के बाद 20 लाख टन की आपूर्ति की मांग रखी थी। आज ही हमने 20 लाख टन की आपूर्ति की है और बाकी चीजों पर मैं (खदानों की) समीक्षा के बाद चर्चा करूंगा। मंगलवार को, प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने कोयला आपूर्ति और बिजली उत्पादन की स्थिति की समीक्षा की, क्योंकि सरकार कई राज्यों में ऊर्जा संबंधी संकट को कम करने के तरीकों पर विचार कर रही है। सूत्रों ने पहले कहा था कि कोयला मंत्रालय को कोयले की आपूर्ति में तेजी लाने के लिए कहा गया है, जबकि रेलवे को कोयला ईंधन, बिजली संयंत्रों तक पहुंचाने के लिए रेक उपलब्ध कराने को कहा गया है। कोयले की कमी ने राजस्थान से लेकर केरल तक राज्यों को अलग-अलग समय में बिजली कटौती करने को मजबूर किया है।

कोयले से चलने वाले लगभग दो-तिहाई बिजली संयंत्रों में एक सप्ताह या उससे कम समय का भंडार था, लेकिन कोयला मंत्रालय ने पहले कहा था, बिजली आपूर्ति में व्यवधान का कोई भी डर पूरी तरह से गलत है। वहीं देश के बिजली संयंत्रों में कोयले की कमी के बीच कोयला मंत्री प्रह्लाद जोशी बुधवार से कोयला संपन्न राज्यों झारखंड और छत्तीसगढ़ के दो दिवसीय दौरे पर हैं। एक अधिकारी के अनुसार, मंत्री बुधवार को कोल इंडिया की इकाई साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड की छत्तीसगढ़ में तीन खदानों- गेवरा, दीपका और कुसमुंडा का दौरा करेंगे और उनका जायजा लेंगे।

जोशी झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के साथ बैठक भी करेंगे अधिकारी ने बताया कि मंत्री बृहस्पतिवार को कोल इंडिया की इकाई सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड और भारत कोकिंग कोल लिमिटेड के प्रदर्शन की समीक्षा करेंगे और सीसीएल की अशोक खदान का दौरा करेंगे। जोशी ने मंगलवार को कहा था कि सरकार बिजली उत्पादकों की कोयले की मांग को पूरा करने के लिए पूरे प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा था कि कोयले की आपूर्ति को वर्तमान में प्रति दिन 19.5 लाख टन से बढ़ाकर 20 लाख टन प्रतिदिन करने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं।। मंत्री ने सभी हितधारकों को बिजली उत्पादन के लिए आवश्यक कोयले की आपूर्ति का आश्वासन दिया था।

पेज एक का शेष

चीन को...

उम्मीद करते हैं कि वह असंबद्ध मुद्दों को जोड़ने की बजाए द्विपक्षीय समझौतों एवं प्रोटोकाल का पूरी तरह से पालन करते हुए वास्तविक नियंत्रण रेखा पर शेष मुद्दों के जल्द समाधान के लिए काम करेगा। उल्लेखनीय है कि 13वें दौर की सैन्य स्तर की वार्ता के बाद भारतीय सेना ने कहा कि उसके रचनात्मक सुझावों पर न तो चीनी पक्ष सहमत हुई और न ही वह कोई प्रगतिशील सुझाव दे पाई। वहीं, चीन सेना के पश्चिमी थिएटर कमान ने कहा कि भारत अव्यावहारिक और अवास्तविक मांग पर जोर दे रहा है।

मादक पदार्थों...

कुछ अंतरराष्ट्रीय संबंधों की जानकारी मिली है। जो प्रथमदृष्टया मादक पदार्थ की अवैध खरीद-फरोख्त की ओर इशारा करती है। जांच के लिए पर्याप्त समय की जरूरत है क्योंकि संबंधित विदेशी एजेंसी से संपर्क करना है। एनसीबी की ओर से अतिरिक्त सॉलिसीटर जनरल अनिल सिंह ने दलील दी कि अगर एक भी आरोपी को जमानत पर छोड़ा जाता है तो जांच बाधित होगी। उन्होंने अदालत से कहा कि आरोपियों (आर्यन खान और अरबाज मर्चेंट) के वॉट्सऐप चैट में बड़ी मात्रा में मादक पदार्थों और एक विदेशी नागरिक की बातचीत का जिक्र है। गौरतलब है कि अदालत अरबाज मर्चेंट, मुनमुन धामेचा, नूपुर सतीजा, अक्षित कुमार, मोहक जायसवाल, श्रेयस अय्यर और अविन साहू की जमानत याचिकाओं पर भी सुनवाई कर रही है। अब तक इस मामले में 20 लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

जी-20 नेताओं...

पर पहली बहुपक्षीय प्रतिक्रिया को दर्शाती है। जी-20 नेताओं-रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और चीनी नेता शी चिनफिंग का प्रतिनिधित्व मंत्रियों ने किया जबकि अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने खुद इस शिखर सम्मेलन को संबोधित किया। वहीं यूरोपीय संघ तालिबान की अंतरिम सरकार को वैधता नहीं प्रदान करने के संबंध में सर्तक नजर आया। यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सूला वॉन डेर लेएन ने कहा कि अफगानिस्तान के लोगों को तालिबान के कार्यों की कीमत नहीं चुकानी चाहिए।

मनमोहन सिंह...

हूं। पंजाब के मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी और कांग्रेस के कई अन्य नेताओं ने मनमोहन सिंह के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की है। चन्नी ने ट्वीट किया, पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के जल्द स्वस्थ होने और अच्छी सेहत की कामना करता हूं। कांग्रेस प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने कहा, मनमोहन सिंह जी के जल्द और पूरी तरह स्वस्थ होने की कामना करती हूं। इसी साल अप्रैल में मनमोहन सिंह कोरोना से संक्रमित भी हुए थे और एम्स में कुछ दिनों तक उपचार के बाद उन्हें छुट्टी मिली थी। पूर्व प्रधानमंत्री ने चार मार्च और तीन अप्रैल को कोरोना के टीकों की दो खुराक ली थी। पिछले साल एक नई दवा के कारण रिएक्शन और बुखार होने के बाद भी मनमोहन सिंह को एम्स में भर्ती कराया गया था। कई दिनों के बाद उन्हें अस्पताल से छुट्टी मिली थी। मनमोहन सिंह कांग्रेस के वरिष्ठ नेता हैं और फिलहाल राजस्थान से राज्यसभा सदस्य हैं। वह 2004 से 2014 तक देश के प्रधानमंत्री रहे। एम्स में 2009 में उनकी हृदय बाईपास सर्जरी हुई थी।

फ्लाईओवर से...

पुष्टि नहीं की गई है। घटना के बाद मौके पर मौजूद लोगों ने बताया कि बस रॉन्ग साइड आ रही थी। फ्लाईओवर पर बाइक को टक्कर मारने के बाद बस का संतुलन बिगड़ गया और रेलिंग तोड़ते हुए नीचे गिर गई। हादसे की सूचना पर मौके पर जिलाधिकारी और एसएसपी पहुंच गए हैं। प्रदेश सरकार में स्वास्थ्य राज्य मंत्री और स्थानीय विधायक अतुल गर्ग भी घटनास्थल पर पहुंचे हैं।

आशीष मिश्रा...

केंद्रीय गृह राज्य मंत्री अजय मिश्रा ट्रेनी के पुत्र आशीष मिश्रा का करीबी है। इसके पहले अंकित के लखनऊ स्थित आवास पर एसआईटी की ओर से नोटिस चस्पा कर उसे बयान दर्ज कराने के लिए क्राइम ब्रांच के लखीमपुर खीरी स्थित दफ्तर बुलाया गया था। दोनों लखीमपुर पुलिस लाइन स्थिति क्राइम ब्रांच के दफ्तर पहुंचे। दरअसलए तीन अक्टूबर को लखीमपुर में हुई हिंसक झड़प में चार किसान, भाजपा कार्यकर्ता और पत्रकार सहित कुल आठ लोगों की मौत हो गई थी। अंकित दास पर हिंसा के दौरान घटनास्थल पर मौजूद रहने का आरोप है। किसानों को कुचलने वाली जीप के पीछे पीछे चल रही फार्चयूनर अंकित दास के नाम रजिस्टर्ड बताई जा रही है। अंकित के ड्राइवर को पुलिस पहले ही गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है। बुधवार सुबह पुलिस ने अंकित के नाम जारी नोटिस को उसके आवास पर चस्पा किया। नोटिस में अंकित को बयान दर्ज कराने के लिए आज ही यानी 13 अक्टूबर की ही तारीख दी गई थी। इसके थोड़ी देर बाद लखीमपुर में अंकित के क्राइम ब्रांच के दफ्तर पहुंचने की सूचना आई। बताया जा रहा है कि उसके साथ कई वकील भी थे। पुलिस ने उसके साथ ही उसके निजी गनर लतीफ को भी हिरासत में लिया। दोनों को क्राइम ब्रांच के दफ्तर ले जाया गया। जहां उनसे लगभग पांच घंटे तक पूछताछ चली और फिर उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। क्राइम ब्रांच ने अंकित दास और उनके निजी गनर को कोर्ट में पेश किया। सीजेएम कोर्ट में अंकित दास पर सुनवाई हुई। इस दौरान पुलिस ने अंकित की 14 दिन की रिमांड की मांग की। जिस पर फैसला सुरक्षित रखा गया। कोर्ट ने अंकित को 22 अक्टूबर तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। जिसमें से वह तीन दिन यानी 14 से 17 अक्टूबर तक पुलिस की कस्टडी में रहेंगे।

लखीमपुर मामले...

किसानों की मौत और केंद्रीय गृह राज्य मंत्री अजय मिश्रा के बेटे आशीष मिश्रा की गिरफ्तारी के बारे में हार्वर्ड केनेडी स्कूल में बातचीत के दौरान पूछे गए एक सवाल के जवाब में यह टिप्पणी की। उनसे पूछा गया था कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और वरिष्ठ मंत्रियों की तरफ से इस पर कुछ क्यों नहीं कहा गया और जब भी कोई ऐसी बातों के बारे में पूछता है तो हमेशा बचाव वाली प्रतिक्रिया क्यों दी जाती है। इस पर उन्होंने कहा, नहीं, ऐसा बिल्कुल भी नहीं है....अच्छा है कि आपने ऐसी घटना उठाई, जो पूरी तरह से निंदनीय है और हम में से हर कोई यह कह रहा है। इसी तरह दूसरी जगहों पर हो रही घटनाएं मेरी चिंता का कारण हैं। सीतारमण ने कहा, भारत में इस तरह के मामले देश के बहुत से अलग-अलग हिस्सों में समान रूप से हो रहे हैं। मैं चाहती हूं कि आप और डॉ. अमर्त्य सेन सहित कई अन्य लोग, जो भारत को जानते हैं, वे जब कभी ऐसी घटना होती है, उसे हर बार उठाएं। इस प्रकार की घटना को मात्र उस समय नहीं उठाया जाए, जब इन्हें उठाना हमारे लिए इसलिए अनुकूल है, क्योंकि यह एक ऐसे राज्य में हुई, जहां भाजपा सत्ता में है, जिसमें मेरे एक कैबिनेट सहयोगी का बेटा शायद मुश्किल में है। उन्होंने कहा कि इस घटना के पीछे किसका हाथ है, यह पता लगाने के लिए पूर्ण जांच की जाएगी। उन्होंने कहा, और यह मेरी पार्टी या मेरे प्रधानमंत्री के बचाव के बारे में नहीं है। यह भारत के बचाव के बारे में है। मैं भारत के लिए बात करूंगी, मैं गरीबों के लिए न्याय की बात करूंगी। मेरा उपहास नहीं किया जाएगा और अगर मजाक उड़ाया जाएगा, तो मैं खड़ी होकर अपने बचाव में कहूंगी कि क्षमा करें, चलिए तथ्यों पर बात करते हैं। आपके लिए यही मेरा जवाब है। किसानों के विरोध संबंधी एक सवाल के जवाब में, सीतारमण ने कहा कि सरकार द्वारा लाए गए तीन कृषि अधिनियमों पर एक दशक में विभिन्न संसदीय समितियों द्वारा चर्चा की गई थी। उन्होंने कहा कि 2014 में भाजपा के सत्ता में आने के बाद केंद्र द्वारा इन तीनों कानूनों पर राज्य सरकारों द्वारा अलग-अलग चर्चा की गई है और हर हितधारक से राय-मश्विरा किया गया।

दिल्ली को हराकर केकेआर खिताबी मुकाबले में पहुंचा

शुभमन गिल और वेंकटेश अय्यर ने पहले विकेट की साझेदारी में 96 रन जोड़े

●राहुल ने छक्का मारकर दिलाई जीत

भाषा। शारजाह

कोलकाता नाइटराइडर्स ने दूसरे क्वालीफायर मुकाबले में दिल्ली कैपिटल्स को तीन विकेट से हराकर फाइनल में प्रवेश कर लिया। मैच में केकेआर ने टॉस जीतकर दिल्ली को पहले बैटिंग के लिए बुलाया था लेकिन टीम 20 ओवर में पांच विकेट के नुकसान पर सिर्फ 135 का स्कोर ही बना सकी। 136 रनों का टारगेट को कोलकाता ने 19.5 ओवर के खेल में सात विकेट के नुकसान पर हासिल कर लिया।

हार के साथ ही ऋषभ पंत की कप्तानी वाली दिल्ली कैपिटल्स के लगातार दूसरी बार फाइनल में जगह बनाने का सपना बस सपना ही बनकर रह गया जबकि केकेआर तीसरी बार फाइनल में एंट्री करने में सफल रही। एक समय केकेआर को आसान जीत के लिए फेवरेट माना जा रहा था, लेकिन दिल्ली ने जोरदार वापसी की सात रनों के अंदर केकेआर के छह विकेट चटकाए। दिनेश कार्तिक, कप्तान ओएन मोर्गन और शाकिब अल हसन शून्य पर आउट हुए। अंतिम ओवर में कोलकाता को 7 रनों की जरूरत थी और गेंदबाजी की जिम्मेदारी आर अश्विन के पास थी।

टारगेट का पीछा करते हुए कोलकाता की शानदार शुरुआत देखने को मिली। पहले विकेट के लिए शुभमन गिल और वेंकटेश अय्यर ने 12.2 ओवर के खेल में 96 रन जोड़े। एक समय ऐसा लग रहा था कि यही जोड़ी मैच फिनिश करके मैदान से बाहर निकलेगी लेकिन इस पार्टनरशिप को कगिसो रबाडा ने अय्यर (55) को आउट कर तोड़ा।

इसके बाद एनरिक नोर्त्या ने नितीश राणा (13) को आउट कर केकेआर को दूसरा झटका पहुंचाया। अगले ही ओवर में आवेश खान ने शुभमन गिल (46) को आउट कर दिल्ली को तीसरी सफलता दिलाई।

मौजूदा सीजन में टारगेट का पीछा करते हुए कोलकाता की यह लगातार छठी जीत है। टीम इससे पहले 2012 और 2014 के फाइनल खेल चुकी है। दोनों बार टीम टूर्नामेंट जीतने में सफल रही। इससे पूर्व

स्कोर बोर्ड

दिल्ली कैपिटल्स: पृथ्वी साव पगबाधा बो चक्रवर्ती 18,शिखर धवन का शाकिब अल हसन बो वरुण चक्रवर्ती 36, मार्कस स्टोइनिस बो शिवम मावी 18, श्रेयस अय्यर नाबाद 30, ऋषभ पंत का त्रिपाठी बो फर्ग्यूसन 06, शिमरोन हेटमायर रन आउट 17, अक्षर पटेल नाबाद 04
अतिरिक्त: 06
कुल: 20 ओवर में पांच विकेट पर : 135 रन
विकेट पतन:1-32, 2-71, 3-83, 4-90, 5-117
गेंदबाजी: शाकिब अल हसन 4-0-28-0, लॉकी फर्ग्युसन 4-0-26-1, सुनील नारायण 4-0-27-0, वरुण चक्रवर्ती 4-0-26-2, शिवम मावी 4-0-27-1
कोलकाता नाइट राइडर्स: शुभमन गिल का पंत बो आवेश 46, वेंकटेश अय्यर का स्मिथ बो रबाडा 55, नीतिश राणा काा हेटमाएर बो नोर्किया 13, राहुल त्रिपाठी नाबाद 12, दिनेश कार्तिक बो रबाडा 0, इयोन मोर्गन बो नोर्किया 0, शाकिब अल हसन पगबाधा बो अश्विन 0, सुनील नारायण का पटेल बो अश्विन 0, लॉकी फर्ग्युसन नाबाद 0
अतिरिक्त: 10 रन
कुल योग: 19.5 ओवर में सात विकेट पर 136 रन
विकेट पतन:1-96, 2-123, 3-125, 4-126,5-129, 6-130, 7-130
गेंदबाजी: नोर्किया 4-0-31-2, अश्विन 3.5-0-27-2, आवेश 4-0-22-1, पटेल 4-0-32-0, रबाडा 4-0- 23-2

अक्षर की जगह शार्दुल ठाकुर को मौका

टी-20 विश्व कप के लिए भारतीय टीम ने किया बदलाव

●खराब फार्म के बावजूद हार्दिक टीम में बरकरार

भाषा। नई दिल्ली

संयुक्त अरब अमीरात और ओमान में 17 अक्टूबर से शुरू होने वाले टी-20 विश्व कप के लिए भारतीय टीम में बुधवार को अक्षर पटेल की जगह तेज गेंदबाज आलराउंडर शार्दुल ठाकुर को शामिल किया गया। ठाकुर (29 वर्ष) ने यूएई में खेली जा रही इंडियन प्रीमियर लीग में चेन्नई सुपर किंग्स के लिए 18 विकेट चटकाकर प्रभावित किया है।

इसके साथ ही भारत ने टी-20 विश्व कप के लिए अपनी अंतिम टीम की घोषणा की। टीमों को बदलाव करने के लिए 15 अक्टूबर तक का समय दिया गया है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड के सचिव जय शाह ने एक बयान में कहा कि अखिल भारतीय सीनियर चयन समिति ने टीम प्रबंधन के साथ चर्चा के बाद शार्दुल ठाकुर को मुख्य टीम में शामिल किया है।

हरफनमौला अक्षर पटेल 15 सदस्यीय टीम का हिस्सा थे, लेकिन अब वह स्टैंड-बाय खिलाड़ियों की सूची में जुड़ जाएंगे। मुंबई इंडियंस के लिए खेलने वाले तेज गेंदबाज आलराउंडर हार्दिक पंड्या फिटनेस मुद्दों के कारण आइपीएल के दौरान गेंदबाजी नहीं कर रहे थे तो चयनकर्ता उनके लिए एक कवर चाहते थे। चयन समिति के करीबी एक सूत्र ने कहा कि चयनकर्ताओं को महसूस हुआ कि

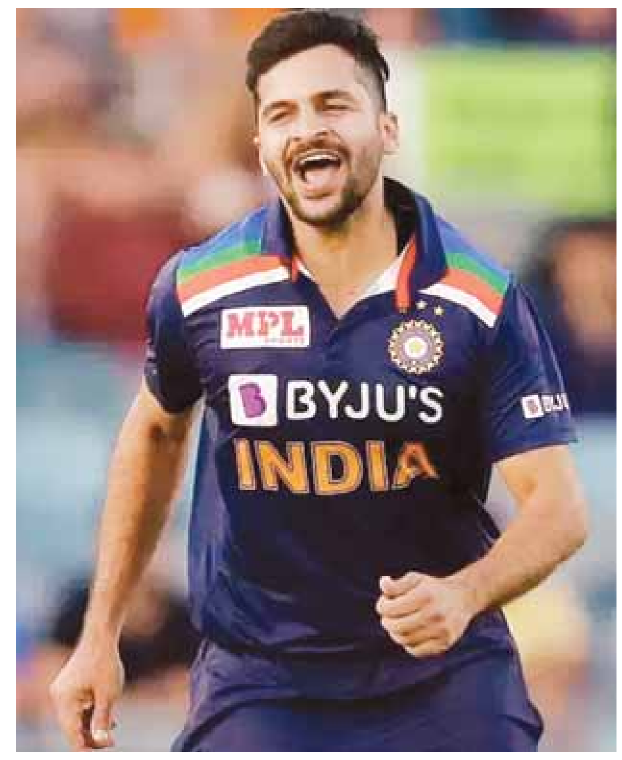

उनके पास एक तेज गेंदबाज की कमी थी और फिर हार्दिक पंड्या भी गेंदबाजी नहीं कर रहे थे तो उन्हें मुख्य टीम में एक आलराउंडर की जरूरत थी। सूत्र ने कहा कि अक्षर स्टैंड-बाय के तौर पर बने रहेंगे और अगर रविंद्र जडेजा चोटिल हो जाते हैं तो वह फिर से मुख्य टीम में शामिल हो जाएंगे। जब तक जड्डू खेलते हैं तो अक्षर की जरूरत नहीं होगी।

बयान के अनुसार क्रिकेटर दुबई में टीम के बायो-बबल से जुड़ेंगे और तैयारियों में टीम इंडिया की मदद करेंगे : आवेश खान, उमरान मलिक, हर्षल पटेल, लुकमान मेरीवाला, वेंकटेश अय्यर, कर्ण शर्मा, शाहबाज अहमद और के गौतम।

रेलवे के लेग स्पिनर कर्ण शर्मा को शामिल करना हैरानी भरा फैसला था जो इस समय चेन्नई सुपर किंग्स का हिस्सा हैं। महेंद्र सिंह धोनी के करीबी माने जाने वाले कर्ण शर्मा को साल दर साल चेन्नई की फ्रेंचाइजी में रिटेन किया गया है जबकि उन्होंने ज्यादा मैच नहीं खेले हैं क्योंकि ऐसा माना जाता है कि वह फ्रेंचाइजी के लिए भाग्यशाली रहे हैं। लेग स्पिनर युजवेंद्र चहल रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर के लिए आईपीएल में प्रभावशाली प्रदर्शन के बावजूद टीम में जगह नहीं हासिल कर सके।

उन्होंने 15 मैचों में 18 विकेट चटकाए हैं। भारतीय टीम 24 अक्टूबर को पाकिस्तान के खिलाफ अपने अभियान की शुरूआत करेगी।

टीम: विराट कोहली (कप्तान), रोहित शर्मा ,केएल राहुल, सूर्यकुमार यादव, ऋषभ पंत, ईशान किशन, हार्दिक पंड्या, रविंद्र जडेजा, राहुल चाहर, रविचंद्रन अश्विन, शार्दुल ठाकुर, वरुण चक्रवर्ती, जसप्रीत बुमराह, भुवनेश्वर कुमार, मोहम्मद शमी। **स्टैंड-बाय खिलाड़ी:** श्रेयस अय्यर, दीपक चाहर और अक्षर पटेल।

टी-20 विश्व कप के लिए भारतीय टीम की पोशाक जारी

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम की आगामी टी-20 विश्व कप के लिए पोशाक बुधवार को जारी की गई और इस बिलियन चीयर्स पोशाक के बारे में दावा किया गया है कि यह प्रशंसकों से प्रेरित है। भारतीय टीम 17 अक्टूबर से 14 नवंबर तक संयुक्त अरब अमीरात और ओमान में होने वाले टी20 विश्व कप में अपने अभियान की शुरूआत दुबई में चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान से करेगी। भारतीय पुरुष, महिला और अंडर-19 टीमों की आधिकारिक किट प्रायोजक एमपीएल स्पोर्ट्स द्वारा इस नई पोशाक को जारी किया गया जिसे बिलियन चीयर्स पोशाक कहा जा रहा है जो टीम के प्रशंसकों की प्रेरणा से बनाई गई है। एमपीएल स्पोर्ट्स की विज्ञप्ति के अनुसार भारतीय क्रिकेट के इतिहास में यह पहली बार है जब प्रशंसकों की भावनाओं को पोशाक पर दर्शाया गया है जिसे एक विशिष्ट ध्वनि तरंग के पैटर्न से दिखाया गया है। पोशाक में गाढ़े नीले रंग के दो शेड हैं। बीसीसीआई (भारतीय क्रिकेट बोर्ड) के अध्यक्ष सौरव गांगुली ने कहा, भारतीय क्रिकेट टीम के सिर्फ भारत में ही नहीं बल्कि दुनिया भर में प्रशंसक मौजूद हैं और उनके उत्साह और ऊर्जा का जश्न मनाने के लिए पोशाक पर इसे दिखाने से बेहतर और कोई तरीका नहीं हो सकता था। उन्होंने कहा कि इसमें कोई शक नहीं कि इससे टीम को टी20 चैम्पियन बनने की राह में जरूरी समर्थन मिलेगा। बीसीसीआई सचिव जय शाह ने भी इसका समर्थन करते हुए कहा, पोशाक के पीछे प्रत्एक भारतीय क्रिकेट प्रशंसक की कहानी है। हमें पूरा भरोसा है कि इस पोशाक को पहनना टीम और समर्थकों के लिए गर्व की बात होगी। यह पोशाक 1,799 रुपए में स्टोर में उपलब्ध होगी। इसके साथ ही इसके 10 स्वरूप भी लांच किए गए हैं।

भारत की पुरुष टीम थामस कप के क्वार्टर फाइनल में

●महिलाएं उबेर कप के अंतिम ग्रुप मैच हारीं

भाषा। आरहस (डेनमार्क)

भारतीय पुरुष बैडमिंटन टीम ने ताहिती को 5-0 से करारी शिकस्त देकर 2010 के बाद पहली बार थामस कप के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया लेकिन महिला टीम को उबेर कप में अपने अंतिम ग्रुप मैच में मजबूत थाईलैंड से 0-5 से करारी हार मिली।

भारतीय महिला टीम की यह पहली हार थी, उसने स्पेन को 3-2 और स्कॉटलैंड को 4-1 से हराया था। टीम पहले ही उबेर कप के क्वार्टर फाइनल में पहुंच गई थी।

भारतीय पुरुष टीम ने मंगलवार को दूसरे मुकाबले में 5-0 से लगातार दूसरी जीत दर्ज की। इससे पहले उसने रविवार को नीदरलैंड को इसी अंतर से हराया था। ताहिती पर जीत से भारतीय पुरुष टीम का ग्रुप सी में शीर्ष दो में स्थान पक्का हो गया। उसका अगला मुकाबला चीन से होगा। टीम ने इससे पहले 2010 में थामस कप के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई थी जहां उसे इंडोनेशिया से हार का सामना करना पड़ा था।

उबेर कप में भारतीय महिला टीम को ग्रुप बी के अंतिम मैच में थाईलैंड से हार मिली।

मालविका बंसोद को पोर्णापावी चूचोवोंग से शुरूआती महिला एकल में 15-21, 11-21 से हार मिली। भारत को अगले युगल मैच में जीत दर्ज करने की जरूरत थी लेकिन अश्विनी पोनप्पा और सिक्की एन रेड्डी की जोड़ी जोंगकोलफान किटिथाराकुल और राविंडा प्राजोंगजाई की जोड़ी से 16-21, 12-21 से पराजित हो गई।

हॉकी इंडिया ने बेल्जियम की आपत्तियों को नस्लीय भेदभाव करार दिया

नई दिल्ली। हॉकी इंडिया ने दावा किया कि भारतीय खिलाड़ियों के एफआईएच सालाना पुरस्कारों में सभी पुरस्कार जीतने पर बेल्जियम की सार्वजनिक नाराजगी किसी नस्लीय भेदभाव से कम नहीं है और विश्व संस्था को इस मामले पर जांच शुरू करनी चाहिए। अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ (एफआईएच) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी थिएरी वेल को कड़े शब्दों में लिखे गए पत्र में हॉकी इंडिया के अध्यक्ष ज्ञानेंद्रो निंगोम्बाम ने कहा कि बेल्जियम और उसके खिलाड़ियों का मतदान प्रणाली पर सवाल उठाकर भारतीय पुरस्कार विजेताओं का अपमान करना और उनकी उपलब्धियों को नीचा दिखाना था। निंगोम्बाम ने पत्र में लिखा, भारतीय विजेताओं की घोषणा पर नाराजगी के सार्वजनिक बयान बेहद अपमानजनक है और यह हॉकी खेल और खेल भावना के अंतर्गत नहीं है।

नई आईपीएल टीमों के लिए अभी और करना होगा इंतजार

●बोर्ड ने दस्तावेज खरीदने के लिए 20 अक्टूबर तक का समय बढ़ाया

भाषा। नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने नई इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) टीमों के लिए निविदा दस्तावेज खरीदने की समय सीमा 20 अक्टूबर तक 10 दिन के लिए बढ़ा दी है और विश्वस्त सूत्रों के अनुसार दो नई फ्रेंचाइजी में प्रत्येक की कीमत 3500 करोड़ रुपए से कम की नहीं होगी। आईपीएल की संचालन परिषद ने 31 अगस्त को 10 लाख रुपए के निविदा शुल्क (जिसे वापस नहीं किया जाएगा) के भुगतान पर निविदा आमत्रंण (आईटीटी) दस्तावेज जारी किया था।

इसे पहले 10 अक्टूबर तक बढ़ा दिया गया था। बीसीसीआई की विज्ञप्ति के अनुसार विभिन्न इच्छुक कंपनियों के अनुरोध को देखते हुए आईटीटी दस्तावेज खरीदने की तारीख को और बढ़ाकर अब 20 अक्टूबर 2021 तक करने का फैसला किया गया है।

बीसीसीआई की योजना 2022 आईपीएल चरण में दो और टीमों को जोड़ने की है और इनके अहमदाबाद, लखनऊ और पुणे से होने की उम्मीद है। पता चला है कि बड़े व्यावसायिक घराने जैसे कोटक ग्रुप, ओरोबिंदो फार्मा, टोरेंट फार्मा, आरपी-संजीव गोयंका ग्रुप, बिड़ला ग्रुप और अडानी ग्रुप आईपीएल में टीम खरीदने के इच्छुक हैं जो फिलहाल अभी आठ टीमों का टूर्नामेंट है।

बीसीसीआई कम से कम 7000 करोड़ रुपए की कमाई करने की उम्मीद कर रहा है, हालांकि प्रत्येक टीम का आधार मूल्य 2000 करोड़ रुपए रखा गया है।

भारतीय क्रिकेट बोर्ड ने तीन दल के समूह को बोली लगाने की अनुमति दी है। नई टीमों की घोषणा दुबई में 25 अक्टूबर को किए जाने की उम्मीद है जिससे एक दिन पहले भारत टी-20 विश्व कप में अपने अभियान की शुरूआत चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के खिलाफ करेगा।

राशिद ने चोटी के पांच टी-20 अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों में कोहली और हार्दिक को रखा

दुबई। अफगानिस्तान के स्टार राशिद खान ने भारतीय कप्तान विराट कोहली और आलराउंडर हार्दिक पंड्या को विश्व कप के शीर्ष पांच टी20 खिलाड़ियों में शामिल किया है। उन्होंने कहा कि ए दोनों किसी भी तरह की परिस्थिति में अपनी टीम के लिए मैच जीतने की क्षमता रखते हैं।

नारायण को विश्व कप टीम में नहीं लिया जाएगा: कीरोन पोलार्ड

भाषा। शारजाह

वेस्टइंडीज के कप्तान कीरोन पोलार्ड ने कहा कि इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) की तरफ से अच्छा प्रदर्शन करने के बावजूद स्पिनर सुनील नारायण को टी-20 विश्व कप के लिए कैरेबियाई टीम में नहीं लिया जाएगा। 33 वर्षीय नारायण ने सोमवार को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर के खिलाफ चार विकेट लेने के अलावा बल्लेबाजी में भी कमाल दिखाया। यूएई चरण में उन्होंने आठ मैचों में 11 विकेट लिए हैं लेकिन उन्होंने अगस्त 2019 से अंतरराष्ट्रीय मैच नहीं खेला है जिससे मौजूदा चैंपियन वेस्टइंडीज ने उन्हें विश्व कप के लिए टीम में नहीं रखा।

टीम में बदलाव करने की आईसीसी की समयसीमा शुक्रवार को समाप्त हो रही है। पोलार्ड ने कहा कि अगर मैं टीम में उसको शामिल नहीं करने के कारणों पर बात करता हूं तो इसे तोड़ मरोड़कर पेश किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि बेहतर है कि हम उन 15 खिलाड़ियों पर ध्यान दें तो जो अभी हमारे पास है। यह हमारे लिए अधिक महत्वपूर्ण है। हमें इस पर काम करना होगा कि क्या हम इन खिलाड़ियों के साथ अपने खिताब का बचाव कर सकते हैं। पोलार्ड ने कहा कि मैं इस पर टिप्पणी नहीं करना चाहता। इस पर काफी कुछ कहा जा चुका है।

एडिंग्स ने क्रिकेट आस्ट्रेलिया का अध्यक्ष पद छोड़ा

भाषा। मेलबर्न

अर्ल एडिंग्स ने कुछ प्रांतों से समर्थन नहीं मिलने के कारण सोमवार को क्रिकेट आस्ट्रेलिया (सीए) अध्यक्ष पद से त्यागपत्र दे दिया। क्रिकेट आस्ट्रेलिया ने गुरुवार को होने वाली वार्षिक आम बैठक (एजीएम) से पहले रिचर्ड फ्रूडेनस्टीन को अंतरिम प्रमुख की भूमिका सौंपी है। एडिंग्स ने 2018 में अंतरिम अध्यक्ष के रूप में यह जिम्मेदारी संभाली थी। उन्हें एक महीने पहले ही क्रिकेट आस्ट्रेलिया बोर्ड ने सर्वसम्मति से दूसरे कार्यकाल के लिए चुना था। एडिंग्स से अब गुरुवार को एजीएम में फिर से इस पद की उम्मीद्वारी पेश नहीं करने का निर्णय किया है।

क्रिकेट आस्ट्रेलिया ने घोषणा की कि अध्यक्ष की नियुक्ति होने तक वर्तमान निदेशक फ्रूडेनस्टीन इस पद का जिम्मा संभालेंगे।

दिव्या महिला ग्रैंडमास्टर बनी

चेन्नई। 15 वर्ष की दिव्या देशमुख बुडापेस्ट में फर्स्ट सेटरडे ग्रैंडमास्टर शतरंज टूर्नामेंट के दौरान भारत की नई महिला ग्रैंडमास्टर बन गई। उन्होंने नौ राउंड में पांच अंक बनाए।

रोनाल्डो ने कैरियर की 58वीं हैट्रिक जमाई

फुटबाल

एपी। पेरिस

पुर्तगाल के स्टार फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने एक और हैट्रिक जमाकर अपनी टीम को विश्व कप फुटबॉल क्वालीफायर्स में आसान जीत दिलाई जबकि डेनमार्क ने एक और जीत से कतर में अगले साल होने वाले टूर्नामेंट में अपनी जगह पक्की की। यूरोपीय क्वालीफायर्स के मैचों में इंग्लैंड और हंगरी के बीच खेले गए मैच में दर्शकों ने व्यवधान डाला, लेकिन फैरो में खेले गए मैच में रोनाल्डो की चली जिन्होंने क्लब और अपने देश की तरफ से करियर की कुल 58वीं हैट्रिक जमाई। इससे

रोनाल्डो के अंतरराष्ट्रीय गोल की संख्या का रिकार्ड 115 पर पहुंच गया है। पुर्तगाल ने उनके करिश्माई प्रदर्शन से इस मैच में लक्समबर्ग को 5-0 से करारी शिकस्त दी। अपना 182वां अंतरराष्ट्रीय मैच खेल रहे रोनाल्डो की यह पुर्तगाल की तरफ से 10वीं हैट्रिक है। रोनाल्डो ने आठवें और 13वें मिनट में पेनल्टी पर गोल किए और 87वें मिनट में हैट्रिक पूरी की। पुर्तगाल की तरफ से अन्य दो गोल ब्रूनो फर्नाडिस और जोओ पालिन्हा ने किए। इस जीत के बावजूद पुर्तगाल ग्रुप ए में सर्बिया से पीछे है लेकिन उसने एक मैच कम खेला है। सर्बिया ने एक अन्य मैच में अजरबेजान को 3-1 से हराया। प्रत्येक ग्रुप से शीर्ष पर रहने वाली टीम विश्व कप के लिए सीधे क्वालीफाई करेगी जबकि दूसरे स्थान की टीम प्लेऑफ में खेलेगी।

इस बीच डेनमार्क यूरोपीय देशों में विश्व कप के लिए क्वालीफाई करने वाला दूसरा देश बन गया है। उसने कोपेनहेगेन में खेले गए मैच में जोकिम मेहले के दूसरे हाफ में किए गए गोल की मदद से आस्ट्रिया को 1-0 से हराया।

डेनमार्क की यह लगातार आठवीं जीत है जिससे उसने ग्रुप एफ में अपना शीर्ष स्थान सुनिश्चित किया। जर्मनी यूरोप से क्वालीफाई करने वाला पहला देश था। डेनमार्क ने दूसरे नंबर की टीम स्कॉटलैंड पर सात अंक की अजेय बढ़त हासिल कर ली है। स्कॉटलैंड ने फैरो आइलैंड पर 1-0 से जीत दर्ज की।

टी-20 विश्व कप में नस्ल विरोधी अभियान का समर्थन कर सकता है इंग्लैंड: क्रिस जॉर्डन

भाषा। लंदन

इंग्लैंड के तेज गेंदबाज क्रिस जॉर्डन ने कहा कि उनके साथी वेस्टइंडीज के खिलाफ टी-20 विश्व कप के अपने शुरुआती मैच में एक घुटने के बल बैठकर नस्ल विरोधी अभियान का समर्थन करने पर विचार कर रहे हैं। वेस्टइंडीज की टीम पहले ही पुष्टि कर चुकी है कि वह 23 अक्टूबर को होने वाले इस मैच में एक घुटने के बल पर बैठेगी जिसे नस्ल विरोधी अभियान के समर्थन का संकेत माना जाता है।

इंग्लैंड के खिलाड़ियों ने आखिरी बार अगस्त 2020 में आयरलैंड के खिलाफ वनडे मैच के दौरान ऐसा किया था लेकिन आगे ऐसा नहीं करने के उनके फैसले का वेस्टइंडीज के पूर्व तेज गेंदबाज माइकल होल्डिंग ने आलोचना की थी। जॉर्डन ने कहा कि

वे इस महीने शुरू होने वाले टूर्नामेंट के दौरान फिर से एक घुटने के बल बैठने पर विचार कर रहे हैं। जॉर्डन ने कहा कि हम इस पर चर्चा करेंगे और अगर सभी इसके बारे में दृढ़ता से सोचते हैं, तो हम निश्चित रूप से ऐसा करेंगे।

दूसरी तरफ अगर हम ऐसा नहीं सोचते हैं, तो हम नहीं करेंगे। वेस्टइंडीज के टी-20 कप्तान कीरोन पोलार्ड ने पुष्टि की कि उनकी टीम प्रत्एक मैच की शुरूआत में एक घुटने के बल पर बैठेगी। उसका पहला मैच इंग्लैंड से होगा।

THE PIONEER CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, Gursewak Singh S/o Lachman Singh R/o Village Sikh Wala Post Office Sikh wala Tehsil Malout Distt. Sri Muktsar Sahib (Punjab) hereby declare that my name is wrongly written in my passport as Gursewak Singh Rajpal. But my correct name is Gursewak Singh for all future purposes.
PD(9091)C

AFFIDAVIT

I, Kailash Wati, age 72 years, W/o Late Sh. Ganeshi Lal, R/at B-706, Himalaya Apartment, Plot No. 3, Sector-5, Vasundhara, Ghaziabad-201012, Uttar Pradesh and presently r/at J-083, Sears Tower, SJR Palazza City, Doddakannelli, Sarjapur Road, Bangalore-560 035 do hereby declare that my correct name is KAILASH WATI, but in my official records my name is wrongly spelt as KAILASH instead of KAILASH WATI, vide affidavit dated 7th October 2021, sworn before Advocate and Notary ARUNA V. at Bangalore.

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है की मेरा पक्षकार अभिनव कुमार, तृतीय तल, प्रॉपर्टी न. 55, ब्लॉक–ए, चंदू पार्क, गाँव खुरेजी खास, इल्लाका शाहदरा,नयी दिल्ली को मदन मोहन गुप्ता से खरीदने जा रहे है तथा डी एम आइ हाउसिंग फाइनान्स प्राइवेट लिमिटेड के साथ बंधक रख रहा है. तथा मदन मोहन गुप्ता ने उक्त संपत्ति से संबंधित मूल मुख्तयरनामा और वसीयत नामा जिसे नवीन कुमार मल्होत्रा और नीतू ने मदन मोहन गुप्ता के पक्ष मे किया था. तथा जिसके लिए शिकायत तारीख 07.10.2021 को थाना दिल्ली को दी गई है. यह सूचित किया जाता है की उक्त दस्तावेज के आधार पर किसी प्रकार की कोई भी इकरार, बिक्री, बंधक आदि सिवाय अभिनव कुमार, मदन मोहन गुप्ता और उक्त संस्था के बीच, मान्य नही होगा.अगर किसी व्यक्ति ने उक्त दस्तावेज को पाया है तथा किसी व्यक्ति को उक्त संपति मे किसी प्रकार का अधिकार या दावा करना चाहता है तो वह नीचे लिखे न. पर इस प्रकाशन के 07 दिन के अंदर संपर्क कर अपने अधिकार या आपत्ति का की जानकारी दे दे. तथा उक्त कॅगजो को वापस कर दे.
एडरेम लिगल सल्यूशन
चैंबर न. ७६०, द्वारका कोर्ट,सेक्टर–१०, द्वारका, नई दिल्ली–७५
म. ९८९९०१३९१८

PUBLIC NOTICE

Notice is hereby given to the public that various original documents such as DDA NOC for Electric & Water connection No. 145(107)88/SFS/PA-II dated 06.04.93 and allotment cum demand letter File No. 145(0107)88/SFS/PA-II dated 08.01.88 relating to Flat No. 46, FF, Block GH4, Paschimpuri, New Delhi have been lost i.e. An FIR to this effect lodged in P.S. Crime Branch Delhi. IR no. 810780/2021 SO No: 430/2014 date 11.10.2021.
Notice is hereby given that no person should do any transaction without the consent of owner Jaya Raghu and if anybody misusing the same doing it at their own risk. If documents found may return to Jaya Raghu, M: 9717999482.
46, GH-4, Paschimpuri, New Delhi.
E-mail: js.nathan@hotmail.com

सार्वजनिक सूचना

जो कोई भी इससे संबंधित है उसके लिए
मैं, दीपक गर्ग पुत्र श्री. प्रदीप कुमार निवासी H.No. 348, प्रताप वाटिका, डॉ. उमेश स्ट्रीट, शिवाजी नगर, पिलखुवा, यूपी - 245304, आम जनता को सूचित करना चाहता हूं कि मेरी 10 वीं की मार्कशीट में मेरे पिता का नाम श्री प्रदीप कुमार गर्ग लिखा है और उनके सभी सरकारी दस्तावेजों में नाम श्री प्रदीप कुमार लिखा है मैं आपको बताना चाहता हूं कि दोनों नाम मेरे पिता के ही हैं। कृपया इसका संज्ञान लें।
दीपक गर्ग

सार्वजनिक सूचना

सभी जन को यह सूचित किया जाता है की मैं, पुलकित गर्ग पुत्र स्वर्गीय श्री नरेश कुमार गर्ग, फ- 35, सेक्टर 40 नॉएडा - 201301 का निवासी हूँ, मैं यह बताना चाहता हूँ कि मैं मकान न० 80, ब्लॉक-बी, रोहिणी सैक्टर - 26 दिल्ली का वर्तमान मालिक हूँ जिसमे मैंने श्री प्रवीण कुमार पुत्र श्री राम लाल, निवासी इए - 1, इए ब्लॉक, इंदरपुरी, दिल्ली - 110012 से दिनांक 10.07.2020 को खरीदा है। अतः सभी जन से यह निवेदन है कि मेरे अलावा कोई अन्य व्यक्ति आपके साथ उपरोक्त संपत्ति की बिक्री/खरीद/ अतिक्रमण/अवैध निर्माण में भागीदारी करता है तो उसके खिलाफ सख्त कार्यवहि कि जाएगी।
धन्यवाद और सादर
पुलकित गर्ग

पूर्वोत्तर रेलवे

ई-टेन्डरिंग निविदा सूचना सं0 49/2021

भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिये मंडल रेल प्रबंधक (इंजी0) पूर्वोत्तर रेलवे, इज्जतनगर निम्नलिखित कार्य हेतु आनलाईन (ई-टेन्डरिंग) के माध्यम से "खुली" निविदा आमंत्रित करते है।
क्र0सं0: 1, कार्य का विवरण: 1. वमंइ/I/इज्जतनगर के कार्य क्षेत्र में विभिन्न पुलों पर बैलास्ट रीटेनर की ऊँचाई के लिए संशोधन का कार्य (स्वीकृत कार्य के अंतर्गत-वमंइ/I/इज्जतनगर के कार्य क्षेत्र में बैलास्ट रीटेनर को अपनाने के लिए संशोधन का कार्य। 2. रूद्रपुरसिटी-हल्दी के मध्य ब्रिज सं. 170 (5.00X 3 मी. स्पेन) किमी. 54/4-5 की ब्रिज स्लैब बदलने का कार्य (ओआरएन 03 ब्रिज)। अनुमानित लागत ₹ में : 1,17,81,673.71, बयाना राशि ₹ में : 0.00, निविदा प्रपत्र का मूल्यः : 0.00, स्वीकृति पत्र जारी होने की तिथि से कार्य पूर्ण करने की अवधि 08 माह। 1. ई-निविदा दिनांक 03.11.2021 को 15.00 बजे तक आन लाइन जमा का सकेंगे 2. ई-निविदा की प्रस्तृति हेतु पूर्ण विवरण भारतीय रेलवे के IREPS वेब साईट www.ireps.gov.in पर देखे।
मंडल रेल प्रबंधक (इंजी0)/इज्जतनगर
मुजाधि/डब्लू-207
यात्री सुविधा सम्बन्धित शिकायत हेतु मो0. 09794845955 पर SMS करें।
ट्रेनों में बीड़ी/सिगरेट न पियें

INDO COTSPIN LTD
REGD. OFFICE : Delhi Mile Stone, 78 K.M. G.T. Road, N.H-1, Village Jhattipur,Post Box No. 3, Post Office Samalkha, Panipat-132103, (Haryana), India

NOTICE

Pursuant to Regulation 29 of the Securities Exchange Board of India (Listing Obligations and Disclosure Requirements) Regulations, 2015, A meeting of Board of Directors of the Company is scheduled to be held on Tuseday, 26th October, 2021 at the registered office of the Company, inter alia to consider and approve and take on record Unaudited Financial Results of the Company for the quarter/half year ended on 30th September, 2021.
CIN:-L17111HR1995PLC032541
EMAIL:-rajpalaggarwal2000@yahoo.com
info@indocotspin.com
www.indocotspin.com
FOR INDO COTSPIN LTD
Date : 06.10.2021 Sd/-
Place : Panipat Raj Pal Aggarwal
Director
DIN :00456189

एस. जयशंकर ने चाबहार बंदरगाह को उत्तर-दक्षिण परिवहन गलियारे में शामिल करने का किया प्रस्ताव

भाषा। एरेवान (आर्मेनिया)

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने संपर्क बढ़ाने की जरूरत पर जोर देते हुए बुधवार को ईरान में रणनीतिक महत्व के चाबहार बंदरगाह को उत्तर-दक्षिण परिवहन गलियारा में शामिल करने का प्रस्ताव किया। साथ ही, वह भविष्य में सहयोग के लिए एक कार्य योजना पर सहमत हुए और उन्होंने आर्मेनियाई विदेश मंत्री ए. मिरजोयान के साथ द्विपक्षीय वार्ता के दौरान विचारों का आदान-प्रदान किया। जयशंकर मध्य एशिया के तीन देशों की अपनी यात्रा के अंतिम चरण में मंगलवार को आर्मेनिया पहुंचे। उनकी इस यात्रा का उद्देश्य द्विपक्षीय संबंधों को और विस्तारित करना तथा अफगानिस्तान में घटनाक्रमों सहित प्रमुख क्षेत्रीय मुद्दों पर चर्चा करना है। भारत के किसी विदेश मंत्री की यह पहली आर्मेनिया यात्रा है।

जयशंकर ने आर्मेनिया के प्रधानमंत्री निकोल पाशीनयान से भी मुलाकात की और उन्हें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की शुभकामनाएं दी। उन्होंने ट्वीट किया, आज मेरी अगवानी करने के लिए धन्यवाद प्रधानमंत्री निकोल पाशीनयान। बैठक ने हमारे दोनों देशों के बीच समन्वय और साझा दृष्टिकोण की ओर ध्यान आकृष्ट किया। हम व्यावहारिक सहयोग का व्यापक एजेंडा तैयार करने पर सहमत हुए जो हमारे परस्पर हित में है। इससे पहले जयशंकर ने आर्मेनिया के अपने समकक्ष के साथ द्विपक्षीय वार्ता की और संयुक्त संवाददाता सम्मेलन को संबोधित किया। जयशंकर ने कहा, भारत और आर्मेनिया, दोनों देश अंतरराष्ट्रीय उत्तर-दक्षिण परिवहन गलियारा (आईएनएससटीसी) के सदस्य है। यह संपर्क में आने वाली बाधाओं को खत्म कर सकता है। इसलिए मंत्री मिरजोयान और मैंने ईरान में भारत द्वारा विकसित किए जा रहे चाबहार बंदरगाह में आर्मेनिया की रूचि पर चर्चा की। उन्होंने कहा, हमनें प्रस्ताव किया कि चाबहार बंदरगाह अंतरराष्ट्रीय उत्तर-दक्षिण परिवहन गलियारा में विकसित किया जाए, हम चाबहार बंदरगाह के उपयोग और क्षेत्रीय संपर्क को बढ़ाने वाली किसी भी अन्य कोशिश का स्वागत करते हैं, जो क्षेत्रीय सपर्क को बढ़ाता हो। ईरान के संसाधन संपन्न सिस्तान-बलोचिस्तान प्रांत के दक्षिणी तट पर स्थित चाबहार बंदरगाह तक भारत के पश्चिमी तट से आसानी से पहुंचा जा सकता है और इसे पाकिस्तान के ग्वादर बंदरगाह की काट माना जा रहा है, जो चाबहार से करीब 80 किमी दूर स्थित है। राजनीतिक एवं सांस्कृतिक क्षेत्रों में द्विपक्षीय संबंध विस्तारित होने का जिक्र करते हुए जयशंकर ने कहा कि आर्थिक और वाणिज्यिक सहयोग तथा पर्यटन, आतिथ्य सत्कार, बुनियादी ढांचा व निवेश को और मजबूत करने की स्पष्ट रूप से गुंजाइश है। चाबहार बंदरगाह के प्रथम चरण का उद्घाटन दिसंबर 2017 में ईरानी राष्ट्रपति हसन रूहानी ने किया था, जिसने ईरान, भारत और अफगानिस्तान के बीच रणनीतिक महत्व का एक नया मार्ग खोल दिया जो पाकिस्तान से होकर नहीं गुजरता है। चाबहार बंदरगाह को भारत, ईरान और अफगानिस्तान द्वारा व्यापार के लिए स्वर्णिम अवसरों का एक द्वार माना जा रहा है। चाबहार बंदरगाह विकसित करने में भारत की रूचि के बारे में पूछे जाने पर जयशंकर ने कहा, हम रूचि रख रहे हैं क्योंकि यदि हम ईरान में और भी बंदरगाह विकसित करते हैं और फिर उन बंदरगाहों से ईरान के उत्तर की ओर संपर्क व्यापार के और अधिक मार्ग खुलेंगे।

एरेवान में आर्मेनिया के पीएम निकोल पाशीनयान से मिलते विदेश मंत्री एस. जयशंकर

नया एंटीवायरल यौगिक कोशिकाओं में वायरस को दाखिल होने से रोकेगाः अध्ययन

वाशिंगटन। वैज्ञानिकों ने एक ऐसे रासायनिक यौगिक को विकसित किया है, जिसके बारे में उनका कहना है कि यह सार्स-सीओवी-2 वायरस से होने वाले संक्रमण को रोक सकता है या अगर संक्रमण के दौरान जल्दी दिया जाए तो कोविड-19 की गंभीरता को कम कर सकता है। अमेरिका में वाशिंगटन यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ मेडिसिन के शोधकर्ताओं के अनुसार, एमएम3122 नामक यौगिक कई वायरस की मानव कोशिकाओं पर हमले की एक प्रमुख विशेषता के साथ हस्तक्षेप कर उन्हें कमजोर करता है। पत्रिका प्रोसीडिंग्स ऑफ द नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज में बताया गया कि यौगिक, मुनष्य में पाए जाने वाले एक प्रमुख प्रोटीन ट्रांसमेम्ब्रेन सेरीन प्रोटीज 2 (टीएमपीआरएसएस2) को निशाना बनाता है, जिसका इस्तेमाल कोरोना वायरस भी मानव कोशिकाओं में प्रवेश करने और उन्हें संक्रमित करने के लिए करता है। अध्ययन के लेखक एवं वाशिंगटन विश्वविद्यालय के प्रोफेसर जेम्स डब्ल्यू जेनेटका ने कहा, सार्स-सीओवी-2 रोधी कई टीके अब मौजूद हैं, लेकिन फिर भी इस वैश्विक महामारी की गंभीरता को कम करने के लिए प्रभावी एंटीवायरल (वायरस रोधी) दवाओं की जरूरत है।

ईरान ने विदेशी खुफिया एजेंसियों के लिए जासूसी करने के आरोप में 10 लोगों को किया गिरफ्तार

तेहरान(एपी)। ईरान ने विदेशी खुफिया सेवाओं से जुड़े होने के आरोप में एक दक्षिणी प्रांत में 10 लोगों को गिरफ्तार किया है। आईआरएनए (इस्लामिक रिपब्लिक न्यूज एजेंसी) संवाद समिति ने मंगलवार को एक खबर में बताया कि ईरान की खुफिया एजेंसी ने बुशेहर प्रांत में अत्याधुनिक तरीकों से और लगातार निगरानी के बाद 10 लोगों को गिरफ्तार किया। उसने उन देशों के नाम नहीं बताएं, जिनसे इन संदिग्धों का संबंध है। संवाद समिति ने ईरान के शत्रु इज़राइल और अमेरिका की ओर इशारा करते हुए कहा कि इन 10 लोगों ने उन क्षेत्रीय देशों के लिए काम किया, जिनकी खुफिया सेवाओं ने शत्रु देशों की खुफिया एजेंसियों के सहयोगियों के रूप में या पर्दे के पीछे से उनके लिए काम किया है। रिपोर्ट में बताया गया है कि ए 10 लोग इन क्षेत्रीय देशों में ईरानी प्रवासी थे। ईरान ने जुलाई में कहा था कि उसके प्राधिकारियों ने देश के दक्षिण-पश्चिम में पानी की कमी को लेकर जारी प्रदर्शनों के बीच इज़राइल की मोसाद खुफिया एजेंसी से जुड़े एक समूह के सदस्यों को गिरफ्तार किया है।

क्विक न्यूज

रूस में एक दिन में कोविड-19 से मौत के सर्वाधिक मामले आए

मॉस्को(एपी)। रूस में कोविड-19 से बुधवार को एक दिन में सर्वाधिक 984 लोगों की मृत्यु हुई। इसके अलावा बुधवार को देश में कोरोना वायरस संक्रमण के 28,717 नए मामले सामने आए। सरकारी कोरोना वायरस कार्यबल ने यह जानकारी दी। देश में बीते कुछ सप्ताह से मौत और संक्रमण के रिकॉर्ड मामले सामने आ रहे है। रूस में टीकाकरण की गति धीमी है और प्राधिकारी पाबंदियों को कड़ा करने के लिए संघर्ष करते नजर आ रहे है। टीकाकरण की दर धीमी होने को मौत और संक्रमण के मामलों में वृद्धि का कारण बताया जा रहा है। प्रधानमंत्री मिखाइल मिशुस्तिन ने मंगलवार को कहा था कि चार करोड़ 30 लाख लोगों या देश की 30 प्रतिशत आबादी का पूरी तरह से टीकाकरण हो चुका है। राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने टीकाकरण को गति देने पर जोर दिया है, लेकिन उन्होंने प्रशासनिक दबाव बनाकर लोगों को टीका लगवाने पर मजबूर करने को लेकर भी आगाह किया। कोरोना वायरस कार्यबल के अनुसार रूस में कोरोना वायरस से अब तक कुल 78 लाख लोग संक्रमित पाए जा चुके है, जिनमें से 219,329 लोगों की मौत हो चुकी है।

सैन्य अभ्यास ताइवान की रक्षा के लिए जरूरी थेः चीन

बीजिंग। चीन के एक अधिकारी ने बुधवार को कहा कि ताइवान के नजदीक सैन्य अभ्यासों और जंगी विमान मिशन राष्ट्र की स्वायत्तता एवं क्षेत्र की रक्षा के लिए जरूरी थे। इससे क्षेत्र में चिंताएं बढ़ी है। चीन की सेना ने इस महीने की शुरूआत में एक दिन में 56 विमानों को ताइवान के दक्षिण पश्चिम अपतटीय क्षेत्र में भेजा था। ए सारे विमान अंतरराष्ट्रीय हवाई क्षेत्र में थे लेकिन इसने इन आशंकाओं को पैदा किया कि कोई भी गलत कदम क्षेत्र में तनाव भड़का सकता है। ताइवान का मानना है कि चीन के ए कदम द्वीप राष्ट्र को सैन्य ताकत के दम पर नियंत्रण करने के खतरे को दर्शाता है जिसपर चीन दावा करता है। चीन और ताइवान 1949 में गृह युद्ध के दौरान अलग हो गए थे और उनका आपस में कोई संपर्क नही है। कैबिनेट के ताइवान मामलों के कार्यालय के प्रवक्ता मा शिओगुआंग ने बताया कि युद्धाभ्यासों का मकसद मूल रूप से चीनी राष्ट्र के हितों की रक्षा के साथ-साथ ताइवान जलडमरूमध्य के दोनों ओर के लोगों के अहम हितों की हिफ़ाज़त करना है। उन्होंने बीजिंग में दो हफ्ते में होने वाली प्रेस वार्ता में पत्रकारों से कहा, जनमुक्ति सेना के अभ्यास राष्ट्र की स्वायत्तता एवं क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा के लिए जरूरी कार्वाई है। शिओगुआंग ने तनाव बढ़ने के लिए ताइवान की स्वतंत्रता के प्रति झुकाव रखने वाली सरकार और बाहरी ताकतों से उसके संबंधों को जिम्मेदार ठहराया है। ताइवान अमेरिका का करीबी सहयोगी है। ताइवान की राष्ट्रपति त्साई इंग-वेन ने बीजिंग के साथ हफ्ते भर के अप्रत्याशित तानव के बाद रविवार को द्वीप की चीन के बढ़ते दबाव से रक्षा करने का संकल्प लिया। पिछले शनिवार को चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने कहा था कि ताइवान के एकीकरण को साकार किया जाना चाहिए और उसके लिए सर्वश्रेष्ठ माध्यम शांतिपूर्ण तरीका है। इसके बाद वेन ने रविवार को उक्त बयान दिया था।

दुर्घटना में घायल हुए भारतीय नागरिक की अस्पताल में मौत

सिंगापुर। अप्रैल महीने में एक ट्रक से टकराने वाली लॉरी पर सवार 17 श्रमिकों में शामिल एक भारतीय नागरिक की चोटों के चलते बाद में अस्पताल में मौत हो गई। बुधवार को अदालत को यह जानकारी दी गई। भारतीय नागरिक सुगुनन सुधीशमन (28), बांग्लादेशी नागरिक तोफ़ाजल हुसैन (33) ,चालक के केबिन के पीछे लॉरी पर बैठे हुए थे, जहां टक्कर का सबसे अधिक प्रभाव पड़ा था। यह दुर्घटना 20 अप्रैल को हुई थी। वरिष्ठ जांच अधिकारी रजीज तहार ने अदालत को बताया कि सुगुनन का नेशनल यूनिवर्सिटी हॉस्पिटल में इलाज चल रहा था, जहां बाद में चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

द. अफ्रीका में हिंसा की घटनाओं के बाद भारतीय मूल के लोगों के आव्रजन संबंधी पूछताछ के मामले बढ़े

जोहानिसबर्ग। दक्षिण अफ्रीका के क्वाजुलू-नटाल प्रांत में जुलाई में हिंसा और लूटपाट की घटना के बाद देश में आव्रजन सलाहकारों के पास दक्षिण अफ्रीकी भारतीयों से पूछताछ के मामले तेजी से बढ़ गए है। दक्षिण अफ्रीका में रहने वाले भारतीय मूल के करीब 14 लाख लोगों में से करीब एक तिहाई इस प्रांत में रहते है। इनमें अधिकतर उन लोगों के वंशज है जो 1860 में श्रमिकों और कारोबारियों के रूप में यहां आए थे।आव्रजन कंपनी बीवर कनाडियन इमिग्रेशन कन्सल्टेंट्स के निकोलस अवरामिस ने एक वेबसाइट को बताया कि जुलाई महीने तक उसके ग्राहकों में करीब 10 प्रतिशत भारतीय मूल के लोग थे जो संख्या हाल में चार गुना होकर 40 प्रतिशत तक पहुंच गई है। उन्होंने कहा कि महिला मुखिया वाले परिवारों के लोग आव्रजन के बारे में जानने में अधिक रुचि ले रहे है जो नकदी या कारोबारों को स्थानांतरित करना चाहते है। अन्य सलाहकारों ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया और ब्रिटेन में आव्रजन में भी लोगों की दिलचस्पी बढ़ी है। न्यू वर्ल्ड इमिग्रेशन के प्रबंध निदेशक रॉबी रैगलेस ने वेबसाइट से कहा, हमारा मानना है कि देश से बाहर जाने में रुचि रखने वालों की संख्या काफी ज्यादा है।

चंद्रमा पर ऑक्सीजन ढूंढ़ने में नासा की मदद के लिए ऑस्ट्रेलिया की रोवर भेजने की योजना

कैनबरा। चंद्रमा पर ऑक्सीजन का पता लगाने में अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा की मदद करने के लिए ऑस्ट्रेलिया 20 किलो वजनी एक रोवर का निर्माण करने पर सहमत हो गया है जिसे 2026 के शुरू में भेजे जाने की योजना है। रोवर चांद पर ऑक्साइड युक्त मिट्टी एकत्र करेगा और नासा इस मिट्टी से ऑक्सीजन तत्व निकालने के लिए एक अलग उपकरण का इस्तेमाल करेगा। नासा के प्रशासक बिल नेल्सन ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया की अंतरिक्ष एजेंसी के साथ हुआ समझौता अंतरिक्ष संबंधी खोज में दोनों देशों के बीच संबंधों को मजबूत करेगा।

तूफान कोम्पासु के कारण हांगकांग में स्कूल, बाजार बंद

बीजिंग। हांगकांग के दक्षिणी शहर में बुधवार को आए तूफान के कारण स्कूल, शेयर बाजार में कारोबार और सरकारी सेवाओं प्रभावित हुईं। हांगकांग वेधशाला ने बताया कि कोम्पासु तूफान के कारण भारी बारिश से निचले इलाकों में बाढ़ आ सकती है, जिसके मद्देनजर निवासियों को सावधानी बरतनी चाहिए। तूफान के कारण 83 किलोमीटर प्रति घंटे (51 मील प्रति घंटे) की रफ्तार से हवाएं चल रही है और बाद में ए 101 किलोमीटर प्रति घंटे (63 मील प्रति घंटे) की रफ्तार तक चल सकती है। दोपहर में हवा की रफ्तार धीरे-धीरे कम होने का अनुमान है। वेधशाला ने कहा कि तूफान के दक्षिण चीन सागर के उत्तरी हिस्से से होते हुए चीन के दक्षिणी द्वीप प्रांत हैनान की ओर बढ़ने और फिर उत्तरी वियतनाम में दस्तक देने का अनुमान है। अधिकारियों ने बताया कि कोम्पासु के कारण पहले उत्तरी फिलीपीन में भूस्खलन और अचानक आई बाढ़ से कम से कम 11 लोगों की मौत हो गई थी और सात लोग अब भी लापता है।

इंग्लैंड को बदलना होगा या तबाह होना होगाः ब्रिटेन की पर्यावरण संबंधी सरकारी एजेंसी

एपी। लंदन

ब्रिटेन की एक सरकारी एजेंसी ने बुधवार को कहा कि इंग्लैंड अगर जलवायु परिवर्तन के कारण पैदा होने वाली मौसम की चरम स्थितियों के खिलाफ अपनी सुरक्षा में सुधार नहीं करता है तो उसे भी उसी प्रकार की भीषण बाढ़ों का सामना करना पड़ सकता है, जैसी बाढ़ ने इस बार की गर्मी में जर्मनी को तबाह कर दिया था। एक रिपोर्ट में, इन्वायरन्मेंट एजेंसी ने वैश्विक ग्लोबल वार्मिंग के कारण अधिक गर्म, शुष्क गर्मियां पड़ने, ज्यादा और खतरनाक बाढ़ों के आने, समुद्र तल की ऊंचाई बढ़ने तथा पानी की आपूर्ति को लेकर मांग बढ़ने की चेतावनी दी है। उसने अनुमान व्यक्त किया है कि वैश्विक औसत तापमान में यदि दो डिग्री सेल्सियस की वृद्धि होती है, तो इंग्लैंड की शीतकालीन वर्षा में छह प्रतिशत की वृद्धि होगी, लेकिन 2050 तक गर्मियों की वर्षा 15 प्रतिशत कम हो जाएगी। रिपोर्ट में यह भी चेतावनी दी गई है कि 2050 तक लंदन के समुद्र तल 23 सेंटीमीटर और 29 सेंटीमीटर (9 से 11 इंच) के बीच और 2080 तक लगभग 45 सेंटीमीटर बढ़ने की उम्मीद है। एजेंसी की प्रमुख एम्मा हावर्ड बोएड ने कहा कि यह सूचक जलवायु प्रभाव अपरिहार्य हैं और यह ‘स्वयं को बदलो या तबाह हो जाओ का मामला है।

रैंसमवेयर से निपटने को विषय आधारित चर्चा के आयोजन में भारत भी शामिलः व्हाइट हाउस

भाषा। वाशिंगटन

भारत उन चार देशों में से एक है जिन्होंने अमेरिका के बाइडन प्रशासन द्वारा रैंसमवेयर से निपटने के लिए बुलाई गई अपनी तरह की पहली अंतरराष्ट्रीय बैठक पर विषय आधारित चर्चा के आयोजन और उसकी अगुवाई करने की स्वेच्छा जताई है। इसमें, साइबर दुनिया की चुनौतियों का समाधान निकालने के लिए चार चरणों वाली रणनीति पर विचार किया जाएगा। व्हाइट हाउस ने बुधवार को यह जानकारी दी। रैंसमवेयर लूटपाट और धोखाधड़ी के इरादे के साथ बनाए जाने वाले सॉफ्टवेयर को कहते हैं जो कम्प्यूटर प्रणाली पर हमला करते हैं।

दो दिवसीय यह बैठक बृहस्पतिवार को समाप्त होगी। इसमें यूरोपीय संघ के अधिकारियों के अलावा 30 से अधिक देशों के मंत्री और वरिष्ठ अधिकारी शामिल हो रहे हैं। इस बैठक का उद्देश्य रैंसमवेयर से निपटने के लिए आपसी सहयोग को बढ़ावा देना है। यह इस साझा खतरे से निपटने के लिए साझेदारों और सहयोगियों को एकजुट करने का अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन का प्रयास है। प्रशासन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, इस बैठक का आयोजन भले अमेरिका कर रहा हो लेकिन हम इसे अकेले अमेरिका की पहल के रूप में नहीं देखते। निश्चित ही हम अन्य देशों को भी इस उद्देश्य के लिए साथ ला रहे हैं। उन्होंने कहा, बैठक के आयोजन में कई सरकारों का सहयोग रहा खासकर चार देशों ने विषय आधारित विशेष चर्चा के लिए स्वेच्छा जताई जिनमें भारत ने लचीलापन, ऑस्ट्रेलिया ने अवरोध, ब्रिटेन ने वर्चुअल करंसी और जर्मनी ने कूटनीति विषय को चुना। दो दिवसीय बैठक में भाग लेने वाले देशों में ऑस्ट्रेलिया, ब्राजील, बुल्गारिया, कनाडा, चेक गणराज्य, डोमिनिक गणराज्य, एस्टोनिया, यूरोपीय संघ, फ्रांस, जर्मनी, भारत, आयरलैंड, इज़राइल, इटली, जापान, केन्या, लिथुआनिया, मैक्सिको, नीदरलैंड, न्यूजीलैंड, नाइजीरिया, पोलैंड, कोरिया गणराज्य, रोमानिया, सिंगापुर, दक्षिण अफ्रीका, स्वीडन, स्विट्जरलैंड, यूक्रेन, संयुक्त अरब अमीरात और ब्रिटेन शामिल हैं।

मेम्फिस में एक डाकघर में गोलीबारी, तीन कर्मचारियों की मौत

मेम्फिस (अमेरिका)। अमेरिका के मेम्फिस में एक डाकघर में गोलीबारी में हमलावर समेत तीन कर्मचारियों की मौत हो गई। हमलावर ने हमला करने के बाद कथित रूप से खुद को गोली मार ली थी। इस सप्ताह टेनेसी शहर में या उसके पास हुई गोलीबारी की यह तीसरी घटना है। अमेरिकी डाक निरीक्षक (यूएसपीएस) सुसान लिंक ने बताया कि मेम्फिस के दक्षिण-पूर्व में ईस्ट लामार कैरियर एनेक्स में हुई गोलीबारी के बाद तीन कर्मचारी मृत मिले। गोलीबारी के कारण का अभी पता नहीं चल पाया है। कर्मचारियों की भी अभी तक पहचान नहीं की गई है। घटना के बाद डाकघर की ओर जाने वाली सड़क को पुलिस ने घंटों तक बंद रखा। एक सफेद कार को भी वहां से कब्जे में लिया गया, लेकिन अभी यह पता नहीं चल पाया है कि यह किसकी कार है। यूएसपीएस ने एक बयान में कहा, डाक विभाग मेम्फिस में आज (मंगलवार को) हुई घटना से दु:खी है।

बगदाद में संसदीय चुनावों में मतपत्रों की गिनती करते हुए चुनाव आयोग के कार्यकर्ता

संयुक्त राष्ट्र ने विविधता से निपटने में विफलता को बताया संघर्ष का मूल कारण

भाषा। संयुक्त राष्ट्र

दक्षिण अफ्रीका के पूर्व राष्ट्रपति थाबो म्बेकी ने मंगलवार को एक के बाद एक ऐसे अफ्रीकी देशों का जिक्र किया, जहां विविधता से निपटने में विफलता संघर्ष का मूल कारण थी। उन्होंने कहा कि 1960 के दशक के अंत में नाइजीरिया में बियाफ्रान युद्ध से लेकर इथियोपिया के टाइग्रे क्षेत्र में मौजूदा संघर्षों का मूल कारण यही है। म्बेकी ने कांगो, बुरुंडी, आइवरी कोस्ट और सूडान में भी विविधता से निपटने में विफलता को ही संघर्षों का मूल कारण बताया। उन्होंने सिएरा लियोन ट्रुथ एंड रिकन्सिलिएशन कमीशन की 2004 की रिपोर्ट का जिक्र करते हुए कहा कि यह रिपोर्ट यह सत्य बताती है कि विविधता से निपटने में विफलता के परिणामस्वरूप देश में 11 साल तक युद्ध चला, जो 1991 में शुरू हुआ था और विविधता से निपटने में ऐसी ही विफलता के कारण कैमरून में हिंसक संघर्ष हुए, जो अब भी जारी है।

संयुक्त राष्ट्र में फ्रांस के राजदूत निकोलस डी रिवेर ने इसी संदर्भ में कहा कि अटलांटिक महासागर और लाल सागर के बीच उत्तरी अफ्रीका के साहेल क्षेत्र में, आतंकवादी संगठन, समुदायों के बीच घृणा फैलाने के लिए मतभेदों का ही इस्तेमाल करते हैं। उन्होंने कहा कि इराक, यमन और सीरिया सहित पश्चिम एशिया में भी जातीय और धार्मिक हिंसा मौजूद है। उन्होंने यह बयान संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की विविधता, देश निर्माण और शांति की खोज विषय पर आयोजित एक बैठक में दिया, जिसे केन्या ने आयोजित किया था। केन्या इस माह परिषद की अध्यक्षता कर रहा है और उसके मौजूदा अध्यक्ष उहुरु केन्याता हैं। केन्याता ने कहा, आज मैं जो मुख्य संदेश देना चाहता हूं, वह यह है कि विविधता से निपटने की दिशा में खराब प्रबंधन अंतरराष्ट्रीय शांति एवं सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा उत्पन्न कर रहा है।

शिया समुदाय के सदस्यों पर हमले के लिए जिम्मेदार लश्कर-ए-झांगवी के तीन आतंकवादी मारे गए

लाहौर। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में अल्पसंख्यक शिया समुदाय के सदस्यों पर हमले में कथित रूप से शामिल लश्कर-ए-झांगवी के तीन आतंकवादियों को देश की कानून प्रवर्तन एजेंसियों ने मार गिराया। लश्कर-ए-झांगवी (एलईजे) के आतंकवादी पिछले अगस्त में लाहौर से लगभग 260 किलोमीटर दूर बहावलनगर में मुहर्म के जुलूस पर हुए हमले में शामिल थे, जिसमें दो लोग मारे गए थे और 50 से अधिक लोग घायल हो गए थे। पंजाब पुलिस के आतंकवाद रोधी विभाग (सीटीडी) ने बुधवार को एक बयान में कहा कि उसने बहावलनगर में मुहर्म की 10 तारीख को जुलूस पर हुए हमले में शामिल एलईजे के आतंकवादी उमर द्राज को गिरफ्तार किया है।

सीटीडी की एक टीम मंगलवार को लाहौर से लगभग 200 किलोमीटर दूर पाकपट्टन के मोजाकलय पठान जिले में आग्नेयास्त्रों और हथगोले बरामद करने के लिए ले गई, जिसे द्राज ने उस इलाके में फेंक दिया था। सीटीडी ने कहा, जैसे ही सीटीडी टीम ने दो हथगोले, हथियार और गोला-बारूद बरामद किया, आतंकवादी उमर द्राज के आग्नेयास्त्रों से लैस अज्ञात साथियों ने टीम पर घात लगाकर हमला किया और अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी तथा द्राज को अपने साथ ले गए। सीटीडी ने कहा, टीम ने कवर लिया और आत्मरक्षा में जवाबी कार्वाई की। गोलीबारी रुकी तो उमर द्राज और उसके दो साथी मृत पाए गए। हालांकि उनके चार साथी अंधेरे का फायदा उठाकर भागने में सफल रहे। घटनास्थल से दो हथगोले, दो पिस्तौल, एक राइफल और गोला-बारूद बरामद किया गया है। एलईजे एक सुन्नी आतंकवादी समूह है, जिसने पाकिस्तान में अल्पसंख्यक शिया समुदाय के खिलाफ कई घातक हमलों की जिम्मेदारी ली है।

हार्वर्ड ने बीजिंग से अपने चीनी भाषा कार्यक्रम को ताइपे स्थानांतरित करने का फैसला किया

बीजिंग। चीन को झटका देते हुए हार्वर्ड विश्वविद्यालय ने अगले साल से अपने चीनी भाषा कार्यक्रम को बीजिंग से ताइवान की राजधानी ताइपे स्थानांतरित करने का निर्णय किया है। विवि ने यहां स्थानीय मेजबान संस्थान के उत्साहहीन माहौल की शिकायत की है। हार्वर्ड बीजिंग एकेडमी ग्रीष्म अध्ययन विदेशी कार्यक्रम की निदेशक जेनिफर लिऊ ने छात्रों के अखबार द हार्वर्ड क्रिमसन से कहा, मेजबान संस्थान बीजिंग भाषा एवं संस्कृति विवि (बीएलसीयू) से मित्रभाव की कमी की वजह से कार्यक्रम को ताइपे में स्थानांतरित करने का फैसला किया गया है। आईवी लीग अमेरिकन विवि द्वारा कार्यक्रम को ताइवान स्थानांतरित किए जाने को चीन के लिए झटका माना जा रहा है जो द्वीपीय देश को अपना हिस्सा मानता है। लिऊ ने कहा कि पिछले कुछ वर्ष में हार्वर्ड कार्यक्रम को जरूरी कक्षाएं तथा सुविधाएं मिलने में कठिनाई आने लगी थीं।

भारत व श्रीलंका में द्विपक्षीय रक्षा सहयोग को आगे बढ़ाने पर हुई चर्चा

● जनरल नरवणे ने श्रीलंका के शीर्ष सैन्य व असैन्य नेतृत्व से की मुलाकात

भाषा। कोलंबो

भारतीय थल सेना प्रमुख जनरल मनोज मुकुंद नरवणे ने बुधवार को यहां श्रीलंका के शीर्ष असैन्य और सैन्य नेतृत्व से मुलाकात की तथा दोनों देशों के बीच प्रगाढ़ द्विपक्षीय रक्षा सहयोग को आगे बढ़ाने के उपायों पर चर्चा की। भारतीय सेना ने एक ट्वीट में कहा कि अपने श्रीलंकाई समकक्ष जनरल शावेंद्र सिल्वा के निमंत्रण पर मंगलवार को चार दिवसीय यात्रा पर यहां पहुंचे जनरल नरवणे ने राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे से मुलाकात की जो श्रीलंकाई सशस्त्र बलों के कमांडर-इन-चीफ भी हैं। जनरल नरवणे ने राष्ट्रपति के साथ परस्पर और रणनीतिक सहयोग से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की।

भारतीय उच्चायोग ने यहां ट्वीट किया, भारतीय थल सेना के प्रमुख जनरल एम एम नरवणे ने राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे से मुलाकात की ताकि द्विपक्षीय रक्षा सहयोग को और मजबूत बनाने के लिए उनका मार्गदर्शन हासिल किया जा सके...। जनरल नरवणे ने सुबह प्रधानमंत्री महिंदा राजपक्षे से भी उनके आधिकारिक आवास टेंपल ट्रीज पर मुलाकात की। श्रीलंका के न्यूज फर्स्ट चैनल के अनुसार जनरल नरवणे ने प्रधानमंत्री महिंदा राजपक्षे से कहा, दोनों सशस्त्र बलों के बीच उत्कृष्ट संबंध हैं। उन्होंने कहा कि यह सकारात्मक बातचीत दोनों देशों के बीच सभी स्तरों पर द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत बनाने में मदद करेगी। चैनल ने कहा कि प्रधानमंत्री महिंदा राजपक्षे ने भारतीय सशस्त्र बलों द्वारा पूरे वर्ष श्रीलंका को दी गई सहायता, खासकर प्रशिक्षण के क्षेत्र में, की सराहना की। जनरल नरवणे ने श्रीलंका के विदेश सचिव जयंत कोलंबगे से भी मुलाकात की। इससे पहले जनरल नरवणे ने रक्षा मंत्रालय के सचिव जनरल (सेवानिवृत्त) जीडीएच कमल गुनारत्ने से मुलाकात की तथा श्रीलंका व भारत के बीच प्रगाढ़ रक्षा सहयोग को और आगे बढ़ाने के उपायों पर चर्चा की। उन्होंने सेना मुख्यालय का भी दौरा किया जहां उन्होंने सम्मान गारद का निरीक्षण किया। भारतीय सेना की तरफ से जारी एक अन्य ट्वीट के मुताबिक, सेना प्रमुख ने शानदार टर्नआउट व परेड के लिए गारद की सराहना भी की। भारतीय सेना ने कहा कि जनरल नरवणे ने जनरल शावेंद्र सिल्वा से मुलाकात की और दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय रक्षा सहयोग को बढ़ावा देने से संबंधित मुद्दों पर चर्चा की। उन्होंने यात्रा के दौरान श्रीलंकाई सेना के वरिष्ठ अधिकारियों से भी बातचीत की। जनरल नरवणे ने यहां भारतीय शांति सेना (आईपीकेपी) युद्ध स्मारक पर पुष्पचक्र अर्पित किया और भारतीय सेना के उन बहादुरों को श्रद्धांजलि दी जिन्होंने श्रीलंका में शांति अभियान के दौरान अपने प्राणों की आहुति दी थी।

कोलंबो में गॉर्ड ऑफ ऑनर परेड का निरीक्षण करते भारतीय सेनाध्यक्ष जनरल मनोज मुकुंद नरवणे

मौके पर आगे बढ़ना

नताशा भारद्वाज ने स्वीकार किया कि उन्होंने डॉ दीया के किरदार में उतरने के लिए अपनी मां की मदद से कार्यशालाएं कीं। खुशबू कीर्तिक की रिपोर्ट

हाल ही में रिलीज ओटीटी मुंबई डायरी 26/11 अमेजन प्राइम टीवी पर प्रसारित हो रहा है और इसने अपने खाते में बहुत प्रशंसा बटोरी है। समस्त रेटिंग से ऊपर उठकर, वेब सीरीज मुंबई में 26 नवंबर, 2008 की दुर्भाग्यपूर्ण रात को हुए आतंकवादी हमलों का चित्रण पर्दे पर करती है। शो, हालांकि, एक अनोखे कोण पर प्रकाश डालता है – चिकित्सा बिरादरी का दृष्टिकोण, जिसने भारी दबाव और हाड़तोड़ परिस्थितियों के बीच हमलों के शिकार लोगों का इलाज किया। सीरीज में मॉडल से अभिनेत्री बनी नताशा भारद्वाज ने रेजिडेंट डॉक्टर, दीया पारेख की भूमिका निभाई है। एक विशेष अंतरंग चर्चा में भारद्वाज ने डॉ. दीया की भूमिका निभाने के अपने अनुभव के बारे में बताया। उनके साक्षात्कार में पेश हैं उसी बातचीत के कुछ अंश :

❐ **श्रेया धनवंतरी के साथ बात करने पर, हमने पाया कि सीरीज, मुंबई डायरी 26/11, एक ऐसे कोण की पड़ताल करती है जिस पर पहले चर्चा नहीं की गई – उस भयानक रात में फ्रंटलाइन कार्यकर्ताओं के साथ क्या हुआ।**

उस संदर्भ पर, हमें अपने चरित्र के बारे में कुछ बताएं।

यह पहली बार है जब हमने एक शो के रूप में एक मेडिकल ड्रामा प्रस्तुत किया है कि कैसे डॉक्टर लगातार दबाव में होते हैं, और वे चौबीसों घंटे कैसे काम करते हैं, इसी को हमें देखना और समझना था, यहां तक कि एक तरह से अनुभव को जीना था। चाहे उनके निजी जीवन में कुछ भी हो रहा हो, वे खुद को परे रखते हैं और एक-एक सांस को बचाते हुए अधिक से अधिक रोगियों का इलाज करते हैं। यह जानना हमारे लिए बेहद जरूरी था।

अपने किरदार की बात करूं तो मैंने डॉ दीया पारेख की भूमिका निभाई है और वह वो लड़की है जो विशेषाधिकार की भावना से आती है। उनके दादा जी अस्पताल के मालिक हैं, लेकिन वह ऐसी है जो अपनी पहचान बनाना चाहती है और अपने काम में भी अच्छी है। लेकिन साथ ही, वह चिंता और अवसाद से पीड़ित है और ये समस्याएं कैसे उसी समय में शुरू होती हैं जब आप उन्हें नहीं चाहते हैं और उसे स्थिति से कैसे निपटना होता है, यह मुख्य है। यह उसके चमकने और अपनी काबिलियत साबित करने का समय है। तभी डॉ दीया सब कुछ एक तरफ रख देती है, और सामने मौजूद भीमकाय लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित करती है और सचमुच आगे बढ़ती है।

❐ **मैंने कहीं पढ़ा है कि आपकी माँ एक डॉक्टर हैं। क्या इससे आपको किरदार के मर्म को समझने में मदद मिली ?**

हां, मेरी मां एक डॉक्टर हैं और वह हमेशा से मेरी प्रेरणा रही हैं। उन्होंने वास्तव में मुझे चरित्र में ढलने में मदद की है। मैं उन्हें अपने साथ पाकर धन्य हो गयी, जो अपने तजुर्बे के कारण मुझसे उन स्थितियों से पार पाने के बारे में बात कर सकती थीं, जिनसे मैं वास्तव में तंग आ गयी थी। उन्होंने इतने सारे रोगियों का इलाज किया है और ऐसी असंख्य कहानियाँ हैं जो अविश्वसनीय रूप से प्रेरक और हृदय विदारक हैं। मैं सचमुच इस मदद को परिभाषित नहीं कर सकती, लेकिन निसंदेह, इससे मुझे डॉ दीया बनाने में काफी मदद मिली है। मुझे याद है कि मैं बचपन में उनके साथ अस्पताल जाया करती थी। वह ऑपरेशन के लिए जाती थीं और मैं उसके केबिन में बैठ जाती थी। मुझे माइक्रोस्कोप के नीचे रखी स्लाइड्स को देखने में बहुत मजा आता था। मुझे याद है मेरा सबसे ज्यादा समय उसी में बीतता था, मैं हमेशा अस्पताल के माहौल में रही हूं। हालांकि, इस शो को कुछ बिल्कुल अलग चाहिए था। यह एक सरकारी अस्पताल है। सरकारी अस्पताल में पूरी तरह से अलग-अलग तरह की समस्याएं घटित होती हैं और जब सब कुछ टूट बिखर जाता है, तो ये अस्पताल सचमुच कैसे प्रभावित होते हैं, यह हमें शो में दिखाने की जरूरत थी।

> मैं खुश और शुक्रगुजार हूं कि इस समय मुझे ऐसे शानदार लोगों के साथ काम करने का मौका मिला, जो लोगों के दिलों को छूने वाला प्यारा सिनेमा बनाते हैं।

❐ **अभिनय कुछ कुछ वास्तविकता से प्रेरित है ... आपने कितना और किस तरह का शोध किया ? रेजिडेंट डॉक्टर की भूमिका निभाते हुए स्क्रीन पर दिखाई देने वाली बारीक जानकारी की आपने कैसे तैयारी की ?**

चरित्र की तह में उतरना बेहद (इस शब्द में अत्यधिक जोर देते हुए) महत्वपूर्ण था। हमारे निदेशक, श्री निखिल आडवाणी, और सह-निदेशक, श्री निखिल गोंसाल्वेस, दोनों की सोच स्पष्ट थी कि वे क्या चाहते हैं और किस तरह से वे इसे चाहते हैं। वेब सीरीज के लिए हमारी मेडिकल वर्कशॉप शुरू होने से पहले मैंने खुद की वर्कशॉप शुरू कर दी थी। मैंने अपनी मां के साथ उनके अनुभवों और वास्तविकता में डॉक्टरों के काम करने के तरीके पर चर्चा की। मैंने मेडिकल शब्दावली को आत्मसात करने की कोशिश की। इसके बाद, मैं अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन में प्राथमिक चिकित्सा कार्यशाला के लिए गयी और मैं अपनी मां के एक सहयोगी के सरकारी अस्पताल में भी गयी। मैं वहां कुछ दिनों के लिए यह देखने के लिए गयी कि आघात कैसा होता है, आपात स्थिति कैसी दिखती है और इससे मुझे चरित्र की तह में दाखिल होने में मदद मिली। साथ ही मुझे बहुत कुछ सीखना और छोड़ना पड़ा। मेरा मानना है कि इसने मुझे उन बारीक चीजों की तैयारी में मदद की, जो डॉ दीया की भूमिका निभाते हुए स्क्रीन पर दिखाई देती थीं।

❐ **मॉडलिंग, डांसिंग, कराटे से लेकर फिल्मों तक, डांसर और मॉडल के रूप में आपका करियर सफल रहा है। बॉलीवुड में प्रवेश कैसे हुआ ? आपके लिए दोनों जीवन अलग कैसे हैं ? और, आपको कौन सा जीवन अधिक पसंद है ?**

मुझे जो कुछ भी करने का अवसर मिला है, उसके लिए मैं बहुत आभारी हूं। मुझे नहीं लगता कि किसी प्रकार का कोई स्थानांतरण हुआ है। मैं शुरू से ही अभिनेत्री बनने की ख्वाहिश रखती थी। मैं खुश और शुक्रगुजार हूं कि इस समय मुझे ऐसे शानदार लोगों के साथ काम करने का मौका मिला, जो लोगों के दिलों को छूने वाली प्यारी सिनेमा बनाते हैं। एक चीज ने दूसरे की ओर अग्रसर किया है इसलिए मैं सभी अच्छे और बुरे अनुभवों के लिए खुश हूं, लेकिन जो कुछ भी हुआ है उसने मुझे वह बना दिया है जो मैं आज हूं और मैं इसके लिए आभारी हूं।

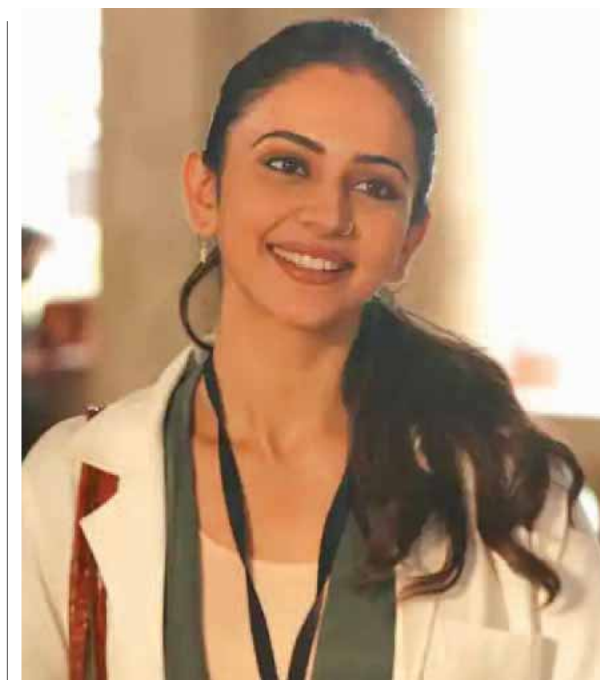

चमकने की तैयारी

रकुलप्रीत सिंह ने अपनी नई कॉमेडी फिल्म *डॉक्टर जी* के लिए मेडिकल कक्षाओं में दाखिला लिया

अभिनेत्री रकुलप्रीत सिंह, का हाल ही में उनकी आगामी फिल्म डॉक्टर जी के लिए ताजा लुक सामने आया था, जिसमें कि उन्होंने आयुष्मान खुराना के साथ काम किया है। इस अभिनेत्री को फिल्म में अपने किरदार में उतरने के लिए चिकित्सा कक्षाओं के लिए नामांकन कराना पड़ा।

अनुभूति कश्यप द्वारा निर्देशित इस फैमिली एंटरटेनर हेतु, डॉ फातिमा के किरदार के लिए, रकुल को चिकित्सा शब्दावली व कुछ महत्वपूर्ण सर्जिकल प्रक्रियाओं की बारीकियां भी सीखनी पड़ीं।

चिकित्सा जगत से जुड़ी हर चीज को स्क्रीन पर प्रामाणिक ढंग से दिखाने के लिए, निर्माताओं ने कलाकारों – रकुल, खुराना और अभिनेत्री शेफाली शाह के साथ विशेष सत्र आयोजित किए और उन्हें अपने पात्रों की तैयारी के हिस्से के रूप में प्रशिक्षित करने के लिए विशेषज्ञों की व्यवस्था की थी।

रकुल ने बताया, ''डॉक्टर जी के लिए शूटिंग करना एक दिलचस्प अनुभव रहा है। चूंकि मैं डॉक्टर की भूमिका निभा रही हूं, इसलिए व्यवहार और कार्य सटीक होना चाहिए। स्क्रीन पर वास्तविक दिखने के लिए चिकित्सा जगत से जुड़ी महत्वपूर्ण बातें सीखना अनिवार्य था।''

उन्होंने कहा,''डॉ. फातिमा बनने का सफर एक अद्भुत प्रक्रिया थी जिसे मैं हमेशा संजो कर रखूंगी।''

रकुल ने कहा कि वह और निर्माता चाहते थे कि उनका किरदार वास्तविक और भरोसेमंद लगे।

रकुल ने आगे कहा, ''हमने उसका लुक सही करने के लिए कई लुक टेस्ट किए। मकसद यह था कि वह यथासंभव वास्तविक के करीब दिखे और अपने चरित्र की प्रिय गुणवत्ता को सामने लाए। सिर्फ डॉक्टर का कोट पहनने से आपको अचानक जिम्मेदारी का अहसास हो जाता है, भले ही मैं केवल एक किरदार निभा रही थी।''

अभिनेत्री ने स्वीकार किया कि दृश्यों के लिए मरीजों का इलाज करते समय, व्यक्ति सचमुच समझता है कि डॉक्टरों के कंधों पर कितनी जिम्मेदारी होती है और उनका जीवन कितना कठिन है।

फिल्म डॉक्टर जी एक कैंपस कॉमेडी ड्रामा है, जिसे कश्यप, सुमित सक्सेना, विशाल वाघ और सौरभ भारत ने लिखा है। **–आईएएनएस**

सुरक्षा के साथ आती खुशी

अब जबकि त्योहारों का मौसम हमें अपने रंग में रंग रहा है और प्रतिबंधों में ढील मिल गई है, हम इस तथ्य को नजरअंदाज न करें कि वायरस ने अभी तक हमारा साथ नहीं छोड़ा है। ऐसे में जिम्मेदारी से जीने के कुछ तरीके यहां बताए जा रहे हैं...

त्योहारों का मौसम हमारे समक्ष है। जैसे ही आप उत्सव मनाने की तैयारी में हैं, आपको इस मौसम में खुद को और अपने परिवार को सुरक्षित रखने के लिए तैयार करना चाहिए। वर्ष की शुरुआत में कोविड-19 की घातक दूसरी लहर और तीसरी संभवत: बड़ी होने से, उत्सवों को सावधानी से मनाना वास्तव में आवश्यक है। हालांकि सरकार और स्वास्थ्य अधिकारियों ने त्योहारों के दौरान वायरस के प्रसार को रोकने के लिए नियम लागू किए हैं, हमें इस असामान्य समय के दौरान सुरक्षित त्योहार सुनिश्चित करने के लिए आत्मानुशासन और संयम का अभ्यास करना चाहिए।

नागरिकों को समस्त सुरक्षा नियमों का पालन करते हुए जिम्मेदारी से उत्सव में भाग लेना चाहिए। लोगों को चाहिए कि वे अपने परिवार के साथ अपने घरों में एकांत में छुट्टियां बिताएं, भीड़-भाड़ वाले इलाकों से बचें और घर से बाहर निकलने पर हर समय मास्क पहने रहें। दुर्भाग्य से, जब हम सुरक्षा की बात करते हैं, तो हम इसे सामाजिक दूरी और अन्य उपयुक्त आचरण तक सीमित कर देते हैं, और अक्सर सतह और उस वायु स्वच्छता पहलू को नजरअंदाज कर देते हैं जो कचरे, दूषित व ठहरे पानी, कीड़ों, आदि की उपस्थिति से प्रभावित होते हैं।

हम कहते हैं कि घर वहां है जहां दिल है, और हम अपने घरों को साफ रखने का प्रयास करते हैं। जबकि हमारा घर निर्विवाद रूप से हमारा आश्रय स्थल है, इसे साफ-सुथरा रखना एक पूर्णतया अलग कहानी है। जब त्योहारों का मौसम आता है तो घर की साफ-सफाई करना काफी मुश्किल हो जाता है। आधुनिक समस्याओं के लिए आधुनिक समाधानों की आवश्यकता होती है, और घर को सुरक्षित और स्वच्छ बनाने के लिए घर की सफाई और कीटाणुशोधन सेवाओं का उपयोग करना आजकल काफी सरल और झंझट-मुक्त है।

त्योहार से पहले पेशेवर कीटाणुशोधन सेवाएं हासिल करना और उनके जरिए पूरे घर को कीटाणुरहित करना यह सुनिश्चित करने का एक उत्कृष्ट तरीका है कि आपके सभी कार्य समय पर पूरे हो जाएं। पेशेवर कीटाणुशोधन सेवाएं सभी या अधिकांश सूक्ष्मजीवों को खत्म करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं, इस प्रकार यह सुनिश्चित करना कि आपका घर पूर्णतया सुरक्षित है और कीटाणुओं से सुरक्षित है, खासकर त्योहारों के दिनों में।

हमारे पास चुनने के लिए अनेक विकल्प हैं, जिनमें असंचारी फॉगिंग और महत्वपूर्ण स्पर्शबिन्दुओं को सेनिटाइज करना शामिल है। ऐसी सेवाओं को करने वाले तकनीशियन सामान्य सफाई कर्मचारियों की तुलना में अधिक प्रशिक्षित होते हैं और स्वच्छता की उच्च आवश्यकता वाली स्थितियों में काम करने का वर्षों का अनुभव रखते हैं।

हम इस बात से अवगत हैं कि कीटाणु कैसे एक बड़ी परेशानी हो सकता है। वे न केवल असुविधाजनक हैं, बल्कि अस्वाभाविक भी हैं। सफाई में न केवल कालीनों, खिड़कियों व पूरे घर की धुलाई और सूखी सफाई होती है, बल्कि कीटाणुओं भी साफ होते हैं। जब मेहमान घर आते हैं, तो आसपास तिलचट्टे और मच्छरों जैसे कीड़ों को देखना शर्मनाक होता है। इसके अलावा, त्यौहारों का मौसम अवांछित कीड़ों जैसे कि घरेलू मक्खियों व गोबर मक्खियों के उत्पन्न होने का भी चरम समय होता है जो भोजन और सतहों के माध्यम से बीमारी फैला सकते हैं।

मक्खियों व मच्छर काटने और डंक मारने का कारण बन सकते हैं। इसलिए, त्योहार से पहले पेशेवर कीट नियंत्रण सेवा प्रदाता द्वारा पूर्ण कीट उपचार कराना सबसे अच्छा है।

प्रभावी कीट प्रबंधन के अलावा, घर में स्वस्थ व आरामदायक वातावरण के साथ-साथ, परिवार के सदस्यों व मेहमानों के स्वास्थ्य को खतरनाक वायु प्रदूषकों से बचाने के लिए अच्छी आंतरिक वायु गुणवत्ता बनाए रखना महत्वपूर्ण है।

कई लोगों ने कई वर्षों से यह मान लिया है कि खतरनाक वायु प्रदूषण केवल बाहर ही पाया जा सकता है। लोग आज अपना लगभग 90 प्रतिशत समय घर के अंदर बिताते हैं, जिससे वे लंबे समय तक इनडोर वायु संदूषकों के संपर्क में रहते हैं। खाना पकाने की तैयारी, सुगंध, एयर फ्रेशनर, और सफाई उत्पाद, अपशिष्ट और कचरा, शरीर की गंध, मोमबत्तियों और धूप, पेंट और वार्निश की गंध, और नमी का निर्माण, समस्त रासायनिक यौगिकों को हवा में छोड़ सकते हैं, जिसके परिणामस्वरूप इनडोर वायु प्रदूषण होता है। खराब आंतरिक वायु गुणवत्ता (आईएक्यू) वायरस, बैक्टीरिया, मोल्ड, फफूंद और अन्य एलर्जी से रोग संक्रमण के जोखिम को बढ़ा सकती है। इससे लोगों की नींद और दिन भर के कार्य-प्रदर्शन पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। बच्चों, बुजुर्गों और पालतू जानवरों के साथ-साथ एलर्जी या समझौता प्रतिरक्षा प्रणाली वाले लोगों की सुरक्षा के लिए घर के अंदर अच्छी वायु गुणवत्ता की आवश्यकता होती है। जबकि अच्छा वेंटिलेशन घर में हवा को पुन: प्रसारित करने में मदद कर सकता है, स्वच्छ वायु उपकरण खतरनाक वायु प्रदूषकों को खत्म करने में सहायता कर सकते हैं।

इसके अलावा, गैस्ट्रिक व संबंधित बीमारियों से बचने के लिए व्यक्तिगत स्वच्छता बनाए रखना और अपने खान-पान का ध्यान रखना बेहद जरूरी है। प्रदूषण से बचने के लिए हमेशा स्वच्छ वातावरण में पका हुआ भोजन खाना सबसे अच्छा होता है। खाना गर्म होने पर ही खाना चाहिए और अपने सामने साफ बर्तन में बना ताजा पका खाना पसंद करें।

यदि आप बाहर निकलते हैं, तो आपको यह अवश्य देखना चाहिए कि खाने का स्टॉल साफ और सुव्यवस्थित है या नहीं। कर्मचारियों को देखें, कि वे पैसे या अन्य गंदी चीजों को संभालने के बाद और अपने हाथों से खाना परोसने से पहले हाथ धोते हैं या नहीं। मक्खियों जैसे कीटों से सावधान रहें। खराब स्वच्छता वाले स्थानों पर खाना खाने या उन्हें खाने का ऑर्डर करने से बचें।

उत्सव के दौरान सामाजिक दूरी के नियमों का पालन सुनिश्चित करना जरूरी है। बड़े पारिवारिक समारोहों और सार्वजनिक स्थानों पर भीड़भाड़ से दूर रहने से आपकी व आपके प्रियजनों की रक्षा करने में मदद मिल सकती है। आप कभी नहीं जानते कि आप जिस व्यक्ति के साथ बातचीत कर रहे हैं वह एक शांत वायरस वाहक है या नहीं। उत्सव मौज-मस्ती और उत्साह का समय है और ऐसे में मौजूदा महामारी के बारे में भूलना आसान है। इसलिए, इस त्योहार के मौसम को स्वस्थ व स्वच्छ वातावरण में मनाएं और अपने व अपने परिवार को सुरक्षित रखना सुनिश्चित करें।

–लेखक डेविड लुईस रेंटोकिल पीसीआई में एमडी हैं।

उन लोगों के लिए बोलो जो अनसुना कर जाते हैं

अंतरराष्ट्रीय सांकेतिक भाषा दिवस के अवसर पर, अभिनेता रणवीर सिंह बधिर समुदाय के साथ काम करके समावेशी स्थलों के लिए प्रचार करने की पहल करते हैं। टीम विवा की रिपोर्ट....

रणवीर सिंह बधिर समुदाय द्वारा सामना की जाने वाली समस्याओं को उठाने की दिशा में लगातार काम कर रहे हैं। वह अधिकारियों से भी आग्रह कर रहे हैं कि भारतीय सांकेतिक भाषा (आईएसएल) को भारत की 23वीं आधिकारिक भाषा के रूप में मान्यता दें और घोषित करें। इस निर्भीक अभिनेता ने हमेशा सामाजिक मुद्दों के लिए अपनी आवाज उठाई है और उन्होंने हाल ही में इस कार्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से एक याचिका पर हस्ताक्षर किए हैं।

रणवीर का स्वतंत्र रिकॉर्ड लेबल इंकइंक, जिसे उन्होंने नवजार एरानी के साथ बनाया है, ने सांकेतिक भाषा के संगीत वीडियो भी जारी किए हैं – इस प्रगतिशील कदम को शुरुआत करने का एकमात्र रिकॉर्ड लेबल। आईएसएल को आधिकारिक भाषा बनाने के मद्देनजर रणवीर के प्रयासों को देखते हुए, भारत में बधिर समुदाय ने उनकी तहे दिल से सराहना की है और उनके लिए हार्दिक धन्यवाद वीडियो भी डाला है। अंतर्राष्ट्रीय सांकेतिक भाषा दिवस 2021 पर, रणवीर ने युवाओं से बधिर समुदाय के लिए एक समावेशी स्थान बनाने की अपील की है।

रणवीर ने कहा, ''अगर पिछले डेढ़ साल में हम सभी इस मूल्य को गले लगाने के लिए थोड़ा भी आगे आए हैं तो यह समुदाय की शक्ति है और एक दूसरे के लिए वहां रहना है।

आज के युवाओं के लिए मेरा संदेश होगा कि आप जो काम कर रहे हैं उसे करते रहें और अगर किसी भी तरह से आप बधिर समुदाय के साथ काम करके एक समावेशी जगह बना सकते हैं या प्रचारित कर सकते हैं, तो कृपया जरूर करें। आतिथ्य से लेकर शिक्षा तक, रचनात्मक कलाओं तक, हम एक साथ ही यह परिवर्तन कर सकते हैं और मेरा विश्वास और समर्थन हमारे देश के युवाओं के साथ है।''

रणवीर और उनके कलाकार समूह, इंक इंक, कार्रवाईगत बदलाव के लिए लगातार और मजबूत योजनाओं के साथ इस लक्ष्य के ध्वजवाहक रहे हैं। इस बहुमुखी अभिनेता ने इस लक्ष्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने की अपनी भविष्य की योजनाओं को साझा किया।

रणवीर कहते हैं, ''यह एक लंबी यात्रा है जो दूर तक जानी है। इंकइंक में, हम सभी बधिर समुदाय के सहयोगी बनने और उनके साथ अंतिम मुकाम हासिल करने तक के लिए प्रतिबद्ध हैं। इसके लिए बहुत सारे स्तर हैं। पहला आईएसएल को आधिकारिक रूप से मान्यता प्राप्त भाषा बनाने की अपनी याचिका में बधिर समुदाय का समर्थन करना है। फिर, एक समाज के रूप में, जमीनी स्तर पर इस समुदाय के लिए पहुंच बनाना और अधिक समावेशी होना।''उन्होंने आगे कहा कि इंकइंक में, हम कला बनाते हैं और यही हम बधिर समुदाय के लिए सुलभ बनाना जारी रखेंगे। उदाहरण के लिए हमारे आईएसएल वीडियो – मोहब्बत, संगीत, ब्लैक, और करो और विचार, जो अंतर्राष्ट्रीय सांकेतिक भाषा दिवस मनाने के लिए जारी किए गए थे। हमारे पास ऐसे विचार हैं जो बातचीत के माध्यम से बधिर समुदाय के साथ अपने संबंधों को और विस्तारित करने के लिए विचार कर रहे हैं, लेकिन यह अभी भी प्रारंभिक चरण में है।

रणवीर बताते हैं कि इंकइंक का बधिर समुदाय के साथ संबंध 2019 में शुरू हुआ जब हमारे पास एक आईएसएल दुभाषिया था, जो हमारे कलाकार, स्पिटफायर के साथ प्राइम टाइम पर राष्ट्रीय टीवी पर लाइव प्रदर्शन करता था (इसे भारत में पहली बार टेलीविजन पर आईएसएल प्रस्तुति बनाते हुए), जिसके बाद हमने खुद को और शिक्षित किया और पिछले साल मई में समुदाय के हितों की हिमायत की तथा अपने दर्शकों से आईएसएल को भारत की 23वीं मान्यता प्राप्त भाषा घोषित करने वाली याचिका को साझा करने के लिए आग्रह किया। उन्होंने आगे कहा हि इस ऐतिहासिक पड़ाव के लिए पहला कदम सरकार द्वारा कुछ हफ्ते पहले उठाया गया था जब आईएसएल को 9-12वीं कक्षा के छात्रों के लिए स्कूलों में शिक्षण के लिए वैकल्पिक बना दिया गया था, लेकिन जिस दिन आईएसएल को संविधान के तहत एक आधिकारिक भारतीय भाषा के रूप में मान्यता दी जाएगी वो भारत ऐतिहासिक पड़ाव होगा जो सुई को स्थानांतरित करेगा। मुझे अपने देश के नेताओं पर पूरा भरोसा है और मैं जानता हूं कि हम इस मुकाम को हासिल करने की राह पर हैं। नागरिकों के लिए, मैं आपसे याचिका पर हस्ताक्षर करने का आग्रह करता हूं ताकि यह दिन जल्द ही मनाया जा सके।